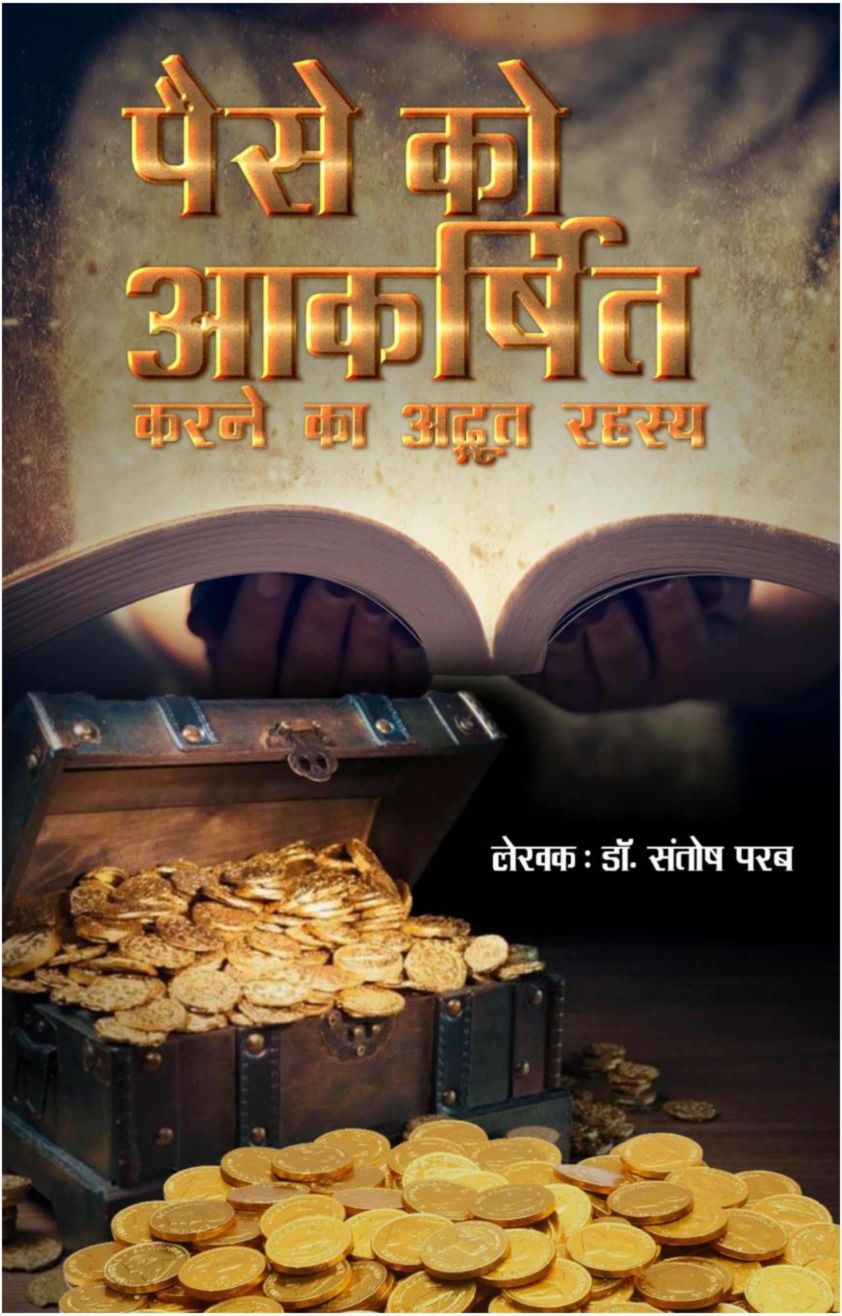
पैसे को आकर्षित
करने का अद्भुत रहस्य
लेखक : डॉ. संतोष परब

शुरूआत

आज के जमाने में पैसा एक ऐसी चीज बन चुका है, जीस की जरूरत हर किसी को है, ऐसा कौन होंगा जो अपने जीवन में पैसा औरे संपन्नता नही चाहता। हम सब चाहते है की हमारे जीवन में बहुत सारा पैसा हो, हम सभी धनवान व्यक्ती बनना चाहते है। हम सभी चाहते है के हमारे पास भी बडा घर हो, बडी गाडीयॉ हो, बढीया जगहों पर खाना खाने जाए और वो सब कुछ हो जीससे हमे खुशी मिल पाये। तो दोस्तों आप बताईए क्या आप पैसा कमाना चाहते है। अपने जीवन में बहुत सारा पैसा आकर्षित करना चाहते है। चाहे हम आज किसी भी प्रकार की आर्थिक स्थिती से गुजर रहे हो, लेकीन पैसा आकर्षित करने के लिए हमारी कोई भी परिस्थिती हम पर असर नही डालती, हम किसी भी स्थिती में, किसी भी हालात में पैसों को आकर्षित कर सकते है। इन्ही सब बातों को लेकर डॉ संतोष परबजी कहते है की ‘‘हमारे अंदर कुछ तो ऐसा है, जो हमे पैसा आकर्षित करने में बाधा उत्पन्न कर रहा है,

कोई तो ऐसी दिवार है। जीस ने पैसों को हमसे दुर कर रखा है'' और इन्ही सब बातो के लिए डॉ संतोष परब जी आपको यह बताना चाहते है की आप किस प्रकार अपने और पैसें के बिच के सारे बंधन और सारी दिवारों को हटाकर कैसे पैसें को आकर्षित कर सकते है। किस प्रकार आप अपना भविष्य फिर से लिख सकते है, इस के लिए उन्होने एक प्रोग्राम बनाया है, जीस के द्वारा वे आप सब को बताना चाहते है की किस प्रकार आप खुद में वो क्षमता उत्पन्न कर सकते है की आप भी अपने जीवन में बहुत सारा पैसा कमा सके वो भी एक बहुत ही आसान तरीके से, एक ऐसे रास्ते जो की बिलकुल सिधा, सरल और सच्चा है जीस पर चलकर आप एक प्रतिष्ठीत और धनवान व्यक्ती बन सकते है।

आज वे आप के सामने एक ऐसे रहस्य से परदा उठाने जा रहे है, जीस के बाद आपे यह समज जायेंगे की अपने जीवन में पैसा आकर्षित करना कितना आसान है। वे आप सब को यह बताना

चाहते है की आप आपने व्यापार को किस प्रकार चलाए, अपने प्रोडक्ट की किस प्रकार मार्केटींग करे, वे आप सब को मार्केटींग करने का एक बहुत ही अनोखा और नया तरीका बताना चाहते है जीससे की पैसा खुद मजबुर हो जाये आपके पास आने के लिए।

हो सकता है की आप डॉ. संतोष परबजी के पुराने अनुयायी हो, या आज आप उनके बारें में पहली बार पढ रहे हो। लेकीन इस किताब के द्वारा आप बहुत ही आसानी से इस बात को समज पायेंगे की वे आपसे क्या कहना चाह रहे है और आप अपने जीवन में वह सब कुछ पा लेंगे जो आप चाहते है। उनकी कही हुई बातों के द्वारा आज आपके सामने उस राज परसे परदा उठने वाला है जीसे सुनने के बाद आप खुद में वह बदलाव महसुस करेंगे, जैसा की आपने पहला कभी नही किया।

तो आईए शुरूआत करते है।

प्रस्तावना

पैसे आकर्षित करने का अद्‍भुत रहस्य, एक ऐसा तरीका जीस के द्वारा आप यह समज पायेंगे की किस प्रकार आप आपने वास्तविक जीवन में अपने अंतरमन की शक्ती के द्वारा पैसें को आकर्षित कर सकते है।

मै आज आप सबको वह तरीका बताने जा रहा हूॅ, जैसा की आपने पहले कभी नही सुना होंगा। पैसा पाने का एक ऐसा अनोखा रहस्य जो आपके पास पैसों की ढेरी लगा देंगा। आप शायद यही सोच रहें होंगे की अपने जीवन में प्रतिष्ठा पाने के लिए, धनवान बनने के लिए, पैसे को सही जगह इनवेस्ट करना, पैसा बचाना, अपने फायनान्स को सही तरीके से बनाये रखना या अपने पैसें को दुगना करने के तरीकों के बारेमें यहा पे बताया जायेंगा। अगर आप यही सोच रहें है तो आप गलत है, यह किताब इन सब बातों से उपर नही है। यह किताब आपको बताती है की, किस प्रकार आप अपने

अंतरमन की शक्ती के द्वारा अपने आपको जानकर, आप खूदको ऐसा इन्सान बना सकते है जीस के पास बहुत सारा पैसा है जो पैसों को अपनी तरफ आकर्षित करने में सक्षम है।

आप सब सोच रहे होंगे की किस प्रकार अंतरमन की शक्ती के द्वारा पैसेंको आकर्षित किया जा सकता है। लेकीन विश्वास किजीए मै जो कुछ भी आपको कह रहा हूॅ, उन सब बातोंको मै खुद पिछले १६ वर्षोसे इस्तेमाल करता आ रहा हूॅ। आप शायद विश्वास करे या ना करे लेकीन सच तो यही है की आजसे कुछ १६ साल पहले मेरी आर्थीक स्थिती ऐसी नही थी जैसी आज है। आज मेरे पास सब कुछ है घर, गाडी, जमीन जुमला, पैसा और जपान से अमेरीका तक दुनियॉ देखने और उसे एन्जॉय करनेका अनुभव। पर आज से १६ साल पहले मेरे पास इन में से कुछ भी नही था, न घर, ना पैसा और ना ही कोई उमीद, मै निर्धनता के बोज से दबता जा रहा था। उस समय मैने पैसा कमाने के लिए बहुत मेहनत की लेकीन मेरी सारी मेहनत

बेकार जा रही थी। फिर मुझे इस रहस्य के बारेमें, इस पैसा आकर्षित करने के रहस्य के बारेमें पता चला और मैने अपने अंतरमन की शक्ती का इस्तेमाल करके वो सब हासील किया जीस की मुझे हमेशा से चाहत थी और फिर मै वह बना जो मै आज हूॅ और आज मेरे पास सब कुछ है। शायद आपके लिए यह सब विश्वास करना मुश्कील होंगा लेकीन मेरा यकीन मानीये यह सब सच है, आज मै एक प्रतिष्ठीत व्यावसायीक, सायकोथेरपीस्ट और लेखक हूॅ, मेरी कई किताबे और सी.डी.ज तथा डिजीटल प्रोग्राम बाजार में उंचा दर्जा प्राप्त कर चुकी है। हर रोज न जाने कितने लोग मेरी किताबों और सी.डीज तथा डिजीटल प्रोग्राम्स को खरीदते है, उसे सुनते है और अपने जानने वालों को इसके बारेमें बताते है। अब आप यही सोच रहे होंगे यह सब कैसे हुआ, मैने यह सब कैसे हासिल किया। तो यही है वह राज जीसे कहते है, पैसे को आकर्षित करने का रहस्य, जीस के बारेंमै आपको बताने जा रहा हूॅ इस किताब के द्वारा। मै आपको बताउंगा के किस प्रकार मै एक छोटे से पुलिस

सिपाही से एक धनवान और प्रतिष्ठीत बिजनेसमन बना। मैने आजतक बहुत सारी किताबें और सी.डी. यॉ तथा डिजीटल प्रोग्राम बाजार में उतारी है साथ साथ मेरे बिजनेस प्रोडक्ट्स भी और उनको बहुत सफलता मिली है। क्यो की मैने इन्हे उस तरीके से बेचा जिसे इस किताब के द्‌वारा मै आपको बताने जा रहा हूॅ, और यही है वह रहस्य, वह अद्‌भूत तरीका, जीस के द्वारा आप भी पैसों को आकर्षित करने में सक्षम बन पायंगे।

आप शायद इस बात का अंदाजा लगा सकते है की आज से १६ साल पहलें मै कैसा अनुभव कर रहा था। उस समय मेरे भी आपके तरह बहुत सारे सपने थे परंतु उन सपनों को साकार करने का कोई रास्ता नही था। मै नही जानता था की किस प्रकार पैसे को आकर्षित किया जाय। उस समय मेरा सपना था कि मै एक प्रतिथयश ट्रेनर बनू, मै ऐसी किताबें लिखना चाहता था और मोटीवेशनल प्रोग्राम करना चाहता था जिस के द्वारा मै लोगों को प्रोत्साहीत कर सकू, उनकी सहायता कर सकू, लेकीन अपने इस सपने

को पुरा करने के लिए मेरे पास कोई रास्ता नही था। मै अपने जीवन में बहुत कुछ करना चाहता था, लेकीन उसे पुरा करने के तरीके से अनजान था।

मैने अपने जीवन में सफलता पाने के लिए कई किताबे पढी और कई प्रोग्रामों को सुना जिस के द्वारा मै यह जान सका की मै कहा गलती कर रहा था, मै ऐसा क्या कर रहा था जो काम नही कर रहा था। आज मै आपको अपने उस १६ वर्षो के सफर के अनुभव को आपके साथ बॉटने जा रहा हूॅ और साथ ही साथ आप सब को यह भी बताउंगा की किस प्रकार आप सब भी वह सब कुछ कर सकते है जो मैने किया और आप भी मेरी तरह प्रतिष्ठीत और धनवान व्यक्ती बन सकते है।

प्रकरण १

अध्याय १

अब जरा ध्यान दिजीए, आप जब मेरी बातों को पढेंगे तो आपका दिमाग मेरी कही हूॅई बातों को समजने की कोशीश करेंगा और हो सकता है की आपका दिमाग कई बातोंसे भ्रमीत हो जायें लेकीन आपको इस बात का ध्यान रखना होंगा की आप वही समजे और सोचे जो मै आपसे कह रहा हूॅ। मै आपको सारी बातें इस किताब में पुरे विस्तारसे बताउंगा। आपको बस अपने दिमाग को अपने काबू में रखना होगा, क्यो की यह भी पैसे को आकर्षित करने के रहस्यका एक हिस्सा है।

लोगोंकी सबसे बडी समस्या यही होती है की ज्यादा तर लोग अपने दिमागमें नकारात्मक सोच रखते है। हम यही सोचते है की हम जो भी कर रहे है वह गलत है, हम जो भी कर रहे है वह हमे हमारी मंझील तक नही पहुंचायेंगा, लेकीन यह सब बाते बिलकूल व्यर्थ है। चलीए हम सबसे पहले इस

प्रोग्राम की शुरूआत एक खेलसे करते है जिस का नाम है ‘यही होंगा’’, हम यह खेल इसलिए खेल रहे है क्यो की ज्यादा तर लोगोंकी सोच होती है ‘‘ये होंगा या नही?’’ आपको अपनी सोच को ‘‘ये होंगा या नही?’’ से ‘‘यही होंगा’’ तक ले जाना है। शायद आप सोच रहे है की डॉ संतोष परब किस बारें मे बात कर रहे है, वे मुझे वो सब क्यो नही बता रहे है जो मै पढना चाहता हूॅ? क्या यह किताब मुझे पैसा आकर्षित करने में सहायता करेंगी? क्या यह किताब मेरे लिए समय की बर्बादी तो नही? क्या इससे मुझे वह सब कुछ मिल पायेंगा जो मै पाना चाहता हूॅ? या कही इससे मेरे मेहनत कि बर्बादी तो नही होंगी? यही सारी बाते और सवाल है जो शायद आपके मन में आ रहे हो, और यही सबुत है आपके नकारात्मक सोच का। क्यो की हम यही सोचते है की ‘‘यह होंगा या नही?’’ हम सभी बातोंको नकारात्मक पहलू को पहले सोच लेते है, हम हर कार्य के असफल होने की सोच पहलेसे ही अपने मन में बना लेते है। हम यह कभी नही सोचते की हम जो कर रहे है वह जरूर कार्य करेंगा,

क्यो की ऐसा सोचने पर हम डर जाते है, सहम जाते है, उस नकारात्मक सोच के परिणाम की कल्पना करके।

आप अपनी सोच को सकारात्मक क्यो नही रख पाते, आप यह क्यो नही सोचते की आप जो कर रहे है वो जरूर काम करेंगा, यह कार्य आपको वह सबकुछ देंगा जो आप चाहते है। जैसे की इस किताब को पढते वक्त क्या आप यह सोच रहे है की यह किताब आपकी सारी मुश्कीलोंका हल है, यही वह किताब है जो आपको आपकी मंझील तक पहुचायेंगी। आपको अगर सबसे पहले कुछ सिखना होंगा तो वह है खुद पे भरोसा करना। आपको यह सोचना होंगा की आप जो भी कर रहे है उसी में आपकी भलाई है जैसे की इस किताब को पढते वक्त आपको यही सोचना है यही वह किताब है जो आपको वो सबकुछ बतायेंगी जो आप जानना चाहते है, जो आपकी सारे मुश्कीलोंका हल है, यही किताब आपको सही राह दिखायेंगी और आपकी जींदगी बदल देंगी, आपको वह सबकुछ

देंगी जो आप चाहते है। अब आप मुझे बताईए यह सब सोचकर आप को कैसा महसुस हो रहा है। और आपके अंदर यही अहसास मै जगाना चाहता हॅू। मै आपको उस व्यक्तीसें मिलाना चाहता हूॅ जो आप ही के भितर कही छुपा बैठा है, जो आपको सफलता की और ले जा सकता है, आपको बस उसके साथ मिलकर अपने सारे सपनोंको साकार होते हॅूए देखना है।

अधिकतर लोग अपनी नोकरी, आसपास के लोगों, अपने समाज, और दुनियाभर की बेमतलब की बातों में अपना समय और शक्ती नष्ट करते रहते है। मेरे दोस्त, इन सब वस्तुओंमें उर्जा नष्ट करनेसे कुछ हासिल नही होंगा। हमे अपनी सारी उर्जा अपने अंदर के उस व्यक्ती को उभारने के लिए लागानी है जो आपको वह सबकुछ देंगा जो आप चाहते है और जो आपको एक ऐसा व्यक्ती बनाऐंगा जो पैसें को आकर्षित कर सकता है।

मैने आपको अभी जीस खेल के बारेमें बताया उसका यही मतलब है की आपको एक सकरात्मक दृष्टीकोन बनाना है। आपको सभी वस्तुओंके सकारात्मक पहलुको ही देखना, समजना और उस पर अमल करना है, जैसे इस किताब को पढते वक्त आपको यही सोचना है ‘‘इसी किताब के द्वारा मै वह तरीका जान सकता हॅू जीससे के मै पैसा आकर्षित कर सकता हॅू’’ और इन सब चिजोंके लिए आपका पहला कदम आजसे बढ रहा है। आजसे हम अपने अच्छे दिनों की शुरूआत करते है और अपने मक्सद की ओर बढते हूए इस किताब का शुभारंभ करते है।

सबसे पहले आपको खुद को सहारा देना सिखना होंगा, खुद को याने खुद के अंतरमन की सोच को पुरा करने में आपको उसका सहारा बनना पडेंगा। आपको यह जानना होंगा की आप क्या चाहते है, आपको अपने सपनों के बारेंमे जानना होंगा। आप जो भी करना चाहते है, उस पर आप अमल करे, और कही अगर आप सफल ना हो पाये तो

इसे एक सबक मानते हूंए अपने आस पास देखे और पता करे की आपके आस पास ऐसी कोन कोन सी वस्तुए है जीस के कारण आप अपने कार्यमें असफल हूए है। और अगर आप अपने कार्यम में सफल होते है तो भी अपने आस पास देखे और पता करे की आपको सफलता प्राप्त करवानेंमे किन किन वस्तुओंने आपको सहायता की है। इस प्रकार करने से आप जान पायेंगे की आखीर सच्चाई क्या है, क्या कारण है जो आपको सफल या असफल बना रहा है। आपको अंत में यही पता चलेंगा की आपकी सफलता और असफलता के बिच अंतर सिर्फ आपकी सोच का है। यही वह वस्तु होंगी जीस में आप अंतर पायेंगे क्यो की आपकी सोच ही वह चीज है जो आपसे वो सबकुछ करवाती है जो आप हकीकत में करते है और यही वस्तु है जीसे आपको बदलना होंगा।

अध्याय २: सकारात्मक सोच

मै आज आपको वो तरीका बताने जा रहा हूॅ जीसे की आप अपनी सोच को सकारात्मक बना सकते है, जो आपको सफलता की तरफ ले जायेगी, आपको वह सबकुछ देंगी जो आप चाहते है और पैसें को मजबुर कर देंगी आपकी तरफ आने के लिए। मै आज आपको वही सोच देने जा रहा हूॅ जीस की आपको आवश्यकता थी, जो आपको अपने जीवन में एक नई राह देंगी, जो आपको प्रतिष्ठीत और धनवान बनने में सहायता करेंगी।

अगर आप इतिहास के तरफ नजर डाले तो आप पायेंगे की उसमें भी ज्यादा तर जगह बेरोजगारी, मंदी, मुश्कीले भरी पडी है। या अगर हम किसी देश के बारेमें भी पता करे तो हम यही पायेंगे की उसमें भी उतार चढाव आते रहेंगे। मगर एक सच्चाई यही है की जब भी जींदगी में कभी हमे मुश्कीलोंका सामना करना पडता है। तो उसी में हमारी सफलता भी छुपी होती है, क्यो की चाहे हम

कुछ भी कर ले सफलता प्राप्त करने के लिए हमे थोडी बहुत मुश्कीलोंका सामना करना तो पडेंगा। आप अगर अपने जीवन में कभी भी मुश्कील अनुभव करते है तो इसका मतलब यही है की आपने किसी कार्यमें सतर्कता नही बर्ती, आपने उस कार्यकों अपने अंतरमनसे नही किया। इसिलीए मै आपके अंतरमन को जगाना चाहता हूॅ, क्यो की इसी में वह ताकत छिपी है जो आपको अपनी मुश्कीलोंसे दूर करती है, उससे बचातें हूॅए सफलता की और ले जाती है। आप जब अपने अंतरमन को समज जायेंगं तब आप यह भी समज जायेंगे की आपको जो कुछ भी चाहीए उसे हासिल करने की शक्ती आपही के भीतर है और ऐसा कर के आप अपने आस पास की दुनिया के लिए मिसाल बन सकते है।

अगर आप अपने मन से अपने आपको आर्थीक तोरपर सुरक्षीत समझेंगे तो आपको इस बातसे कोई मतलब नही होगा की आपके आस पास क्या हो

रहा है, आपको अपनी सोच को सिर्फ आगे बढने के तरफ प्रेरीत करना है।

मै समज सकता हॅू की शायद आप अभी इन सब बातों के लिए तैयार नही है। क्यो की जीस समय मै भी मुसीबतोंसे घीरा पडा था, तब मै भी यही समजता था की मेरे साथ जो हो रहा है उस में मेरी ही गलती है, मै ही वह हॅू जो कीसी काबिल नही है और जीस में अपने आपको सारी समस्याओंसे घेर रख है। मै आप को आपकी इस प्रकार की सोच से मुक्ती दिलाना चाहता हॅू।

अध्याय ३: आकर्षण का सिध्दांत’’

अब मै आपको सब कुछ विस्तारसे बाताने जा रहा हॅू। मै जिसक बारे में आपको बताने जा रहा हॅू, इसे कहते है ‘‘लॉ ऑफ अॅट्रॅक्शन’’ या ‘‘आकर्षण का सिध्दांत’’। ‘‘आकर्षण का सिध्दांत’’ ही है जो ये तै करता है के आपके पास जिंदगी में कितना पैसा हो, और वह पैसा वो आप पाना चाहते हे।

‘‘आकर्षण का सिध्दांत’’ कहता है की जिंदगी में। जो भी आपके पास है वह सब कुछ आपके सोचका ही नतीजा है, आपके पास वही सबकुछ है जिसके बारें में आप सोचते है। आप विश्वास करते है। इस सिध्दांत को सिधे नही समजा जा सकता, इस के लिए हमे एक और सिध्दांत को जाना होगा जिसे कहते है ‘‘सही कर्म का सिध्दांत’’। और इन्ही सब कारणों से यह किताब बाकी सबसे अलग है। मै आपको आकर्षण के नियम और सही कर्म के सिध्दांत के बारे में विस्तार से बाताना चाहॅूगा जिसेसे से के आप पैसे को आसानीसे आकर्षित कर सकते है। ‘‘सही

कर्म का सिध्दांत’’ यह अपने आप में एक महत्वपूर्ण योगदान देता है। क्यो की यही है जो आपके कामों के द्वारा आपके पास के धन को निर्धारीत करता है।

तो चलिए सबसे पहले इन नियमों के बारेमें जानते है। आकर्षण का सिध्दांत यह कहता है की हमारे जिंदगी में हमे उतना पैसा जरूर मिलता है, जितना हम पाना चाहते है, और जितना हम विश्वास करते है। ‘‘आकर्षण का सिध्दांत’’ ही हमे वह सबकुछ देता है, जिस पे हम विश्वास करते है। और यही है वह जो हमारे धन को, हमारी सपन्नता को निर्धारीत करता है। अगर आप जानना चाहते है की आप क्या सोचते है तो जरा अपने आस पास देखों, क्या आप के पास पैसा है? और अगर है तो क्या आप उससे संतुष्ट है? क्या आप यह समज सकते है की आप पैसा आकर्षित करने में सक्षम है? और कही आप अपने आस पास देखते हो और आपको लगता हो आपके पास पैसा नही है। जिससे की आप अपना बिल भर सके, अपना किराया दे सके, और

आप यह सोच रहे है के आपके पास पैसा कहा से आयेंगा? तो इसका मतलब यही है की आपमे कुछ कमी है, जिसे के कारण आपके पास पैसा आकर्षित नही हो पा रहा है।

इस किताब के माध्यम से मै आपके अंदर के उस पहलु को हटाना चाहता हूॅ, जो आपको पैसा आकर्षित करने में बाधा उत्पन्न कर रहा है। और मै आपके भितर वह ताकत उत्पन्न करना चाहता हूॅ, जिससे के आप आसानीसे पैसा आकर्षित कर सके। यह सारी बाते जो आप अभी सुन रहे है, वह पैसे को आकर्षित करने के रहस्य का एक हिस्सा है।

अगर आप अपने कर्जसे मुक्ती पाना चाहते है। और अपने आप को इस काबिल बनाना चाहते है जिससे की आप आर्थीक तौरपर अपने आपको आझाद महसुस कर सके, तो यह किताब आप ही के लिए है। अगर आप जानना चाहते है उन सभी बातों के बारेंमें जैसे मार्केटींग, टाईम मॅनेजमेंट, पब्लीसिटी, ऑर्गनायजेशन जिसे के इस्तेमाल के द्वारा आप

अपने व्यापार को सफल तरीके से चला सकें तो यह किताब आप ही के लिए है। और अगर आप के पास पैसा है और आप यह जानना चाहते है के आप इसका सही इस्तेमाल कैसे कर सके जिससे की आपको खुशी मिले, तो यह किताब आप ही के लिए है। और अगर आप यह चाहते है की, आप के व्यवसाय को एक नयी दिशा मिले तो यह किताब आप ही के लिए है। अगर आप चाहते है की आपका व्यवसाय सफल तरीके से आगे बढे, या कही आपको शांती, सेहत और आझादी की तलाश है तो यह किताब आप के लिए है। और अगर आप अपने जीवन में वह सब कुछ चाहते है जिसकी आपको चाहत है। तो बस इस किताब को पढते रहीए।

‘‘पैसे को आकर्षित करने का रहस्य’’ यह किताब आपसे वादा करती है, उन सब सवालों के जबाब देने का जिन की आपको तलाश है। इस सिधांत ने मुझ पर काम किया है। इसलिए मै आपको यह विश्वास के साथ कह सकता हूॅं, के यह आप पर

भी काम करेंगा। मैने इसके हर एक पहलू को बहुत बारीके से समझा है। और पिछले १६ सालों से इसे अपने जीवन में इस्तेमाल करता आ रहा हूॅ। मै आपको वह सारी बाते बताना चाहूॅगा जो मैने १५ सालोंमे महसुस की है। जिन बातों ने मुझे एक बेघर से वह बनाया जो मै आज हूॅ।

अध्याय ४ : सही कर्मोंके ७ सिध्दांत

यकीन मानीए सिर्फ मै ही नही, मुझ जैसे कई और भी है जिन्होने अपने आप को समझा अपने अंतर आत्मा को उजागर किया, और आज ओ अपने आप को 'कुछ नही' से 'बहुत कुछ' बन चुके है। मै अब आपके सामने उन सब बातोंको रखने जा रहा हॅू। जो आप के हर सवाल का जबाब बनकर आपकी जिंदगी बदल देंगी। और आप महसुस करेंगे आझादी का अहसास।

मैने आपको अपने बारे में कई बाते बताई, उन दिनों के बारे में जब मै बेघर था, और उन दिनों के बारे में भी जब मेरे पास सब कुछ था और मै एक कामयाब व्यक्ती था। मै आपको यह भी बताना चाहता हॅू, की मै कई सालों से एक बिजनेस एक्पर्ट भी रहा हॅू.

मै आपको यह भी बता दॅू के मुझ मे जो मार्केटींग और पैसोंको आकर्षित करणे जो की कला है, वो और कुछ नही बल्की ''सही कर्मोंके सिध्दांत'' का ही परिणाम है। मै आप सबको यह सब यह बताने

जा रहा हॅू, के किस तरह आप भी पैसों को आकर्षित करने मे सक्षम हो सकते है। तो बस आरामसे बैठीये और पढीए, और चाहे तो लिख ले। बस और थोडे देर के लिए सब कुछ भुलकर, निश्चिंत होकर बैठ जाईए।

तो चलीए, शुरूवात करते हॅूए मै सबसे पहले आपको बताना चाहॅूंगा, उन पहले सात चरणोंके बारे में जों की आपको पैसे आकर्षित करने में मदद करेंगे।

सबसे पहले यह की, आपको यह समजना होंगा के आपके जिंदगी के हर आर्थीक स्थिती के लिए आप खुद जिम्मेदार है।

दुसरा यह की आप पैसें के बारे में वही सोच रखते हो। जो आज तक आपने सुना है, जों की देखा जाये तो कही हद तक सही नही है।

तिसरा आपको जानना होंगा की आप दुनिया के मालीक नही है, आप भगवान नही है। फिर भी आप

मे वो शक्ती है, के आप खुद में आर्थीक आत्मनिर्भरता अनुभाव कर सके।

चौथा यह है की, आपको अपनी पैसोंके बारेमें सोच और नजरीयों को बदलना होंगा। आपको अपने सोच को लेकर सावधान रहना होंगा।

पाचवॉ यह की, आपको यह जानना होंगा के आप हर असंभव को संभव करने की क्षमता रखते है, आपकी सिमायें असिमीत है, और आप यह जानते है।

छटा यह की के आपका पैसों के लिए जो दृष्टकोन है उसे आप बदल सकते है।

और सातवॉ और आखरी यह की, आप पैसों को पाना चाहते हो तो आपको अपनी जरूरतों को बढाना होंगा।

<u>पहला चरण</u>

अपनी बातों को थोडा विस्तारीत करते हूंए मै आपको सभी चरणों का भावार्थ समजाना चाहता हॅू। मैने आपसे पहला चरण मे कहा था की, आप अपनी जींदगी की आर्थीक स्थिती के लिए आप किसी और को दोष नही दे सकते, इसके लिए आप खुद जिम्मेदार है। यह एक बहुत ही महत्वपुर्ण सिध्दांत है। मान लिजीए अगर कोई व्यक्ती टाईम मशिन में बैठकर मेरे बिते हॅूए दिनों मे चला जाये, जब मेरे पास कुछ नही था। और वह आकर मुजसे सांत्वना देते हॅूए कहे की, आपकी आर्थीक हालात के लिए आप जिम्मेदार नही हो, इस मे आप की कोई गलती नही है। बल्की आज आप वह हो, जो आप सोचते हो। अगर कोई ऐसे कहता तो शायद मै उसके मुह पर मार देता। क्यो की उस समय मै काफी संघर्ष कर रहा था। तो अगर आप यह महसुस करते है। के आपके आस पास जो कुछ भी हो रहा है। उस के लिए आप जिम्मेदार नही हो, आपके हालात का जिम्मेदार आपका समय है। तो

जरा रूकीए एक गहरी सांस लिजीए, और महसुस

किजीए जो हो रहा है, वह आपके नकारात्मक शक्ती का परिणाम है। जों आपको वह नही दे रहा जीसकी आपको इच्छा है। और यही वह चिजे है जिसको आपको हटाना है। क्यो की यही वह बात है, जो यह तय करती है, के आप कितना पैसा आपके जिवन में अकर्षित कर सकते हो। यह आपके अंतरमन की ही सोच है, जीन कारणों से इन हालातों मे है, वह आपके सोच का ही परिणाम है।

मगर आपको चिंता करने की जरूरत नही है। क्यो की मै आपको बताने जा रहा हूॅ किस प्रकार आप इन सब बातों को खुद को दूर कर सकते है। और इस काम में मै आपकी संपुर्णत: सहायता करूंगा। जैसे के मैने पहले कहा था की, आपके जीवन के हर स्थिती के आप खुद जिम्मेदार है, तो आप इस बात को अपने आप समज जायेंगे के किस प्रकार पैसे को अपने ओर आकर्षित किया जाये। आप यह भी समज पायेंगें के फिलहाल आपसे गलती कहा हो रही है। किंतू इसके लिए आपको अपने अंतरमन

को दृढ करना होंगा। अगर आप अपने नोकरी और लोगोंके रवैये के तरफ अपनी उर्जा नष्ट करेंगें, खुद को डराने में अपना समय व्यस्त करेंगें, तो किस प्रकार अपने अंतर मन को पैसे आकर्षित करने के तरफ प्रोत्साहीत कर पायेंगे? आपको इन सब बातों के चिंता ना करते हुए, अपने अंदर छिपी हुई भावनाओंको उजागर करना होंगा।

दुसरा चरण

अब दुसरा चरण, जिसमें मैने आपसे कहा था की, पैसों के बारे में आप वही सोच रखते हो आप वही जानते हो जो आपने आज तक सुना है। आप बस उन्ही बातों पर विश्वास करते हों जो आपने आजतक महसुस की है। आपने अपने आस पास के लोगों से, सरकार से, टी.व्ही. से और मिडीया सें आपने जो भी सुना है आप उसी को सच मान कर चलते हैं। हम यह भी कह सकते है की पैदा होने के बाद हमने जो कुछ देखा है, हम उन सब बातोंपर विश्वास करते आये हैं। जो हमारे आस पास है, जिसे हमने सिखा है, देखा है और महसुस किया है। उन्ही सब बातों को हम सच मानते है, और उसी राहपर चलते हैं।

आपकी यह राय पैसों पे भी लागू

होती है। पैसों को लेकर आप उन्ही सब बातों पर विश्वास करते हो, जो आपने आजतक देखी, सुनी या महसुस की हैं। किंतू आप पैसे कमाने की असली सच्चाई या असली रहस्य को जानने की कोशीश नही करते शायद इसलिए भी क्यो की आप इस के बारे में जानते नही। ज्यादातर लोग यही सोचते है की पैसा आकर्षित करने के लिए कोई ज्यादा रास्ते नही है। क्यो की आजतक हमने यही सुना है। कुछ तो यह भी सोचते है की पैसा बुराई का प्रतिक है, क्यो की उन्होने आज तक यही देखा है की ज्यादातर धनवान लोग बहुत लालची होते है, चालाक होते है, और निर्दयी होते है। इससे होता यह है की, आप अपने मन में पैसों के बारेमें अपने आस पास के तथ्यों को ग्रहन कर रहे है, ना की सच्चाई को। इसीलिए जब आपके

तथ्य काम नही करते है, तो आप यह सोचते है की आपके पास पैसा क्यो नही है। आपके पास पैसे इसलिए नही है क्यो की आपने आपनी सोच को आधे अधूरे तथ्यों से भर रखा है। मै आपको वह मौको देने जा रहा हॅू। जिसके द्‌वारा आप अपनी खामी को दूर कर सकते है। और आप इस बात को समज जायेंगे और खुद अनुभव करेंगे जैसे जैसे आप इस किताब को आगे पढेंगें।

तिसरा चरण

तिसरा चरण यह है की, आपने इस दुनीया को नही बनाया। आप इसके मालीक नही है, आप भगवान नही है। मगर फिर भी आप में वह शक्ती है, जो आपको आत्मनिर्भरता का अनुभव करा सकती है। अधिकतर लोग यह नही सोचते है, के उनके पास भी वो ताकत है, विश्वास है, हिम्मत है, वो जज्बा है जो पैसों को अपने तरफ आकर्षित कर सकता है। इसके विपरीत अधिकतर लोग यही सोचते है, के उनके जीवन में पैसा किस प्रकार आये। वह अब नये व्यापार की शुरूआत करने में डरते है। वह अपने सोचे गये काम को शुरू करने की कोशीश ही नही करते। क्यो की वो सोचते है की, यह काम करेंगा या नही?

मुझे माफ किजीएगा मै आपको भ्रमीत नही करना चाहता। मै आपसे यह नही कहना चाहता आप जाईए और दुनिया को जित लिजीए, दुनिया पर राज किजीए। मै आपको इतना जरूर कहना चाहूँगा के

अपने आपको पहचानिए। अपने अंतरमन को जगाईए। कमसे कम उतना तो किजीए जो आपके बस में है, फिर देखीए किस तरह आपके दिन बदलते है। और किस प्रकार आपकी आर्थीक हालत में सुधार होता है, आप वह सब पा सकेंगे जिसकी पहले आप सिर्फ कल्पना कर सकते थे। जिसके के लिए आपको अभी से शुरूआत करनी होंगी, चाहे छोटे छोटे कदमों से ही सही।

अपने बारे में कहूॅ तो जब मेरे पास कुछ नही था तब मैने यह सपना नही देखा था की मै करोडपती बन जाऊं पर ये जरूर सोचता था की कमसे कम मेरे पास कई सो या हजारो रूपये तो हो। मै आपको यह बताना चाहता हूॅ कीं आपको आपके जरूरतों को बढना होंगा। अपनी इच्छाओं को बढना होंगा। और अपनी योग्यताओं को भी बढना होंगा। आपको ये समजना होंगा के आप भी पैसें को आकर्षित कर सकते है। लेकीन इसके लिए आपको खुद को जानना होंगा।

चौथा चरण

अब चौथे चरण मैने जैसा आपको बताया था के आपको अपनी पैसों को लेकर सोच को बदलना होंगा। फिलहाल आप सोचिये के आपकी पैसों को लेकर क्या सोच है। आपका कैसा रिश्ता है पैसों से। प्यार का या फिर घृणाका। इस किताब के माध्यम से मै आपको यही समजाना चाहता हूँ के आप अपनी पैसों को लेकर सोच को बदल सकते है। आप अपनी सोच को एक नई राह देने में कामयाब हो सकते है। आप पैसों को अपनी तरफ आकर्षित कर सकते है। लेकीन इसके लिए बस आपको अपनी सोच बदलनी होंगी, जिसमें मै आपकी पुरी सहायता करूंगा। आपका पैसों के साथ रिश्ता पुरी तरह बदल जायेंगा। आपको बस एक महत्वपुर्ण बात याद रखनी है की, पैसों के साथ आपका रिश्ता बदल सकता है। बस जरूरत है तो सोच बदलने की।

पांचवा चरण

अब पांचवे चरण के तरफ आते हूॅए मै आपको यह बताना चाहूॅगा के आपमें वह क्षमता है। जिसेसे के आप हर असंभव को संभव बना सकते है। इसके लिए जरूरत है तो आपको अपनी क्षमताओं को बढाने की। मैने अपने जीवन काल में ऐसे कई लोग देखे है जो यह कहते है की मै वह नही कर सकता जो तुम कर सकते हो। मेरे पास तुम्हारी तरह बडा घर नही हो सकता, नोकरी नही हो सकती। इस प्रकारके लोग कर क्या रहे है? यह लोग अपनी सिमायें निर्धारीत कर रहे है। मगर ये क्यो नही समजते की, हम यही नही बता सकते के हमारी सिमायें क्या है। और सबसे महत्वपूर्ण बात तो ये है की, कीसी भी व्यक्ती की कोई सिमा होती ही नही.

हम एक ऐसे संसार में रहते है, जो वही सोचता है जो उसे पता है। आपको अपनी इस प्रकार की सोच बदलनी होंगी। और ओाप खुद ब खुद देखेंगे, के किस प्रकार संसांर बदलता है। आप अपने आपको

आर्थीक तोर पर बहुत ही मजबुत कर सकते है।
क्यो की आपके अंदर ही वो असिमीत ताकत है,
जिसके द्वारा आप पैसा आकर्षित कर सकते है।
अगर आप चांद पाने की इच्छा रखते है तो इसका
मतलब यह है की, आप में वह असिमीत शक्ती है।
जिससे की आप और भी ज्यादा हासिल कर सकते
है।

छटा चरण

अब छटा चरण यह है की आप अपनी पैसों को लेकर दृष्टीकोण को बदल सकते है। आपके दिमाग में पैसों को लेकर कई सारे विचार होंगे, या कहें तो आपकी जिज्ञासा जो आपको पैसौं की तरफ आकर्षित करती है। अगर आप पैसा कमाना चाहते है, अपने लिए, अपने परिवार के लिए, अपने दोंस्तों या चाहने वालोंके लिए तो आपके पास कही ना कही ऐसा तरीका जरूर होंगा। जिससे के आप पैसें को अपनी तरफ आकर्षित कर सकते है। आपके पास ऐसी कई सारी नीतीयॉ होंगी जिसके द्वारा आप वह सब कुछ पा सकते है जिसकी आपको इच्छा है, या जिसके आप योग्य है। आपके दिमाग में कम से कम ऐसे दो दृष्टीकोन जरूर होंगे, एक जिसमें से एक की शायद आप सफल ना हो पाये। और दुसरा वह जो आपको सफलता की और ले जाये। अपको यह समजना होंगा की, अगर आप अपने आप को उस दुसरे दृष्टीकोन की तरफ केंद्रीत करे तो आप पायेंगे की

आपके पैसे कमाने को लेकर रूची और जिज्ञासा बहुत ही तीव्र गती से बढती जा रही है।

अगर आप यह सोचते है की आप पैसा नही कमा सकते या पैसा कमाने से डरते हैं – तो आप कांप जाते है या आपके हथेली से पसिना आ जाता है। तो इसके लिए आपको पैसों को लेकर अपनी जिज्ञासा को बढाना होंगा, जैसे जैसे आपकी जिज्ञासा बढती जायेंगी वो आपके अंदर के डर को ओढने लगेंगी। और यह वही वस्तू है जिसके तरफ मै आपको केंद्रीत करना चाहता हूॅं। इसके बाद आप पायेंगे के आप में बदलाव आ रहा है। आप अब वह सबकुछ कर पा रहे है जो आप हमेशासे करना चाहते थै। आप महसुस करने लगेंगे वह खुशी, वह प्यार, वह आत्मसम्मान, वह आझादी जो आप हमेशा से चाहते थे। जिसे के आप काबील है। इसके लिए बस आपको अपनी जिज्ञासा को बढाना होंगा और बदलना होंगा अपनी सोच को।

सातवा चरण

अपने सातवे चरण की तरफ बढने के पहले मै आपसे यह संतुष्टी चाहता हूॅ की आप पहले छ नियमों से पुर्णत: अवगत हो चुके है। अब सातवे चरणमें मै आपको यह बताना चाहता हूॅ की, आपको अपनी जरूरत और लगाव को बढाना होंगा। एक और बात है की जब तक हम किसी भी चिज को पुरे दिल से नही चाहते तब तक उसे पाना बहुत कठिन है। कभी कभी होता यह है की आप किसी चिज को पाना तो चाहते है, लेकीन उसे पाने के लिए अपने शक्ती के साथ साथ अपनी नकारात्मक शक्ती को भी जोड देते है। जो आप में निराशा उत्पन्न करती है, और यही कहता है ''आकर्षण का सिध्दांत''। अगर आप किसी काम को करना चाहते है, तो उसेमें अपनी पुरी शक्ती झोक दे। अगर आप किसी चिज से प्यार करते है। तो आप उससे आकर्षण के बंधन में बंध जाते है। और इसी के विपरीत अगर आप किसी वस्तु से द्वेश रखते है, तो आप उससे द्वेश के रिश्ते

में बंधते है। इसी प्रकार अगर आप किसी वस्तु को पाना चाहते हैं किंतू उसकी जरूरत महसुस नही करते। तो आप में कही ना कही उसे छोड देने की भावना उत्पन्न होने लगती हैं। क्यो की आपको उस वस्तु की ना तो आदत है, और ना ही मोह। आप में ऐसा कुछ भी नही है, जो आपकी जरूरतों को समजने में बाधा उत्पन्न कर सके। यही भावार्थ है सांतवे चरण का के आप किसी वस्तु को तब तक नही पा सकते जब तक आप उससे कोई रिश्ता नही बनाते या उसकी जरूरत नही समजते। अगर आप उसकी जरूरत नही समजते तो यह सोच आपको अपने जीवन में चमत्कार होने से रोंकती है।

मै समज सकता हूॅ। के आप अभी क्या सोच रहे है। आप यही सोच रहे होंगे की ‘‘हॉ! मुझे भी अपने जीवन में पैसा चाहिए, मुझे भी हर शुक्रवार को फिल्म देखना है, अपना किराया समय पे जमा करना और अपनी हर जरूरतों को पुरा करना है, मुझे पैसा चाहिए, मगर मै ये नही जानता की मै

किस प्रकार मै पैसों को अपने तरफ आकर्षित कर सकता हूॅ।’’

इन सभी बातोंको मै इस किताब के माध्यम से बताने जा रहा हूॅ। मै आपके अंदर छुपी भावनाओ को उजागर करना चाहता हूॅ। आपको अपनी जरूरतों का एहसास दिलाना चाहता हूॅ। जिसेके द्वारा आप अपने जीवन में पैसों को आकर्षित कर सके।

अध्याय ५

और आगे बढते हूए, जैसा मैने पहले कहा था की कई लोग पैसों को लेकर अपने दिमाग में गलत धारणा रखते है। वह सोचते है की जिसके पास पैसा होता है वह लालची है, और वो अपने ताकत का गलत इस्तेमाल करता है। जो की बिलकूल गलत है।

आपको यह सोचना होंगा की आपका ध्यान किस तरफ है। पैसे के तरफ या अपनी भावनाओं की तरफ। आप चाहते क्या है, अपने लक्ष को या उस भावना को जो आपको अपने लक्ष को हासिल करने में आपकी बाधा उत्पन्न करती है। सच तो यह है की पैसा तो बस एक निशानी है, उस ताकत की जिस से आप अपने जीवन में और बहुत सारा पैसा आकर्षित कर सकते हो। मै आपके मन की भावनाओं को पैसों के तरफ केंद्रीत करना चाहता हूॅ। परंतु आज भी काफी लोग पैसा पाने से डरते है। क्यो की वे समजते है, की इससे वो लालची बन जायेंगे, या अपने ताकत का गलत इस्तेमाल करेंगे।

पहले तो हमे यह सोचना होगा की, इस प्रकार के लोग इस तरह का निर्धारण किस प्रकार करते है। वह अपनी जिंदगी से मिले तथ्यों के द्वारा अपनी इन धारणाओं को तय करते। और यह भी की वे अपने जिंदगी में कितना पैसा आकर्षित कर सकते है। एक और बात है। जैसे के हम टी.व्ही.पर कई पात्र देखते है, अच्छे, बुरे, सही गलत सभी प्रकार के, और उन में से कई अच्छे पात्र होते है, और कई बुरे। परंतु अमीर पात्रों को अधिकतर लालची और बुरा बताया जाता है। और इसी प्रकार हमारी यह धारना बन जाती है की अमीर लोग घमंडी और लालची होते है। और इस प्रकार मिडीया हमे कई सारी इस प्रकार की बाते स्विकारने पर विवश कर देती है। और इस प्रकारकी सभी बातों को हम हमारे मस्तिष्क में एकत्रीत करते जाते है।

कई लोग यह सोचते है की अगर वो अमीर हो जाए तो लोग उन्हे पसंद नही करेंगे, उन में लालच आ जायेंगा, वे अपनी ताकत से दुसरोंको परेशन करेंगे। इस प्रकारकी सारी सोच हमे मिडीया के द्वारा ही

मिलती है। हम इस प्रकार की सारी बातोंसे पैसों को लेकर अपनी पसंद या ना पसंद निर्धारीत करते हैं परंतु हमे यह समजना चाहीए की हमारी यह धारणा गलत है और हम अपने जीवन में पैसों को आकर्षित कर सकते है।

यही है वह सोच जो मुझे मेरे शुरवाती दिनों मे बहुत काम आयी। मेरी उन दिनों में कई मोटीवेशनल कार्यक्रम हो चुके थे, जिस की मुझे अच्छी प्रतिक्रीया मिल रही थी। और मेरी कई सिडीयॉभी उस समय में बाजार में आ चुकी थी। परंतु उस समय मैने पाया की, मै कुछ व्याकूल रहने लगा हूॅ, थोडा उदास रहने लगा हूॅ। तब मैने ये महसूस कीया की अगर मैने इसे अपने सुखदाई पलोंमे ना शामीन किया तो मेरी तरक्की यही पर रूक जायेंगी। और मै अपनी सफलता को खो बैठूंगा। इसी लिए मैने सोचा क्यो ना मैं अपने परिवार की मदद करू, अपने दोस्तो की, अपने समाज की और अपने देश की सभी, की मदद करू। जिससे की मुझे और

अधिक पैसा आकर्षित करने के लिए प्रोत्साहन मिलेंगा।

मै इस किताब में आगे और भी चिजों के बारे में, और कुछ व्यायाम के बारे में बताऊंगा मगर फिलहाल आपको यह समजना है के आपकी लालच आपको प्रोत्साहीत भी कर सकती है परंतु आपको उसे सकारात्मक ढंगसे देखना है।

अध्याय ६

चलीए हम बात करते है आपके पैसों की सोच को लेकर, आपके पैसों को लेकर रवैये, विश्वास, और आपके विचारों के बारें में। शायद आप ना समज पाये या ज्यादातर लोग इस बात को नही समज पाते की वे क्या सोच रखते है। इसको जानने के लिए और पैसें को लेकर आप क्या सोच रखते है, इस बात को निर्धारीत करने के लिए मेरे पास एक तरीका है और यह काफी महत्वपूर्ण है, जो की आपकी आखे खोल देंगा। और जो आपके मस्तिष्क के अंदर की क्रिया को प्रभावित करते हूॅए पैसा आकर्षित करने में आपकी मदद करेंगा।

अब हम जीस पध्दती का इस्तेमाल करने जा रहे है, उसमें आपको उन प्रश्नों के, जो मै अभी आपसे पुछने जा रहा हूॅ, उसके जवाबों को एक से दस के भितर खुद को अंक देने होंगे। जो की, पैसा आपके जिंदगी को किस प्रकार प्रभावित करता है ये जानने

में आपकी मदद करेंगे । और इससे आपको मदद होगी अपनी परेशानीयोंसे मुक्ती पाने में।

अब कुछ देर के लिए आराम से बैठ जाये और इस मुल्यांकन पध्दती को समजीए और फिर आखिर में मै आपको समजाऊंगा की किस प्रकार आपका मस्तिष्क पैसों के बारेमें अपनी सोच रखता है। आप अपनी नोटबुक और पेन लेकर बैठ जायें। बस आपको यही सोचना है की इस सवाल के लिए आप अपने आपको कितने अंक देते है। १ से लेके १० तक हर सवाल के लिए आपको अंक देने है, बडे प्रामाणीकता के साथ जिससे आपको अपनी पैसों की सोच को समजने में मदद मिलेंगी। तो चलीए अब थोडी देर के लिए शांती से बैठ जाये। आप अभी सिर्फ सवाल के जवाब को मन में सोचे। तो चलीए अब चालू करते है मुल्यांकन पध्दती को। तो पहला सवाल है।

१. आपको कितनी इर्षा महसुस होती है, जब आप किसी और को कोई बडी गाडी चलाते हूए देखते है?

२. आपको कितनी इर्षा महसुस होती है, जब आपके साथ काम करने वाले किसी व्यक्ती को तरक्की मिलती है?

३. आप कैसा महसुस करते है, जब आप अपने माता पिता से कम कमाते है?

४. आप कैसा महसुस करेंगे जब आप अपने माता पिता सें ज्यादा कमायेंगे?

५. जब आपको कोई नया विचार आता है, तब आपकी प्रतिक्रिया क्या होती है?

६ क्या आप पैसों का सही जगह पर इस्तेमाल करते है?

७. आप कैसा महसुस करते है अपने घर और गाडी के बारे में?

८. जब आप कोई महंगी चीज देखते है तब आप क्या यह सोचते है, की आप इसे खरीदने की क्षमता रखते है? क्या आप उसे खरीद लेते है, या छोड देते है?

९. क्या आप सोचते है की पैसा बुरा है?

१०. क्या आप सोचते है की प्रकृतीक संसाधन जैसे तेल और गॅस खत्म हो जायेंगे?

११. पैसा आपके लिए क्या है आप उसे किसी तरह लेते है?

१२. आपके लिए पैसे की व्याख्या क्या है?

१३. क्या आप छुट्टीयॉ लेना पसंद करते है?

१४. क्या आपको किसी की जीवनी पढना पसंद करते है?

१५. आप दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ती के बारे में क्या सोचते है?

१६. अगर आपके पास दुनिया भर का पैसा आ जाये तो आप क्या करेंगे?

१७. क्या आप अपने आपको संपन्न महसुस करते है?

१८. आप अपने व्यापार के लेकर क्या सोच रखते है?

१९. आप अपने फिलहाल के आर्थीक हालात के बारे में क्या सोच रखते है?

२०. क्या आप अपने आपको इस काबील समजते है की आप पैसा आकर्षित कर सके?

२१. आपके माता पिता के पैसों को लेकर आपकी क्या सोच है?

२२. क्या आप अपने पढाई को जारी रखने के लिए और पुंजी लगा सकते है?

२३. आपकी पैसों के लेकर राय क्या है यह साधारण है या आपके किसी हालात पर आश्रीत है?

२४. क्या आपका सेव्हीग अकाऊंट है?

२५. क्या आप पैसों को आपात्कालीन स्थिती मे भी दूर रखते है?

२६. क्या आप अपनी कमाई का १० प्रतिशत हिस्सा उन लोगों को दे सकते है, जिन्होने आपके यह धन कामाने के लिए प्रोत्साहीत किया हो?

२७. आप अपने जीवन मे कितना पैसा चाहते है?

२८. क्या आप सोचते है की पैसा बुरा है?

२९. आप अमीर या इमानदारमें से क्या बानना चाहेंगे?

३०. क्या पैसा कमाना आपके लिए मुश्कील है? और क्या आप पैसा कामाने के तरीके को सिखने के लिए तैयार है?

तो अभी तक आपने उन सारे सवालों के लिए आने आपको अंक प्रदान कर दिये होंगे। अब मै चाहता हूॅं की आप उन सब अंकों को जोड ले। अब आपके पास जो अंक आया है, उसके द्वारा मै आपको बाताउंगा की, आप किस प्रकार की सोच रखते है। अगर आपने ३० से १०७ तक के अंक प्राप्त किये हो तो इसका मतलब है की आपको पैसों के लिए काफी संघर्ष करना पड रहा होगा। आपके पास जरूरत के अनुसार वस्तुयें नही होंगी। या कहा जाये तो आप और पैसा चुंबके दो समान छोरों की तरह है, और आप इन्हे आपस में जोडने का प्रयास कर रहे है। आपको इससे उभरने के लिए कुछ भावनात्मक, शारीरीक, मानसीक और आध्यात्मीक प्रयास करने होंगे। आपको खुद में विश्वास करना होंगा।

आपको अपनी समस्याओं से उभरने के लिए इस पुस्तीका के हिसाब से चलना होंगा। आप ऐसे लोगों के आस पास रहे जो सकरात्मक सोच रखते है। इस किताब को बार बार सुने जिससे की आपको आसानी होंगी मेरे बात को समजने में। आप अपने आप का आभार व्यक्त करे की, आपने अपनी समस्याओं से उभरने के लिए इस किताब को लिया, इसे पढा और खुद से किये हूए उस वादे को पूरा किया जिस में आप अपने समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते है। और इस प्रकार आप खुद में छुपी हूई अपनी पैसा आकर्षित करने की क्षमता को तीव्रता से उजागर कर सकते है।

अगर आपने १०८ से १८१ तक अंक प्राप्त किये हो तो आप खुद को मझधार में फसा हूआ महसुस कर रहे होंगे। आपके अंदर पैसें को आकर्षित करने की क्षमता तो है परंतु काफी कम, आपने अपने जीवन में पैसा आकर्षित करने के लिए कई प्रयास किये है। परंतु कही ना कही कुछ कमी रही है। परंतु आपको आपको इस बात की चिंता करने की कोई आवश्यकता नही है। मै आपको

अपनी कमीओं से उभरने में संपुर्ण रूप से सहायता करूंगा। आपको बस इस किताब को पढते हूए मेरे दिये गये निर्देशों का पालन करना होंगा। और कुछ ही समय में आप यह पायेंगे की आप पैसों के आकर्षणका केंद्र बन चुके है।

अगर आपने १८२ से २५५ तक अंक प्राप्त किये हो तो इसका मतलब है की आप पैसा आकर्षित करने की राह पर काफी आगे बढ रहे है, और आप इसे और आगे बढाने के प्रयास कर रहे है। यह किताब आपको अपनी आगे बढने की क्षमता को और तिव्र करने में सहायता करेंगा।

और अगर आपने २५६ से ३०० तक अंक प्राप्त किये हो तो मै आपको बाधाई देना चाहता हूॅं। मुझे बहुत खुशी हो रही है आपको यह बाताते हूॅए की आप पैसों को आकर्षित करने में चुबके समान काफी दक्ष है। आप जो भी कार्यको करते है, आप उसमें सफलता प्राप्त करते है। आपका इस किताब को खरीदने का यह मतलब है की आप अपने अंदर

त्याग की भावना रखते है। आपको यह पता है की आकर्षण का सिध्दांत किस प्रकार काम करता है। आप में वह क्षमता है की आप कुछ नया करने से कभी नही डरते। आप अपनी जींदगीमें कुछ ना कुछ नया करते रहेते है।

अब आप अपना ध्यान अपनी अभ्यास पुस्तिका (नोटबुक) की तरफ करे और यह जानने का प्रयास करे की आप किस स्थान पर है, आपकी स्थिती क्या है। आपके जबाब आपको यह बताने में मदद करेंगे के आपको आपके अंदर किस चिज को बदलने की आवश्यकता है, आप किस बात से घबरा जाते हैं, आपको किस बात से असुरक्षीत होने का डर लगता है। आप इस किताब के माध्यमसे इन सब चिजों के बारे में जानकर इन्हे दूर करने का तरीका जान सकते है। जिस के पश्चात आप भी उन व्यक्तीओं में से एक बन जायेंगे, जो अपने जीवन में पैसा आकर्षित करने में सक्षम है। मै बस आपके जीवन के तीन महिने आपसे चाहता हॅू और मै आपसे वादा करता हॅू के आप अपने जीवन

में वह बदलाव महसुस करेंगे जैसा आपने पहले कभी नही किया होंगा।

अध्याय ७

इस अंक में मै आपको समजाना चाहता हूॅ की जल्दी पैसा कमाने के लिए एक सबसे अच्छा तरीका है के आप एक व्यवसायी/ म्दजतमचतमदमनत बनना जरूरी है। अगर आप पहले से एक व्यापारी है तो मै आपको यह समजाना चाहता हूॅ के आप अपने व्यवसाय की मार्केटींग करने के लिए किस प्रकार की पध्दती अपनायें। मार्केटींग से मेरा भावार्थ प्यार और भावना है। मै आपको यह समजाना चाहता हूॅ की आप किस प्रकार अपने व्यवसाय में प्यार और भावना अपना सकते है। किस प्रकार आप अपने व्यवसाय में अपने आत्मीक सोच को अपना सकते है। मै आपको यह बताना चाहूॅगा के आप किस प्रकार एक आत्मीक व्यवसायीक बन सकते हैं और किस प्रकार आप अपनी अंतरमन की सोच की तरफ अपने कदम बढा सकते है। हम अपने व्यवसाय और अपने अंतरमन की सोच को मिलाकर एक ऐसी शक्ती उत्पन्न कर सकेते है जिससे की हम अपने

जीवन में काफी पैसा आकर्षित कर सकते है। और अगर देखा जाय तो आत्मीकता और व्यवसाय दोन एक ही सिक्के के पहलू है। मै आपको यह समजाऊंगा के आप किस प्रकार इन दोनों को मिलाकर एक ऐसे रूप में ढल सकते है। जिस के द्वारा आप सफल व्यवसायी बन कर पैसों को अपनी तरफ आकर्षित कर सकते है।

अध्याय ८

मै आपको यह बताना चाहता हूॅ की आपकी पैसों की जो भी भावना है यही तय करती है की आप कितना पैसा आकर्षित कर सकते है।
आपकी यही अंतरभावना आपकी आंतरीक शक्ती का स्त्रोत है। आपका मस्तिष्क ही आपकी सोच को निर्धारीत करता है। मगर जो आपकी जिंदगी पर वास्तव में प्रभाव डालाता है, आप की सॉसों को चलाता है, आपकी दिल की धडकोनों को नियंत्रीत करता है वह आपका अंतरमन ही है। यही है जो आपकी रोजाना की जींदगी का संचालन करता है और यही आपकी पैसों की सोच को निर्धारीत करता है।

अगर आप अपनी सोच को बदलना चाहते है, आपने आप को बदलना चाहते है, अपने वास्तविक हालात को बदलना चाहते है, तो आपको अपने अंतरमन से ही बदलाव लाना होंगा। अगर आप इसे अपने बाहयमन से बदलते है, तो आपका यह

बदलाव स्थायी नही हो पायेंगा। परंतु अगर आप एक स्थायी बदलाव चाहते है, एक सही परिणाम चाहते है, अगर आप पैसों को आकर्षित करना चाहते है, तो आपको इसके लिए इसके अंतरीक स्त्रोत को खोजना होंगा। यह स्त्रोत आपके बॅंक बॅलन्स और आपकी नोकरी से परे है, जिसे हम अपना अंतरमन कहते है। जब मै आपके अंतरमन में प्रवेश कर के आपके भीतर छुपी सारी नकारात्मक शक्तीओं को निकाल दूॅंगा जो आपको पैसा आकर्षित करने में बाधा उत्पन्न कर रही है। फिर आप देखेंगे के आप किस प्रकार अपने जीवन में पैसों के आकर्षण का केंद्र बन जाते है।

एक और बात है की आप अपने बाहयमन से यह सोचते है की मै पैसा आकर्षित करने में सक्षम हूॅ। मगर जब आप अपने अंतरमन से यह सोंचेंगे के आपके पास क्या है, आप कितना पैसा आकर्षित कर पा रहे है। या कही आपको डर है की कोई आपसे यह सब छीन लेंगा, आपको पैसों से दूर कर देंगा तो जरा ठहरीयें और देखीये क्या

है ऐसा आपके आस पास जो गलत हो रहा है। और जब आप सब इन सब बातोंको जानकर इन के उपर कार्य करेंगे तब आप पायेंगे की आप धीरे धीरे पैसोंको आकर्षण का केंद्र बना रहे है। कई बार आपका बाहयमन आपके अंतरमन पर हावी हो जाता है जीसके कारण आप पैसों से दूर होने लगते है। और इसी प्रकार की बातों से आपको दूर होना होंगा और आप पायेंगे वो सबकुछ जो आप चाहते है जैसे घर, गाडी, बंगला और पैसा मगर इसके लिए आपको आपके बाहयमन फिर से सुयोजीत करना होंगा और उसे सही राह दिखानी होंगी।

अपने बारे में कहूॅ तो मैने अपने बाहयमन पे कार्य किया इसे उन सब बातों से अवगत कराया, जो वास्तविक है। और आज मेरे पास पर्याप्त से अधिक पैसा है। आज मै एक बडा व्यावसायीक बन गया हूॅ, मै अपने जीवन में वह सब कुछ हासिल कर चुका हूॅ जो मै वास्तव में चाहता था, आप भी यह सब पा सकते हैं। परंतु इसके लिए आपको खुद को आर्थिक स्वतंत्रता के लिए तैयार करना

होंगा। आपको मेरी उन सभी बातों पर विश्वास करना होगा जो मैने आपको बताई है और जो मै आपको बताने जा रहा हॅू।

मैने आपको उन सात चरणों के बारे में बताया, जीसके द्वारा आप अपनी सोच के बारें में जान सकते है। और यह समज सकते है की कहा आपको कहा सुधारकी आवश्यकता है। इससे आप यह समज पायेंगे की आप वास्तव में क्या चाहते हैं। और आप खुद को एक आर्थिक चमत्कार के लिए तैयार कर पायेंगे। तो यह एक आरंभ है आपकी जींदगी में होने वाले चमत्कारों की श्रेणी का, जीसके द्वारा आप अपने जीवन में बहुतसा पैसा आकर्षित कर सकते हैं। यह सब बातें आपस मे मिलकर आपकी सोच को बदल देंगी और इससे आप वह महसुस करेंगे जैसा की आपने पहले कभी न किया हो। आज हमे यह देखना है की आजतक हम कैसे रहे, हमने क्या किया, आजतक हम कितने बंधनों से जकडे रहे और आज हमे इन सब बंधनोंसे आझाद होना है आज हमे खुद को पुरी तरह

बदलना है। और अपने आपको इस प्रकार नियोजीत करना है की हम पैसों को आकर्षित कर सके।

मै चाहता हॅू की आप वह खेल **“ अगर ये हूआ तो ”** बार बार खेले परंतु फिलहाल यह महसुस करे की यह पल आपकी जींदगी का सबसे महान पल है। यही वह पल है, जीस में आप उन सब बातों को जान पायेंगे जीससे की आप पैसों को आकर्षित कर सके और वो भी उन्ही सब तरीकों से जिसके बारें मे आप आजतक सोचते थे, महसुस करते थे और उन्हे बाटते थे। आप जानेंगे किस प्रकार आप इन्ही सब तरीकों से खुद को एक पैसों के अकर्षण को केंद्र बना पाते हैं। इसके लिए बस आपको इस किताब को बार बार पढना होंगा, अपनी अभ्यास पुस्तका को पढना होंगा और आपको खुदसे यह अपेक्षा रखनी होंगी की आप भी पैसों को आकर्षित कर सके।

मै अपने आपको बहुत ही खुश नशीब समजता हॅू की आज इस काबील बन गया हॅू की

मै आपने अनुभवों को आपके साथ बाट सकू। मुझे आज भी याद है मेरे बीते हूॅए दिन जीन दिनों में मै पैसों को आकर्षित करने की कला सिख रहा था। जिस कला के द्वारा आज मै इन सब बातों को आपके साथ बॉट रहा हूॅ। यह मेरे लिए बहुत ही बडी बात है। मेरे लिए एक सम्मान के तरह हैं और इसके लिए मै आप सबका आभारी हूॅ। मुझे आज भी मेरे वह दिन अच्छी तरह याद है, जब मेरे पास कुछ नही था। और जब मैने पैसों को आकर्षित करने की कला सिखी, और उसमें खुद के तरीके भी अपनायें। और आज इन सब बातों को मै आपके साथ बॉटने जा रहॉ हूॅ, आप को वह सब तरीके बताने जा रहा हूॅ। आज में आपका हाथ पकड कर आपको सही राह पर ले जाते हूॅए आपको यह कह सकता हूॅ की, आप इस प्रकार कार्य करे
जिसके द्वारा आप पैसा आकर्षित कर सकते है। मै उन सब बातों को आभारी हूॅ जिसने मुझे इस काबील बनाया के आज मै आप से यह सब बाते बॉट सकू। मै आप सब का फिर से धन्यवाद करना चाहता हूॅ।

चलिए अगर आप तैयार है, तो अगले प्रकरण की तरफ चलते है।

प्रकरण २

हम सब जानते है कि कुछ पाने के लिए कुछ खोना पडता है। लेकिन हमे कुछ खोना नही है हमे सिर्फ देना है। आपको अपने मन में कुछ देने की भावना उत्पन्न करनी होगी। इस भाग में आगे मै आपको व्यापार के कुछ नए तरीके बताउंगा। लेकिन उससे पहले मै आपको एक कहानी सुनाना चाहता हू। यह कहानी एक छोटेसे बच्चे की है, मै उस बच्चेसे कभी नही मिला और नाहि उसकी मॉ से कभी मेरी मुलाकात हूई है। उस बच्चे के बारे मे मुझे मेरे एक मित्र के द्वारा पता चला था। उस बच्चे को ६ महिने की उमरमें ही स्ट्रोक आ गया था। उसे जिंदा रहने के लिए एक मशिनकी जरुरत थी लेकिन उस मशिन कि किमत १ लाख रुपये थी। जब मैने उस बच्चे की तस्वीर देखी तब मेरे मन मे यह इच्छा पैदा हूई की मे उसकी मदद करु, लेकिन १ लाख रुपया मेरे लिए भी एक बडी किमत थी। मै भी इतनी बडी रकम इतनी आसानीसे नही जूटा सकता था। लेकिन मै उस बच्चे की तहे दिल से मदद करना चाहता

था। मैने अपने सारे बॅक अकाउॅट चेक किए तब मैने पाया की मेरे तबतक के बचाए हूए रुपये कुछ १ लाख ही हो रहे थे। मुझे उन पैसोकी जरुरत थी। लेकिन मैने उस समय सिर्फ एक गहरी सास ली और सोचा की इन पैसोकी जरुरत मुझसे ज्यादा उस बच्चेको है। मैने तुरंत ही १ लाख रुपये का चेक उस बच्चे की मॉ के नाम लिख दिया। उस समय मैने यह नही सोचा था की यह पैसे मुझे कभी वापस मिलेंगे या नही, उस समय सिर्फ मेरे मन में कुछ देने की ही भावना थी। मै बस यही सोच रहा था की कभी उस बच्चे की मॉ मुझे उस बच्चे की फोटो भेजेगी या शायद मै कभी उस बच्चेसे मिल पाऊॅगा। मै बस यही चाहता था की वह बच्चा ठिक हो जाए। लेकिन उसके कुछ ही समय बाद मुझे ५ लाख रुपयेका चेक मिला, इन पैसो की आने की मुझे कोई उम्मीद नही थी, यह मेरे लिए एक अनियमितसी कमाई थी। यही कमाल है देने की शक्ती का, अगर आप कुछ देते है तो आप उसके बदले में कुछ ज्यादा ही वापस पाते है। ये ५ लाख रुपये मेरे जिंदगी मे बहूतसारी खुशिया लेकर आए

थे। यही सब बाते है जो में आपको समजाना चाहता हू या सिखाना चाहता हू, की अगर आप कुछ पाना चाहते है तो आपको कुछ देना सिखना होगा।

आप जब भी देते है तो आप अपने अंर्तमन की शक्तीको बढा रहे होते है और यही शक्ती आपको आप की दी हूई वस्तुको वापस पाने मे आपकी सहायता करती है। कुछ देने से आप जो वापस पाते है, हो सकता की वह पैसा हो या कुछ और लेकिन आप कुछ ना कुछ पाते जरुर है। जैसा की हम सब जानते है, न्यूटन के नियम के अनुसार ‘‘म्टमत्ल ।बजपवद भै। म्फनंस ।दक व्चचवेपजम त्मंबजपवद’’।

अधिकतर समय मै चेक लिखते वक्त ज्यादा खुश नही होता था लेकिन जिस समय मै उस बच्चे के लिए चेक लिख रहा था तब मेरे मन में एक अजीब सी खुशीकी भावना थी। मुझे ऐसा मेहसुस हो रहा था की मै अपने भितर के सारे बंधनोसे मुक्त होता जा रहा हॅू। इसी एहसासको आप भी पा सकते है

परंतु इसके लिए आपको कुछ देना होगा। मै आपको यह पुरे यकिनके साथ कह सकता हूॅ की जब भी आप देंगे आप अपने आपको बहूतही खुश और आझाद महसुस करेंगे और यही एहसास आपको पैसा आकर्षित करने में सहायता करेगा।

मै आपको व्यापारके कई नए मरिके बताऊॅगा जिससे की आप अपनी आर्थिक स्थितीमें सुधार कर पायेंगे, उनमेंसे एक तरीका है ''हॉ'' बोलने की शक्ती। मै आपको इसके अलावा कई और तरीके भी बताऊॅगा, लेकिन अभी आपको सिर्फ अपने मन में देने की भावना उत्पन्न करनी होगी, आपको कुछ देना सिखना होगा। आप जब कुछ देना सिख जाओगे तब आप अपने आपको आझाद महसुस करोगे और यही एहसास आपको पैसे आकर्षित करने में सहायता करेगा। यही तरीका है अपने आपको बदलने का, अपनी जिंदगी को बदलने का और सबसे एहम इस दुनिया को बदलने का।

अध्याय १

पैसा पानके लिए आपको उसे देनाही होगा। या जो भी आप चाहते है उसे पानेके लिए आपको उस वस्तुको आपसे दुर करना होगा। आप किसीभी वस्तुका दान कर सकते है जैसे की आपका समय, आपकी योग्यता, आपकी मेहनत या कुछ और जो भी आप चाहते है। आप किसीकी सहायता करके अपनेआप मे वह क्षमता उत्पन्न कर सकते है जिसके द्वारा आप पैसा आकर्षित कर सके। कई लोग अपने पैसो को नही बाट पाते क्योकि वह इससे डरते है, वे सोचते है के अगर वे पैसा बाटेंगे तो वह उनकेपास वापस नही आएगा। और उसी सोच की वजहसे वे अपनेआपको भयभीत कर लेते है और अपनी क्षमता को कम करने लगते है। और यही वजह उन्हे पैसा आकर्षित करनेसे रोकती है।

मै आपके मनोभावको समझ सकता हूँ और यह जान सकता हूँ के आप अभी क्या सोच रहे है।

क्योकि मै भी कभी आपही के स्थानपर खडा था, वही सोचता था जैसे अभी आप सोच रहे है। मै भी यही सोचता था की अगर मै अपना पैसा बाटूॅगा तो वह मुझे वापस नही मिल पाएगा और अपने आपको डराता रहता था।

लेकिन जब मैने पैसोको आकर्षिंत करनेके राज को जाना तो मुझे यह समजमें आया के हम जितनाभी पैसा बाटते है वह हमारे पास लौटकर जरुर आता है। लेकिन इसका मतलब यह नही है की आप अपना सब कुछ लूटा दे, आपको सिर्फ अपनी क्षमताके हिसाब से कुछ प्रदान करना है। अगर ज्यादा ना दे सके तो कमसेकम अपनी मासिक आय का १०प्रतिशत तो आप अपने अंर्तमन की शक्तीको बढानेके लिए खर्च करही सकते है। फिर भी आप कितना दान करना चाहते है यह आपहीके उपर निर्भर है। अगर आप अपना पैसा नही बाट पाते तो यह आपके अंर्तमनकी कुछ बाधाओके वजहसेही होता है और यही बाधाए आपको पैसा आकर्षिंत करनेसे रोकती है। आपको अपनी अंदरसे सारी

बाधाओ और डरको निकालना होगा और इस सिद्धांत को समजना होगा की पैसा हमेशा घुमते रहता है।

अगर आप इसी पल अपना पैसा बाटते है, किसी जरुरतमंदकी मदद करते है तो पाऐंगे की वही पैसा आपके पास घुमकर वापस आ रहा है। हो सकता है की आप आजही अपना पैसा वापस पा ले, या कल या फिर परसो। लेकिन आप पैसा वापस जरुर पाऐंगे। प्रकृतिके नियमके अनुसार हर खाली जगहको भरनेके लिए कुछनाकुछ उस खाली जगहपर आ जाता है। अगर आप अपना पैसा नही बाटना चाहते तो इसका मतलब यही है के आप पैसा आकर्षिंत नही करना चाहते। हो सकता है के आप सोचते हो की आपके पास पर्याप्त धन है या फिर आप अपने आपको पैसा आकर्षिंत करनेके योग्यही नही समजते। इसिलिए आपको अपना पैसा बाटना है। आपको यही देखना है की आज ऐसी कौनसी वस्तु आपके सामने आती है जो आपको पैसा बाटनेपर मजबुर करती है। आपको पैसा आकर्षित करनेके लिए

कुछ देर के लिए उन्हे अपने आपसे दुर करना है। और अंतमें आप पायेंगे की आप पैसोको आकर्षित करने लगे है।

अध्याय २

चलिए, मै आपको एक तरिके बारेमें बताता हूॅ जिसके द्वारा आप अपने जिवन के लक्ष्यको पहचान पाऐंगे। यह काफी दिलचस्प तरीका है। मै खुद इसे बारबार आजमाते रहता हूॅ, जिससे की मै यह जान सकू की मेरे जिवनका अगला कदम क्या होगा। इस तरीकेमें आपको यह सोचना होगा की आप क्या चाहते है। आपकी यही सोच आपके भितर वह शक्ती उत्पन्न करेगी जिससे की आप प्रकृतिके सहायता से उस कार्य को पुरा कर सके जो आप अपने लक्ष्य को पुरा करने के लिए करना चाहते है। आपको अपनेआपसे यही पुछना होगा के आपने किसबारेमें सोचा था, जब आप सुबह बिस्तरसें उठे थे। मै भी रोज सुबह उठकर अपने बिस्तरमें ही यह तय कर लेता हूॅ की मूझे आगे क्या करना है।

आपको अपनी इच्छा के बारेमे जानने में अगर असुविधा होती हो तो मैं आपको एक तरीका बताना चाहता हुॅ। इसके अनुसार आपको यह सोचना होगा

के आपको सबसे ज्यादा क्या पसंद है। आप क्या करेंगे अगर आपको दुनियाभर का पैसा मिल जाए। आप अपने मन में यही सोचिए की आप कैसा महसुस करेंगे अगर आप सिर्फ अपनी हतेली घिसनेसें ही पैसा बना सके। आप कैसा अनुभव करेंगे अगर आपके पास १० नए घर, २० नयी मेहंगी गाडियॉ और कई विदेश यात्राए की हो। आपके मन में जिस चीजका खयाल आया, वही है आपकी सबसे मनपसंद वस्तु।

मुझे एक प्रश्नका जवाब दिजीए की अगर आपके पास १० नए घर, २० महंगी गाडियॉ आ जाए तो आप क्या करेंगे? आप क्या करेंगे अगर आपके पास दुनियाभर का पैसा आ जाए या आप चुटकी बजाकरही पैसा बना सके? आप इस तरीके को मजाक में ना ले, इस तरीके में काफी ताकत है। इसके द्वारा आपके अंदर काफी खुशी महसुस करेंगे। आपको यह महसुस करना है की आप एक लौटरी जीत चुके है, आपने अपने सारे बिल भर दिए है क्योंकि आपके पास अब पर्याप्त पैसा है।

इस किताबके माध्यमसे मै आपके भितर वह उर्जा उत्पन्न करना चाहता हूॅ जिससे आप अपने आपको आर्थिक तौरपर आझाद महसुस कर सके। आप कितना पैसा चाहते है?, आप अपनी जिंदगी में क्या क्या सुख सुविधाए चाहते है? यही वस्तु आपको अपने जिवन के लक्ष्यको निर्धारित करनमें सहायता करेंगी। जब आप अपने लक्ष्य को समज जाऐंगे तब आप पाऐंगे की आप आसानीसें पैसाको आकर्षित कर पा रहे है और अपने लक्ष्यतक पहूच रहे है।

प्रकरण ३

इस प्रकरण में मै आपको पैसा आकर्षित करने के ९ तरीकोंके बारे में बताऊॅगा। हो सकता है, के आपने इन तरीकोके बारे शायद पहले सुना हो। मैने खुद इन तरीकोको अपने जिवन में इस्तमाल किया है। इस लिए मै आपसे यह पुरे विश्वास के साथ कह सकता हूॅ की यह ९ तरीके आपको पैसा आकर्षित करने में बहुत सहायता करेंगे। तो चलिए, अब पहले तरीके की ओर चलते है।

१ पैसा बाटना

पहला तरीका वही है जिसके बारे में मै आपसे पिछले भाग में बात की थी की आपको अपना पैसा बाटना होगा। आपको यह समजना होगा की इस संसार में जो भी वस्तु हम बाटते है उसे हम वापस अपनी तरफ आकर्षित करते है। चाहे वह पैसा हो, प्यार हो या सन्मान हो या फिर कुछ भी जो आप

चाहते है। इसिलिए आपको पैसा बाटना सिखना होगा और यही है पहला तरीका पैसा आकर्षित करने का।

२. मन को दृढ बनाए

दुसरे तरीके के अनुसार आपको अपने आप मन को दृढ करना होगा, अपने आपको दृढ बनाना होगा। इसमें आपकी सहायता के लिए मै आपको कुछ तरीके बताना चाहता हूॅ, सबसे पहले आपको अपने मन को साफ करना होगा। अपने मन को साफ करने से मेरा मतलब है की आपको यह जानना होगा की आप पैसोंको लेकर क्या सोच रखते हैŠ क्या आप सोचते है की पैसा बुरा हैŠ पैसे होनेसे आपके मन में लालच आ जाएगा या ऐसीही कोई सोच आपने अपने मन में बना रखी है? इसके लिए आपको अपने मन की सारी बातो की सुची बनानी होगी और एक एक करके उन सभी बुरी सोचों को अपने अंदर से दुरुस्त करना होगा। यही वस्तु मैने आपको अभ्यास पुस्तिका में भी दी है ताकी आप इसे ओर आसानी सें समज सके। तो दुसरा तरीका यही है के

अपने मन को साफ करे या दृढ बनाए। अगर आप सोचते है की पैसा बुरा है तो आप यह भी कर सकते की, आप यह सोचिए की ऐसा कौनसा फायदा है जो आपको यह सोचनेसे मिल सकता है की पैसा बुरा है। अगर आप सोचते है की पैसा ना होनेसे मै काफी सारी तकलिफोसें बच सकता हूॅ तो आप एक काम किजीए की आपको इस प्रकारकी सोचसे जो भी फायदा हो रहा हो उसे लिख ले। अब सोचिए की इस फायदेसें आपका क्या फायदा हो सकता है। हो सकता है की आप यह सोचे की इससे आप सुरक्षित महसुस कर सकते है तो इसे भी लिख ले और अब फिरसे यही सोचे की सुरक्षित महसुस करनेसे आपको क्या फायदा हो सकता है। अगर आप यह सोचते है की सुरक्षित रहनेसे आप दुसरोकी चर्चा का विषय बननेसे बच सकते है और खुदको सामान्य महसुस कर सकते है। तो इस बात पर भी आपको जो भी फायदा महसुस हो रहा है उसे भी सोचकर लिख ले, जब आप अपने फायदोकी सुचीको देखोगे तो आपको एक आश्चर्यजनक परिणाम मिलेगा की आपको इस

प्रकारकी सोचसे जो फायदे हो रहे है वह आपके किसी कामके ही नही है। यह सब आपको कुछभी नही दे रहे है। अगर आप यह सोचते है की पैसा ना होनेसें आप सुरक्षित महसुस कर सकते है तो जरा यह सोचिए की बिना पैसोके आप अपना किराया किस प्रकार देंगे, अपना बिल कैसे भरेंगे, अपने खर्चे कैसे पुरे करेंगे यहातक की आप अपनी जरुरत की वस्तु कैसे ला पायेंगे। अगर आप पैसोंके बिना कुछ भी नही कर सकते है, आपको पैसोंकी जरुरत है तो पैसा बुरा कैसे हो सकता है, और बिना पैसोंके आप किस प्रकार सुरक्षित है। पैसा बुरा होने की सोच आपके मन में अंदर तक बसी हूई है और यही आपको पैसा आकर्षित करने से रोकती है।

आप जो भी सोचते है वह आपके दिमागमें सॉफ्टवेअर की तरह है, और आपका दिमाग उस किताब की तराह है जो आपको अपनी सोचपर ऑउटपुट देता है जो भी आप सोचते है। अगर आपको लगता है की पैसा बुरा है और आप यही सोच रखकर पैसोको आकर्षित करनेकी अपेक्षा करते

है तो जरा रुकिए, इस प्रकार आप कभीभी पैसोको आकर्षित नही कर पाऐंगे। आपकी यही सोच आपकी सफलता को आपसें दुर कर देती है। इसिलिए आपको अपने मनको साफ करना होगा और अपनी पैसोकी सोचको सकारात्मक बनाना होगा। जैसाके मैने बताया की आप अपनी फायदोंको लिख ले और देखें की अपने फायदोंसे आपको क्या फायदा हो रहा है। जॉर्ज बरनॉर्ड शॉ ने भी यही कहा है की अगर कुछ बुरा है तो वह पैसोंकी कमीही है, यही सारी परेशानीयोंकी जड है। पैसेंका खुदसें कोई अस्तित्व नही है, पैसा अजिवित है लेकिन इसे हम लोंग ही शक्तिशाली बनाए है। आप अगर अपने फायदों को देखते है तो आपको पता चलता है की अपने फायदोंसें आपको कोई लाभ नही हो रहा तो आप इन्हे छोडकर आगे बढ सकते है। आप अपनी सोंचको बदल सकते है। यही है दुसरा तरीका के अपने मनकी सोचको साफ करे और अपने आपको पैसा आकर्षित करनेके लिए आझाद कर दे। यही था दुसरा तरीका उन पैसोंको आकर्षित करनें के ९ तरीकों में से ।

३. कार्य करना

तिसरा तरीका है कार्य करना। अगर आपके मन में कुछ भी करने का खयाल आता है तो आप तुरंतही उसपर अमल करना शुरु कर दे। अपने जिवन में सफलता प्राप्त करनेंके लिए यह सबसें अच्छा तरीका है की अपने खयाल पर तुरंत ही कार्य करे, जो भी आपके दिमाग में आता है। अगर आप ऐसा नही करते तो इसका यही मतलब है की आप पैसा आकर्षित करनेंसे डरते है, आप अपनी असफलतासें डर लगता है। अगर आप अपने मन सें इस प्रकार के डरको दुर कर देते है तो आप पायेंगे की आप पैसा आकर्षित करने लग गए है। और यही है तिसरा तरीका की आपके मन में जो भी खयाल आए उसपर तुरंतही कार्य करे। क्योंकी प्रकृतिकों तेजी पसंद है, पैसोंकोभी तेजी पसंद है।

४.संकल्प

चौथे चरणके अनुसार आप अपने मन में कुछ अलग करनें का संकल्प करे। अधिंकतर लोग सोचते है की वे अपने जिवनमें उन्नती प्राप्त नही कर सकतें, वे कुछ भी अच्छा या बडा हासिल करनेंसे डरते है। लोंगो की इस मानसिकता को मैने काफी समय पहले एहसास किया था। आपको अपने आसपास की दुनिया को समझाना होगा कि आपमें वह क्षमता है की आपभी अपने जिवन में उचाई प्राप्त करके पैसोंको आकर्षित कर सकतें है।

इसके लिए मै आपसे एक संकल्प करवाना चाहता हूॅ और यह है की आप हमेशा, हर वस्तुओंको “हॉ/यस“ कहे जितना भी संभव हो। अगर आप हर वस्तुको ना कहते है, अगर आप सें कोई कुछ मांगता है, कोई आपको कही ले जाना चाहता है या कोई आपसे कोई उम्मीद करता है तो आप हमेशा की तरह ना कहनेसें बचे और हॉ कहना शुरु करे।

ना कहनेंसे आप अपने भितर बहूतसारी नकारात्मक शक्तीयोंको समा लेते है और यही शक्तीयॉ आपको अपने जिवन में आगे बढनेंसे रोकती है और पैसा आकर्षित करनेंमें बाधा उत्पन्न करती है। लेकिन जब आप हॉ कहने लगते है तब आप अपने आस पास की सारी सकारात्मक शक्तीयों को और आसपासकें लोगोके आपके प्रति प्यारको अपने भितर समाने लगते है। और यह शक्तीयॉ आपसमें मिलकर एक बडी शक्तीका निर्माण करती है जो आपको वह सबकुछ प्रदान करती है जो भी आप चाहते है। आप अपनी अंर्तमनकी प्रतिभावोंको उभारने लगते है और अपने जिवनमें संपन्नता हासिल करने लगते है।

मै आपसे यह संकल्प इसिलिए करवाना चाहता हू क्योंकि इस दुनिया में ऐसे कई लोग है जिन्हे आपकी सहायताकी जरूरत है, जिन्हे आप अपने एक हॉ के द्वारा बहूतसारी मुसिबतोंसे उभार सकते है। मै यह इसिलिए करता हू क्योंकि मुझे आजभी वे दिन याद है जिस समय मै बेघर था, मेरे पास पैसा नही था और जिस समय मै किसीसे

सहायताकी उम्मीद करता था। मै जानता था की किसीकी थोडीसी सहायतासें मै अपनी सारी मुसिबतोंसे उभर सकता हॅू उस समय मेरी सहायता कई किताबोंने की जीनके द्वारा आज मै एक संपन्न व्यक्ती बन पाया हॅू और जब मैने अपनी हॉ बोलने की क्षमताको बढायॉ, तब मैने पाया की मै अपनी आंतरीक शक्तीओं कों काफी उच्चाईं ओं तक ले जा चुका हॅू। इसका कारण यह था की जब में दुसरोंके लिए सोचने लगा तब मैने अपनी आवश्यकताओंके दायरेंको बढा दिया। जबभी हम किसी और के बारेंमें भी सोचने लगते है तब हम अपनी क्षमताओंको बढाने लगते है। और जब हम सिर्फ खुदकें बारे में सोचते है तो हम अपनी क्षमताओंको सिमित करने लगते है और जब आपकी क्षमताए एक दायरेंतक सिमित होने लगती है तब आप धिरेधिरे अपने हौसले और काबिलीयतको खोने लगते है। लेकिन जब आप किसीकी सहायता करनेके बारे सोचते है तब आप अपने मनको और अपने दिल को खुला छोड देते है ताकि आप अपने

अंदरके आत्मविश्वास और काबिलियत कों बढाने लगते है।

यही था चौथा तरीका उन ९ तरीकोंमेंसे जिसके द्वारा आप पैसोको आकर्षित कर सकते है। तो चौथे तरीकेके अनुसार आप जरूरतमंदोकी सहायता करे। जब आप दुसरोंपर विश्वास करेंगे तब आप खुदमें भी विश्वास करेंने लगेगें और आप पाएगें की पैसा आपकी तरफ दौडा चला आ रहा है।

५ सहायता लेना

पॉचवा तरीका है, सहायता लेना सिखे। इसके बारे में मैने आपको पहले भी बताया है के आप सहायता लेने के लिए हो सके तो छोटासा मित्रोंका समुह बना ले, जिनसेंकी आप अपने विचारोंको बाट सके। सहायता लेनेके द्वारा आप पैसोंको आसानीसे आकर्षित कर सकते है। अगर आप सबकुछ खुद करना चाहेंगे तो आप अपनी सफलता सें धिरेधिरे दुरू होते जाऐंगे। मुझे याद है, जब मेरे पास पैसे नही था तब मुझे याद है की मै सबकुछ खुद करनेंकी इच्छा रखता था लेकिन जब मुझे इस बात का एहसास हूआ की सबकुछ अकेले नही किया जा सकता तब मैने अपने आपको दुसरोंसे मदद लेनेके लिए प्रेरित किया। अगर आप किसीके काम आते है या फिर किसी ओर को अपनी सहायता करने देते है तब आप अपनी सफलताओ के और करीब होते जाते है। सहारा लेना और सहारा देना दोनोही सफलता पानेका सबसे अच्छा तरीका है।

सहायतासें मेरा मतलब सिर्फ आर्थिक सहायता नही है, मेरा मतलब यह नही है के आप अभी जाए और कहीसें लोन उठाए, मै यह कहना चाहता हूॅ के आप किसीसे सहायताके रूप में सांत्वना या प्रेरणा ले सकते है। जो आपको अपने लक्षके तरफ बढनमें सहायता करेंगे। आप उन लोगोंसे मदद ले सकते है जिनपर आप विश्वास करते है, यही है पॉचवा तरीका की अपने आपको दुसरोंसे सहायता लेनेकें लिए आझाद कर दे।

६धन्यवाद करे

छॅठा तरीका है धन्यवाद करे। जैसे मेने पिछले भागमें बताया था की आप किसीभी वस्तुका धन्यवाद कर सकते है, उसका आभार मान सकते है, कोई भी छोटीसी छोटी वस्तु जो आपके जिवनसे जुडी है। जिस प्रकार मैने आपको एक पेन्सिलके बारेमें बताया था की आप किस प्रकार एक छोटीसी पेन्सिलका धन्यवाद कर सकते है। आप अपने आसपास देखे और किसी भी वस्तुको चुनकर उसका आभार माने या धन्यवाद करे जिसने आपकी किसीभी कार्य में सहायता की हो।

आप अगर कार चलाते है तो आप उस कारको धन्यवाद कर सकते है। आप इस किताब का धन्यवाद कर सकते है क्योंकि आप इससे अभी पढ रहे है। उस सडकका धन्यवाद कर सकते है जिसपे आप चल रहे है, अपने कपडोका, घडीका, चश्मेंका या किसीभी वस्तुका आप धन्यवाद कर

सकते है। अगर आप अपने आसपास देंखेगे तो आप पायेंगे के आपके आसपास जितनीभी वस्तु है वह आपकी किसी ना किसी प्रकार सहायता कर रही है। आप सभीका धन्यवाद कर सकते है।

आज मै एक प्रतिष्ठित व्यक्ती हूॅ जिसके पास बडा घर, गाडी और पैसा सबकुछ है। इसके लिए मै रोज रातको अपने घरकी छतपर जाकर तारोंकी ओर देखते हूॅए मै उस हरएक वस्तुकों धन्यवाद करता हूॅ जिसके कारण में जिवित हूॅ। मै धन्यवाद करता हूॅ, उस हरएक पल के लिए जो दिनभर मेरे साथ गुजरा। इसप्रकार धन्यवाद करनेंसे मै अपने आपमे काफी खुश महसुस करता हूॅ।

मुझे जबभी मौका मिलता है, मै अपने आसपासकी वस्तुओंका आभार व्यक्त करता हूॅ। और यही रहस्य है, मेरे पैसा आकर्षित करनेकी क्षमता का। मैने आजतक जो भी हासिल किया है मै उसके लिए हर किसीका आभार मानता हूॅ। अब आभार मानना मेरी जिंदगीका एक हिस्सा बन गया है। इससे मुझे बहुत

खुशी मिलती है और यही खुशीका एहसास मुझे और ज्यादा पैसे आकर्षित करनेमे सहायता करता है। यही है छॅटा तरीका जिसके द्वारा आप पैसोंको आकर्षित कर सकते है। आप अपनी आखे बंद करे और मन में जो भी पहली वस्तु आए उसका आभार व्यक्त करें।

७ वह कार्य करे जिसमे खुशी मिले

सातवा तरीका है, वही करे जिस कार्य से आप प्यार करते है या जिस कार्य में आपको खुशी मिलती है। आप अभी यही सोच रहे होंगे की जिस वस्तुसें आपको खुशी मिलती है वह आप पहलेसेंही करतें आ रहे है। कही लोग मुझसें पुछते है की आपने इतना पैसा कैसे कमाया, मै उनसें यही कहता हूॅ की, मैने वही किया जिससे मुझे खुशी मिलती है और जिस कार्य सें मुझे खुशी मिलती है उस कार्यको मै आसानीसें और अच्छी तरह पुरा कर सकता हूॅ।

अगर आप वही करतें है जिससे आपको खुशी मिलती है तो आप आसानीसें पैसोंको आकर्षित कर सकते है। आपको बस अपने आपपर विश्वास रखना होगा और अपने दिलकी सुननी होगी और उस कार्य को करना होगा, जिससे आप खुश रहे। जब आप अपने दिलसें कार्य करते है तो प्रकृतीभी उस कार्यकों करनेंमें आपकी सहायता करती है और आप

उस कार्यको आसानीसें पुरा कर सकते है और पैसोको आकर्षित कर सकते है। यही है सातवा तरीका की आप वही करे जिससे आप प्यार करते है। जब आप अपने मनपसंद कार्य करने लगते है तब आप उन कार्योको आसानीसें पुरा कर लेते है और पैसोंको अपनी तरफ आकर्षित करने लगते है।

८ सोचके दायरेको बढाए

आठवा तरीका है, अपनी सोचके दायरेको बढाए। अल्बर्ट आईनस्टाइन ने कहा है की आप अपनी समस्यायोंको उसी तरीकेसे नही खतम कर सकते जिस तरीकेसे आपने उस समस्याको पैदा किया है। आपको अपनी सोच बदलना होगा। अब यही सवाल आपके मनमें आ रहा होगा के किस प्रकार अपनी सोचको बदले, किस प्रकार अपने सोचके दायरेको बढाए।

तो इसके लिए मै आपको ४ तरीके बताना चाहूँगा और उनमेंसे पहला है अपनी क्षमताओंको बढाए। जब आप अपनी क्षमताओंको बढाते है तो आप अपने सोचके दायरेकोभी बढाने लगते है। कमजोर व्यक्ती यह नही सोचता कि वह अपनी जिंदगी बदल सकता है, वह अपनी जिंदगीमें बदलाव करनेसे डरता है। और उसका यही डर उसे पैसे आकर्षित करने नही देता। वह खुदमें अपनी समस्योंसे लढनेकी क्षमता महसुस नही कर पाता।

लेकिन जो व्यक्ती अपनी क्षमताओंको बढाता है वह खुदकों शक्तीशाली महसुस करता है और वह सबकुछ कर सकता है जो एक कमजोर व्यक्ती सोचनेसें भी डरता है।

अब दुसरे तरीकेमें आपको खुदसे यह पुछना होगा की किसप्रकार आप पैसा आकर्षित कर सकते है, कैसे अपनी समस्याओंसे छुटकारा पा सकते है, किस प्रकार अपने आर्थिक स्थितीमें सुधार ला सकते है और इन्ही सब बातोंसे आप कईप्रकारके परिणाम निकालने लगते है और यही परिणाम आपको आपनी सोच बदलनेमें सहायता करते है। जब आप सोचने लगते है के आप किस प्रकार पैसा आकर्षित कर सकते है, किस प्रकार अपने आपको संपन्न बनाया जा सकता है तब आप अपनी आर्थिक परिस्थितीओंको और लोगोंके आपके प्रति व्यवहारको अलग रखतें हूओ आगे बढते है और अपनी हिम्मतका परिचय देते हूए अपनी सोचको बढाते है और अपनी जिंदगीको नया रूख देने लगते है जो आपको पैसोंकी और ले जाते है।

इस बात सें मुझे बात याद आ गयी की कुछ समय पहले मेरी मुलाकात मेरे एक पुराने दोस्तसें हुई थी, जब उसने मुझे देखा तब वह एकदमसें भौच्क्का रह गया। वह मेरा आर्थिक स्थितीको देखकर चौकतें हुए मुझसे कहने लगा की मैन किसप्रकार इतनी दौलत, गाडी और घर बनाया और मुझसे कहने लगा की वह यह सबकुछ कभी नही कमा सकता। उसकी इस बातपर मुझे बडाही ताज्जुब हुआ क्योंकि मैने कभी नही सोचाता वह इसप्रकारकी सोच रखता होगा। जब मैने उससे पुछा की वह यह सब क्यों नही कमा सकता, तो वह मुझसे कहने लगा की वह एक रोजकी कमाई खानेवाला कर्मचारी है और उसके लिए यह सब संभव नही है। उसके इस बातपर मैने उससे यही कहा जो मै अभी आपसे कह रहा हूॅ की अपनी सोचको बढाओ। आप भी वह सबकुछ कर सकते है जो मैने किया है, आपभी मेरी तरह अपना खुदका व्यवसाय शुरू कर सकतें है और मेरी तरह प्रतिष्ठित व्यक्ती बन सकते है।

जब भी किसी व्यक्तीकेपास पैसा होता है तो वह उसे बढानेकी तरफ ध्यान नही देता। वह अपने आपको संतुष्ट महसुस करने लगता है और यही सोच उसे और पैसा आकर्षित करनेंमे बाधा उत्पन्न करती है। मैने मेरे मित्रसें उस समय यही कहा था की ‘‘जो भी पैसा आपके पास आता वह आपके नौकरीसें नही आता, लेकिन पैसा वह है जो आपकी नौकरीके द्वारा आपकेपास आता है’’। इस बातका मतलब यह है की, पैसा उस जगहसें नही आता जहॉसें आप सोंचते है की पैसा आ रहा है, परंतु पैसा उस जगहसें आता है जहॉसें आप उसके आनेकी अपेक्षा रखते है। इसिलिए अगर आप सोचते है की आप नौकरी करनेंसे पैसा कमा रहे है तो आप यह वस्तु भुल रहे है की आप दुनियाकी हरएक वस्तुसें पैसा कमा सकते है, बस आपको अपने सोचको बढाना होगा और यह पता करना होगा की आप किसप्रकार किस जगहसें कैसे पैसा आकर्षित कर सकते है। जब आप यह पता कर लेंगे तो आप पायेंगे की आपके आसपास एसे अनगीनत जगह है, जहासें आप पैसा आकर्षित कर सकते है।

जब इस बात के बारे में मैने पहली बार जाना था तब मै भी आपहीकी तरह यह सोचता था की शायद यह बात सही हो किंतु उन अनगीनत रास्तोंको खोजा कैसे जाए? उस समय मै सिर्फ अपनी किताबें बेचा करता था लेकिन इस बातके द्वारा मुझे यह समजने आया की मै अपनी किताबोंकी की सी.डी. बनाकरभी उसे बेच सकता हूॅ और अपनी आयके रास्तोंको बढा सकता हूॅ। इसी प्रकारकी सोचसें मैने अपने जिवनमें पैसा कमानेके बहूतसारे रास्ते अपनाए और वह बना जो मै आज हूॅ। आप भी मेरीही तरह अपनी सोचको बनाकर वह सबकुछ हासिल कर सकते है जो आप चाहते है और अपने पास पैसेंकी ढेरी लगा सकतें है।

९ नये अवसर बनाएँ

अंतिम और नौवा तरीका है, अपने लिए नए नए अवसर उत्पन्न करे। यह काफी महत्तपुर्ण तरीका है, आप इसे जरा ध्यानसें समजीएगा। मुझे याद है, एक बार मेरे एक मित्रने मुझसे कहा था की जब भी आपके सामने कोई समस्या आये तब उस समस्यासें घबरानेकी बजाए आप उस समस्यामेंही अपने लिए अवसर ढुॅढ सकते है। जब भी आप किसी समस्यासें घिर जाते है तब आपको यही सोचना है की आप ऐसे किसी अवसरके नजदिक है जिसके द्वारा आप पैसे कमा सकते है। इसके बारेमें मै आपको आगे विस्तार सें समजाउंगा लेकिन अभी के लिए आप सिर्फ अपनी समस्याओंको अवसर मानते हूए उससे लडने की हिम्मत अपनेआप में उत्पन्न करे। और यही है नौवा तरीका की अपनी समस्याओंमें पैसे आकर्षित करनेका अवसर तलाश करे।

मैने अभी आपको पैसा आकर्षित करने के रहस्य के नौ तरीके बताए थे। तो चलिए, एक बार फिरसे इन्हे दोहरा लेते है, पहला तरीका था आप पैसा देना सिखे, दुसरा तरीका था की आप अपने डरसें लडना सिखे, तिसरा तरीका था के अपनी सोचपर कार्य करे, चौथा तरीका था की जरूरतमंद संस्थाओं और लोगोंकी मदद करे, पॉचवा तरीका था की औरोंसे सहायता ले, छॅटा तरीका था की हर छोटीसी छोटी वस्तुकाभी आभार व्यक्त करे, सातवा तरीका था की आप वही करे जो आप करना चाहते है, ऑठवा तरीका था की अपनी सोचके दायरोंको बढाए और आखरी तरीका था अपनी समस्योंमें भी अपने लिए पैसे आकर्षित करनेंके अवसर तलाश करे। जब आप अपने जिवनमें इन नौ तरीकोंकों अपनाऐंगे तो आप अपने अंदर वह बदलाव महसुस करेंगे जो आपको पैसोंकी तरफ ले जाएगा और आपको एक धनवान व्यक्ती बनने में सहायता करेगा।

प्रकरण ४

अब मै आपको काफी महत्वपुर्ण बात बताने जा रहा हूॅ जो की पैसोंको आकर्षित करनेके रहस्यका बहूतही महत्वपुर्ण हिस्सा है, की आप पैसोंसे किस प्रकार का रिश्ता रखते है, आप क्या कर सकते है जिसके द्वारा आप पैसेंको आकर्षित कर सकतें है। जब मैने हॉ बोलनेका संकल्प लिया था तब मै इस बातकों समज पाया था, उस समय मुझे इस बातका पता चला था की इस देश में गरीब और बेघर लोगोंकी कोई कमी नही है। जब मैने हॉ बोलनेका संकल्प लिया था तबसें मै इन लोगोंकी सहायता करना चाहता था। मै यही सोचता था की मै किसप्रकार इन लोगोंकी परेशानीयोंको दुर कर सकता हूॅ। उस समय मैने उन लोगोंकी सहायताके लिए, अपने आपको इस काबील बनानें के लिए जिससे की मै उनकी सहायता कर सकूॅ, मैने इसके लिए तीन तरीकोकें बारे में जानकारी ली। इन्ही तीन तरीकोंके द्वारा मै अपनी और उन गरीब लोगोंकी सहायता कर सकता था। और पैसोंको अपनी तरफ

आकर्षित कर सकता था। अब मै आपके सामने यही तीन तरीके रखने जा रहा हूॅ।

पहला तरीका

पहला तरीका है की आप अपनी क्षमताओंको बढाए और खुद पे हौसला रखे। यह भी काफी महत्वपुर्ण बात है। मुझे याद है जब मै अपनी आर्थिक समस्याओंसे लड रहा था, जब मै निर्धन था, मै यही सोचता था की मै किसी काबिल नही हूॅ, मै अपने आपको काफी छोटा महसुस करता था। मेरी नजरोंमें मेरी खुदकी एहमियत काफी छोटी थी। लेकिन बादमें मैने महसुस किया की कोई भी व्यक्ती अगर पैसा आकर्षित करना चाहता है तो उसे खुदपर हौसला रखना होगा और औरोंके साथसाथ खुदका भी सन्मान करना होगा। उसे अपनी क्षमताओंको बढाना होगा।

अब बात यह आती है की खुदकी क्षमताओंको किस प्रकार बढाया जाए, किस प्रकार अपने आत्मसन्मानको बढाया जाए। इसके लिए मै

आपको एक तरीका बताता हूॅ की आप खुदको माफ करना सिखे। मैने पहले भी इस बातका जिक्र किया है लेकिन फिरभी मै एक बार फिरसें अपनी बात दोहराना चाहूॅगा। जब मै निर्धन था और पैसोंके आकर्षित करनेंके तरीकोको अपने जिवन में अपना रहा था तब मैने इस माफ करनेवाले तरीकोंको काफी गहराईसें समझा और इसने मेरी काफी सहायता की। उस समय मै खुदसें यही कहता था की मै जो भी कर रहा हूॅ वह बिल्कुल सही है। हम जो भी करते है वह ठीकही करते है क्योंकी हम सब अपना अच्छा या बुरा अच्छी तरह समजते है। हम यह समजते है की हम जो भी कर रहे है वह बिल्कुल सही है और हम उससें भी बेहतर कर सकते है। इस प्रकार अपने आत्मसन्मानकों बढानेंसे आप खुदकी क्षमताओंको बढाने लगते है और खुदसें प्यार करने लगते है।

कोई भी व्यक्ती जो पैसा आकर्षित करना चाहता है उसें इतना हौसला रखना होगा की वह सोच सके की वह जो हासिल करना चाहता है वह उसे हासिल

कर सकता है। आप भी खदमें यह हौसला उत्पन्न कर सकते है। लेकिन अगर आपके मन मै किसीभी प्रकारकी नकारात्मक सोच आती है जैसे की आप फिजुल खर्च कर रहे है, या आप पैसे आकर्षित करनेंके काबिल नही है, तो आप इस प्रकारकी सोचको अपने अंदरसें निकाल दे। इसके लिए आप यह सोचें की आपकी इस प्रकारकी सोच आपको क्या दे रही हैघ् जैसाकी मैने आपको पहले बताया था की आपकी इसप्रकारकी सोच आपको अंत में कुछभी नही देती। आपको यह समजना होगा की आप जितने संपन्न बनेंगे आप उतनी ही दुसरोंकी मदद कर सकेगें। जैसाकी मैने आपको पहले बताया था की आप अपनी जरूरतोंको बढाए। जब आप अपनी जरूरतोंको बढाते है तब आप अपने लिए एक ठोस कारण उत्पन्न करते है जो आपको पैसोंकी तरफ आकर्षित करवाता है। आपको यह महसुस करना होगा की आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ती बन सकते है और अपनी दुनियामें बदलाव ला सकते है।

जब भी आप अपने देश के बारें मै सोचते है, गरीबों और बेघर लोगोंके बारेमें सोचते है, उनके प्रति सहानुभुती रखते है और उनकी मदद करना चाहते है तब आप खुदका हौसला बढाने लगते है और अपने आपको आंतरिक तौरपर द्रीड बनाने लगते है। और आपके अंदरकी यही द्रीडता आपको पैसा आकर्षित करनेंमें सहायता करती है, आप खुदका आत्मसन्मान बढाने लगते है, खुदसें प्यार करने लगते है और प्रतिष्ठा पानें लगते है। यही है पहला तरीका की खुदकी क्षमताओंको बढाए, खुदपर विश्वास करे और आप पायेंगे की आप वह सबकुछ हासिल करने लगे है जो भी आप चाहते है।

दूसरा तरीका

दूसरा तरीका है आकर्षणका नियम। आपको यह समजना होगा की जब भी आप किसी वस्तुकों आकर्षित करना चाहते है तो आपको उस वस्तुके प्रति अपने आपको केंद्रित करना होगा। यह मनोविज्ञानका एक साधारणसा नियम है। मतलब अगर आप अपने आपको निंधन या कर्जके बोजके तले दबाहूआ महसुस करते है और अपने आपको इन्ही बातोंपर केंद्रित कर देते है तब आप अपनी गरीबीकों और भी बढाने लगते है।

लेकिन अगर आप पैसेंको आकर्षित करनेकी तरफ अपने ध्यानकों केंद्रित करते है, तब आप खुदकों संपन्न महसुस करते है। जब भी आप कुछ अच्छा सोचते है, अपने भितर खुशी महसुस करते है तब आप आकर्षण के नियम का सही तरीकेंसे इस्तीमाल करते है। और इसी तरीकेके द्वारा आप अपने ध्यानकों केंद्रित करके पैसा आकर्षित करने लगते है।

और यही है दुसरा तरीका की आकर्षणके नियम को समजे।

तीसरा तरीका

तिसरा तरीका है अपनी सोचको व्यवसायिक बनाए। व्यवसायिक सोच बनानेसें मेरा मतलब यह नही की आप अभी अपना खुदका व्यवसाय शुरू कर दे, लेकिन आप इंटरनेट के द्वारा अपना व्यवसाय चला सकते है। आप अपनी कुछ ई बुक, व्हिडीओ और ऑडिओ के प्रोग्राम बनाकर उन्हे इंटरनेट के जरीए बेच सकते है। हर व्यक्ती में कुछ अलग प्रकार की खासियत होती है, जैसेंकी उसका अनुभव, शिक्षा या फिर आदत जो की उसे दुसरोंसे अलग बनाती है। आप में भी ऐसी कोईनाकोई प्रतिभा होगी, जो की आपमें अलग है। आप ऐसी कोई भी वस्तु को एक ज्ञानवर्धक प्रोग्रामके द्वारा बेच सकते है। और यही है तिसरा तरीका की व्यवसायिक सोच अपनाए। आपकी यह सोच आपको एक शक्तीशाली ताकद प्रधान करती है, आपको वह शक्ती प्रधान करती है

जिसके द्वारा आप अपना व्यवसाय शुरू कर सके और अपने जिवन में पैसे पाने के अवसरोंको बढा सके। आपको सिर्फ अपने अंदर की प्रतिभाकों जानना है, अपने नजरीएकों बदलना है और आप पाएगे की आप पैसोंसे काफी करीब होते जा रहे है और आपकी आयके साधन धिरेधिरे बढते जा रहे है।

आगे के भाग में मै आपको इसके बारेंमें और भी जानकारी दुंगा लेकिन अभी के लिए आपको इन तीन तरीकोंको आपने जिवनमें इस्तीमाल करना होगा। इन्ही तरीकोके द्वारा आप अपनी तकलिफोंको दुर कर सकते हो। इन्ही तीन तरीकोंने मुझे अपने हॉ कहने के संकल्पको पुरा करनेमें सहायता की। चलिए, एक बार फिर इन तीन तरीकोंको दौहराते है। पहला तरीका था, अपनी सीमाओंको बढाए, दुसरा आकर्षण के नियम कों समजे और तिसरा व्यवसायिक सोच अपनाए। जब आप इन तीन तरीकोंको अपने जिवनमें इस्तीमाल करनें लगेंगे तब आप पैसोंको अपनी तरफ बहूतही तीव्र गतीसें आता हूआ पाएगें।

प्रकरण ५

अब मै आपको कुछ ऐसी मुलभुत बातोंको बतानें जा रहा हूॅ, ऐसी सोच देने जा रहा हूॅ जो सभी संपन्न व्यक्ती रखते है। जब भी मै किसीभी संपन्न व्यक्तीकों देखता हूॅ तो मुझे उनमें कुछ अलग प्रकारकी विशेषताए नजर आती है। आज मै भी एक संपन्न व्यक्ती हूॅ इसिलिए इन विशेषताओंको अच्छी तरह समज सकता हूॅ। सभी संपन्न व्यक्ती कभीभी कठोर मेहनत करनेंसे नही डरते, उनका इरादा अपने लक्ष्यपर केंद्रित होता है। आप भी यह सबकुछ कर सकते है और मै आपको इस कार्य में सहायता करूंगा। लेकिन उससे पहले मै आपको अपने एक मित्र के बारेंमें बताना चाहूॅगा। वह बहुतही गरीब व्यक्ती था, उसके पास पैसा नही था और उसके सिरपर बहुत ज्यादा उधार हो गया था। उसे कुछ पैसे इकट्ठा करनेंभी काफी परेशानी होती थी। लेकिन कुछ ही समय में उसने अपनी सारी समस्याओंसे छुटकारा पा कर अपने जिवनको पुरी तरह बदल

दिया। उसने भी वही किया जो मै अभी आपसें करनेको कह रहा हूॅ। उसने अपनी किताबे निकाली, अपने प्रोग्रामोंकी सी.डी. बनाई और कई टी.व्ही. शो्ज भी किए। उसका नाम संपन्न लोगोमें आने लगा। वह सिर्फ १५ या ३० मिनिट बोलनेके ही लाखो रूपये लेने लगा। वह यह सबकुछ करनमें सफल हूॅवा क्योंकि उसने भी उन्ही विशेषताओंको अपनाया जो संपन्न व्यक्ती रखते है। उसने यह सब पानेंके लिए कठोर परिश्रम किया था, उसने अपनी आशा नही छोडी थी और आपने मन को द्रीड बनाया था और इसीके द्वारा उसने अपने जिवनमें संपन्नताकी उचॉईया हासिल की।

आप भी अपने भितर इन विशेषताओंको अपना सकते है, अपने आपको द्रीड बना सकते है और इसके लिए आपको सिर्फ अपने भितर संकल्प लेना होगा और अपने मनकों द्रीड बनाना होगा। इसके बारेंमें मै आगे आपको और भी बताउंगा।

दुसरी विशेषताए निर्भयता। इसी विशेषता के द्वारा आज वे सब लोग संपन्न है जिन्हे हम देखते है। इसी विशेषताए कई महान लोगों और बडे व्यापारीओंको उभारा और हमारे सामने रखा। यह विशेषता है की वे लोग भीड की तरफ कभी अपना ध्यान नही देते, वे सिर्फ अपने भितर देखते है। उनके अंदर एक सुचकसा होता है जो उन्हे सही राहपर चलनेकी और प्रेरित करता है और उन्हे आगे बढनेमें सहायता करता है। आप भी यह सब कर सकते है। आप भी अपने जिवन में कामयाबी और संपन्नता हासिल कर सकते है। इसकें लिए मै आपको एक तरीका बताता हूॅ की आप सबसें पहले अपने डरकों अपनें अंदर सें बाहर निकाल दो। और लोगोंसे हटकर कार्य करे। उदाहरण के लिए अगर लोग किसी स्थानपर पैसा लगानेंसे डरते है तो आप उस स्थानपर अपने आपकों केंद्रित करे और यह सोचे की किस प्रकार आप उसमेंसे पैसा बना सकते है। और जब आप अपने डरकों दुर करके इस प्रकार के स्थानोंसे पैसोको बनाना सिख जाएगें तब आप बहुतही आसानीसें अपने आपको अपने लक्ष्य की

तरफ केंद्रित करने लगेगें और अपने जिवन में पैसोको आकर्षित कर पाएगें।

तिसरी विशेषता है अपने मनकों केंद्रित करे। हर संपन्न व्यक्ती सिर्फ परिणामकोंही महत्व देता है। वह हर समय अपने आपको बेहतर बनाने का प्रयास करता है। एक स्वाभाविकसी बात है के अपनी संपन्नताकी उॅचाई पानेके लिए अपने आपको अपने लक्ष्यकी तरफ केंद्रित करना बहुतही आवश्यक है।

हम किसीकी भी बात करें, किसी भी प्रतिष्ठित व्यक्तीकी तों हम पाएगें की उसमें परिश्रम, निडरता और अपने आपको केंद्रित करनेकी क्षमता होतीही है। आप भी यह तिनों विशेषताए अपने भितर उत्पन्न कर सकते है। चलिए, अब मै आपको बताता हुॅ की आप किस प्रकार इन विशेषताओंको अपने जिवन में अपना सकते है। अगर आप सोचते है की आप सुपरमॅन है तो आप उसकी शक्तीओंको अपने भितर महसुस करने लगते है। मेरा कहनेका मतलब है की आप अपने आपकों किसी बडे और संपन्न

व्यक्तीकी तरह महसुस करे, इससे होगा यही की जब आप उनही तरह महसुस करेंगे तब आप उनकी विशेषताओंकों भी अपने भितर महसुस करेंगे। आप यह महसुस करेंगें आप भी एक संपन्न व्यक्ती है, आप भी उन्हीके प्रकार सोचने और कार्य करने लगते है। और धिरेधिरे आप पाएगें की, आप भी उनहीकी तरह पैसोंको आकर्षित करने लगे है। मेरी बात का मतलब यह नही है की आप उनकी नकल करने लगे, मै आपसे कहना चाहता हूॅ की आप उनके गुणोंको अपनाए जिनके कारण वे लोग आज संपन्न है।

आप जब भी किसी संपन्न व्यक्तीकों देखते है तब आपके मन मै क्या खयाल आता है। आपको उनके भितर क्या पसंद है, वे किस प्रकार पैसोंको आकर्षित कर पाते है। आप इन सब बातोंको समझे और उन्हे कहीपर लिख ले या फिर याद कर ले। और धिरेधिरे इन बातोंकों अपने जिवनमें इस्तीमाल करनेका प्रयास करे, और उन सब वस्तुओंको पाने की कोशिश करे जो आप चाहते है।

जब भी आप सोचते है की आप एक प्रतिष्टित व्यक्ती है तब आप कैसा महसुस करते है। आप अपनी इस एहसास को कही लिख ले या फिर अगर आप अभी गाडी चला रहे है तो उसे याद कर ले। जैसेजैसे आप इन सब वस्तुओंकों इस्तमाल करने लगेंगे तब धिरेधिरे आप पाएगें यह आपके जिवन का हिस्सा बन रही है। धिरेधिरे आप भी उन संपन्न लोगोंकी तरह सोचने लगे है। जब आप अपने आपको दृीड, निडर और अपने आपको लक्ष्यपर केंद्रित करने लगेंगे तब आप पाएगे की ऐसी कोईभी वस्तु नही है, जो आप नही कर सकते। आपको सिर्फ सह एहसास करना है की आप एक संपन्न व्यक्ती है। कुछही समयमें आप पाएगे की आप भी उसी संपन्न व्यक्तीकी तरह पैसोंको आकर्षित करने लगे है और जल्दही आपभी एक संपन्न व्यक्ती बन जाएगें।

प्रकरण ६.

इस किताब की माध्यमसें मै आपको आपकी सोच से अवगत कराना चाहता हूॅ। आपको याद होगा मैने आपसे ‘‘यही होगा’’ के बारे में कहा था। आज जब इस खेलको खेलने लगते है तब आप पैसोंको अपनी तरफ आकर्षित करने लगते है। अगर आप किसी वस्तुकों पाना चाहते है तो आपको उसकी चाहत रखनी होगी, उसकी जरूरत महसुस करनी होगी। अगर आप कुछ बुरा होने की सोच रखते है या फिर सोचते है की आप जो भी कर रहे है उसमें असफल हो जाएगें तो आप अपनी असफलता को अपनी चाहतके द्वारा अपनी और आकर्षित कर सकते है। जब भी आप अखबार पढते है, न्युज देखते है या फिर कई लोगोंसे बात करते है, जिनमें आप कई सारी नकारात्मक वस्तुओंको पढते या सुनते है, तब आप अपने भितर कई सारी नकारात्मक सोच को उत्पन्न कर लेते है। आपको बस इसप्रकार की नकारात्मक वस्तुओंसे दुर रहना है और सकारात्मक सोचको अपने भितर विकसित

करना है। जब भी आप सकारात्मक सोचसे कुछ कार्य करते है तो आपके भितर सफल होने की भावना बढती जाती है और आप पैसोंको आकर्षित करने लगते है।

जब भी आप सकारात्मक सोच रखते है तब आप अपने आपको यह समजाने लगते है की आप सफलता प्राप्त कर सकते है। और इससे आपका दिमाग सफलता प्राप्त करनेके लिए नईनई राहे तलाशने लगता है। आप जो भी सोचते है, आपके जिवन में वही होता है। अगर आप सोचते है की आपके पास काफी सारा पैसा आ जाए तो आप पैसेंको पाने के लिए उसी दिशामें आगे बढने लगते है और धिरेधिरे आपके भितरसें सारी नकारात्मक शक्तीया खत्म होने लगती है और उसकी जगहपर सकारात्मक शक्ती विकसित होने लगती है। यही आपके भितरका, आपकी सोचका सबसे बडा परिविर्तन है। आप अपनी सोचको इस प्रकार विकसित कर सकते है की आप यह महसुस करे की आप पैसा आकर्षित कर सकते है। पहले जब

आप पैसोंके बारे में सोचते थे तो काफी चिंतापुर्वक कहते थे की आपके पास पैसा कहा से आयेगा? अब उसीके स्थानपर अब आप उत्साहपुर्वक यह सोचते है की आपके पास पैसा कहासे आयेगा?

आप अगर सोचते है की आप पैसा किसप्रकार आकर्षित कर सकते है तो आप यह खुदसे यह जरूर कहते है की आपके पास पैसा आएगा जरूर। यह बात बिल्कुल उस तरह है की जब भी आप कोई नयी गाडी खरीदने जाते है तब आप शो रूममें कई सारी अलगअलग प्रकारकी गाडीओंको देखते है। आपको जो गाडी पसंद आती है वह आपको लगता है की बाजार में और किसीकें पास नही है और यही सोचकर आप वह गाडी खरीद लेते है। लेकिन जब आप उस गाडीको लेकर बाहर निकलते है तब आप पाते है की हर जगह आपको उसी मॉडेलकी गाडीया नजर आने लगी है, जो आप अभी खरीदकर लाए है। मुझे याद है जब मै अपनी पहली गाडी खरीदने गया था तब मैने भी अपनी गाडी यही सोचकर ली थी की इस मॉडेल

की गाडी मैने बजारमें नही देखी है और यह किसीके पास नही है। जब मै उस गाडीको शोरूम यें लेकर घर जा रहा था तब मुझे सडकपर हर जगह वही मॉडेलकी गाडीया दिख रही थी जो मै उस समय खरीदकर लाया था। बल्कि वह गाडी मुझे आज भी कई जगह सडकोंपर दिख जाती है। इसप्रकार के अनुभवकों आपने भी कईबार महसुस किया होगा। ऐसा क्युॅ होता है‍ क्योंकि अब आपका दिमाग उस गाडीको देखनेकी इच्छा रखता है। जिसप्रकार मैने जब मेरी गाडीको खरीदा था तब वह मुझे बहुतही पसंद थी इसिलिए मेरा दिमाग हर जगह उस गाडीकी तरफ केंद्रित होता जा रहा था और मुझे हर जगह वही गाडी नजर आ रही थी।

आप यह प्रयोग पैसोंके साथ कर सकते है। इसके लिए आपको पैसे आकर्षित करनेकी इच्छा रखनी होगी। आपको हर जगह ऐसे मौकोंकी तलाश करनी होगी, जिससे की आप पैसोंको आकर्षित कर सकते है। इसके बाद आप जब भी न्युज पेपर पढेंगे, टी. व्ही. देखेंगे या फिर कोई किताब पढेंगे तो आपको

हर जगह पैसे कमाने के लिए रास्ते नजर आने लगेंगे। आपको बस यह आशा करनी है की आपभी आसानीसें पैसे आकर्षित कर सकतें है।

चलिए, मै आपको एक कहानी सुनाता हूॅ। यह कहानी आपको यह बतायेंगी की आप किस प्रकार किसी समस्यासें पैसा आकर्षित करनेंका मौका उप्तन्न कर सकते है। यह कहानी मेरे मित्र के मित्र की है। वह एक बॉडी बिल्डर था। मै अपने मित्र के साथ कई बार उसकी बॉडी बिल्डींग कॉम्पीटिशन देखने जाया करता था। वह अपने आपकों काफी चुस्त रखता था। मेरे मित्रने मुझे उसकें बारे में एक बात बताई थी की जब भी वह लोग शराब(मार्गरिटा) पिने जाते थे तब उसका वह बॉडी बिल्डर दोस्त सिर्फ पानी पिया करता था। वह सब लोग उसका मजाक उडाया करते थे। लेकिन वह कहता था की मार्गरिटा में काफी सारी कॅलरिज होती है। और वह कॅलरिज नही ले सकता। इस पर मेरा मित्र उससे कहता था

की तुम्हारे लिए बिना कॅलरिजकी मार्गरिटा बनवानी पडेगी।

जब मेरे मित्रनें मुझे इस बात के बारे में बताया तब मुझे इस बात का एहसास हूॅआ की कई सारे ऐसे लोग होंगे जो ऐसी सोच रखते होंगे, जो अधिक कॅलरिजके कारण मार्गरिटा नही पितें होंगे। मैने अपने दोस्तसें कहा की वह ही क्युॅ बिना कॅलरिजकी मार्गरिटा बनाकर बेचता। मै भी यह कर सकता था परंतु उस समय मै अपने किताबों, ऑडीओ और व्हिडीओं कें प्रोग्राम बनाने में काफी ज्यादा व्यस्त था। मैने यह अपने दोस्तसें करने के लिए कहा। उसने अगले ही दिन एक डायटिशन से मुलाकात की और उसके साथ मिलकर बिना कॅलरिज का मार्गरिटा बनाया जो की जल्दही काफी मशहुर हो गया और जिसके द्वारा मेरे मित्रनें काफी सारी पैसें बनाए।

आप भी इसीप्रकार कई प्रकारकें समस्याओंसे भी अपने पैसे कमाने के अवसरोंको उत्पन्न कर सकते

है। जब भी आप किसी समस्याकों अपने निकट पाये तो आप यही सोचे की आप इससें कुछ प्रकार फायदा उठा सके। हो सकता है की आप भी ऐंसीही किसी समस्यासें पैसा कमानें का रास्ता खोज सके और मेंरे मित्र के तरह बहुत सारा पैसा कमा सके और संपन्न और धनवान व्यक्ती बन सके।

इस भाग में आपनें बहुतसारी बातें जानी। आपने पैसोकों आकर्षित करनें के ९ रहस्योंके बारें में जानकारी प्राप्त की, पैसोंको आकर्षित करनें के नए दृष्टीकोन को समझा। ंयह सिखा की किस प्रकार अपनी सोचको बढाया जाए और किसप्रकार अपने मन सें सारी नकारात्मक शक्तीओंको दुर किया जाए। आप अपनी अभ्यास पुस्तिकाके द्वारा इन सब बातोंकों और भी अच्छी तरहसें समज सकते है। आप जब भी इस सी.डी.कों फिरसें सुनेंगें तब आप इसे और भी अच्छी तरह समज पायेंगे और खुदको पैसा आकर्षित करने योग्य बना सकेंगे। हो सकता है की अगला ही पल आपके जिवन में नई रौशनी

लेकर आए और आप बहुत सारे पैसोंको आकर्षित कर पाए।

प्रकरण ७

आपका पैसोंको आकर्षित करनेके रहस्य के सातवे प्रकरण में आपका स्वागत करता हूॅ। इस प्रकरण में मै आप लोगोंके पैसो लेकर कई सारे अंधविश्वासोंको दुर करूॅंगा। हमारे समाज में कई प्रकार के सांस्कृतिक और सामाजिक अंधविश्वास है जो हमे पैसोंको आकर्षित करनेमें बाधा उत्पन्न करते है। तो आईए, मै आपको बताता हूॅ की किसप्रकार आप इसप्रकार कें अंधविश्वासों सें मुक्ती पा सकते है।

अधिंक्तर लोग यह सोचते है की यह दुनिया एक बढी आर्धिक मंदीसें गुजर रही है और हम बॅकों, स्टॉक मार्केंट और कई सारे आर्थिक संस्थाओं की दया पर जी रहे है। सबसें पहले मै चाहता हूॅ की आप इसप्रकार की मनगनंद बातोंपर विश्वास ना करे और इसपर किसीभी प्रकार की प्रतिक्रिया ना करे। मैने आपको जागृता कें ४ तरीकोंके बारेंमें पिछले भागों में बताया था लेकिन मै अभी आपको उनमेंसें

दो तरीकोंके बारें में विस्तार सें बताना चाहूॅगा। मै आपको बाकी के २ तरीकोंके बारे भी बताउंगा लेकिन कुछ देर बाद।

पहला तरीका है की अपने आपको दुखी ना समझे। अधिंक्तर लोग दुनिया में चल रहे हालात पर अपनी प्रतिक्रिया देते रहते है और खुदको दुखी समजते है। अगर आपने स्टॉक मार्केटमें पैसा लगाया है तो उसके गिरनेपर आप दुखी हो जाते है। आप कुछ भी अच्छी वस्तुकों या हालातको देखते है तो उसमें अपने संभावना तलाशने लगते है। लेकिन आपके आसपास जो कुछ भी अच्छा होता है वह आपके दुखी मनसें नही आता। बल्कि आपके दृीड सोचसें आता है और यही सोच आपको पैसा आकर्षित करनमें सहायता करती है। जबभी आप अपने मनकों दृीड समजते है तब आप अपने दुखसें दुर होते जाते है। आपको यह देखना है की आप समाचार सुनते वक्त क्या महसुस करते है। आप जब भी स्टॉक मार्केटकी खबर सुनते है उस समय क्या आप खबरा जाते है या फिर अपने मनको दृीड महसुस करते है।

जब भी आप दुनियाकी स्थितीको देखते है तब क्या आप समझ पाते है की आप क्या चाहते है‍ अगर आप नही समज पाते तो आप अपने जिवनमें एक अंधे रास्तेपर आगे बढने लगते है। लेकिन अगर आप अपने मनको दृीड कर लेते है तब आप संभावना तलाश करने लगते है और आपको पैसे आकर्षित करनेके विकल्प नजर आने लगते है।

आपको सिर्फ इस दुनियाकी हालातसें अपना रिश्ता तोड लेना है। आपको उस बातपर कोई प्रतिक्रिया नही देनी जो आपको मिडीयाके द्वारा पता चली है। क्योंकि मिडीया आपको कभीभी सच्चाई नही बताता। आपको सिर्फ अपने मनकी सुननी है क्योंकि यही आपको सही राह दिखाएगा, जिससे की आप पैसोंको आकर्षित कर सके।

अध्याय १

दुसरा तरीका है की आप अपनी पैसोंको लेकर भ्रम को दुर करे। आप यह सोचते है की अगर आप सफलता प्राप्त करने लगेंगे तो आपको किसी और की सफलतामें बाधा उत्पन्न करनी होगी, तो इस प्रकारकी सोचसें ना ही आप सफल हो सकते है और ना ही आप किसीकी सहायता कर सकते है। यह एक बडा भ्रम है दुनिया में, जो आपको सफलता प्राप्त करनेंसे रोकता है और आपको पैसा आकर्षित करनेमें बाधा उत्पन्न करता है।

मैने यह महसुस किया है की मै जितना सफल होता जाता हुॅ, जितना पैसा कमाता हुॅ उतनीही में दसरोंकी सहायता का सकता हॅू। जैसेकी इस वक्त मै इस किताबको रिकॉर्ड करते हूए मै आपने आपको काफी खुश महसुस कर रहा हॅू क्योंकि मै ऐसा कुछ कर रहा हुॅ जिससे आपको फायदा हो सके। मेरे कहनेका अर्थ यही है की आप जितना संपन्न होते जाते है उतनीही आप औरोंको संपन्न बनानेमें सहायता कर

सकते है। आप जितने पैसे कमाते है उतनाही आप उन्हे खर्च करनेके विकल्प खोजते जाते है। और उन पैसोंके द्वारा आप अपने परिवार, मित्र, समाज और इस दुनियाकी सहायता कर सकते है। जब आप इसप्रकार करनें लगेंगे तब आप पाऐंगे की पैसा सुख हासिल करनेका बहुतही अच्छा तरीका है। वैसे तो पैसा एक कागज का टुकडा या एक सिक्का ही है लेकिन अगर उसे सावधानीपुर्वक इस्तीमाल किया जाए तो वह इस दुनियामें हर किसीकी सहायता कर सकता है। अगर आप असी प्रकार सोचते है तो आप आसानीसें पैसोंको अपनी तरफ आकर्षित कर सकते है।

अध्याय २

अगला तरीका यह है की आपको अपने मनसें इस भ्रम को दुर करना होगा की पैसा एक बुरी चीज है, यह इन्सानको लालची बना देती है और जो आपके जिवनको नर्क बना सकती है। आपने अपने मनमें पैसोको लेकर यही सोच बना रखी है क्योंकि आजतक आपने जितनेभी संपन्न लोगोंको देखा है उन्हमें घमंड और लालचको प्रचुर मात्रामें पाया है। लेकिन आपको उन लोगोंके बारें में सोचना चाहिए जो संपन्न होनेके बावजुदभी तनिकभर घमंडी या लालची नही है। हमारी इस सोचके कारण पैसोंको अच्छा या बुरा मानते है। इस कार्यक्रममें इस बातको मैने कई बार कहा है क्योंकी यह एक बहुतही जरूरी बात है। आपको यह समजना होगा की आपके पास जितना पैसा होगा आप उतनीही लोगोंकी सहायता कर सकेंगे। आपको अपनें मन में इस बातकों दृीडता पुर्वक अपनाना होगा की पैसा बुरी चीज नही है बल्कि बहुतही अद्भुत है

और यही सोच आपको पैसा आकर्षित करवा सकती है।

अध्याय ३

अगला तरीका यह है की आप सिर्फ उस वस्तुकी कल्पना ना करे जिसे आप पाना चाहते है। बल्की उसे पानेंके लिए यथासंभव प्रयास भी करे। अगर आप यह सोचते है के सिर्फ उसकी कल्पना करनेंभर सें आप उस वस्तुकों पा लेंगे तो यह आपका सिर्फ एक भ्रम है।

मुझे कई बार इस बातपर हसी जरूर आती है क्योंकी हर कोई जानता है की सिर्फ सोचनेसें कुछ भी नही होता। मै मानता हूॅ की मैने आपको पिछले भागोंमें कल्पना करनेंके बारेमें बताया था। मैन आपसें कहा था की आप जो कुछ भी चाहते है उसके लिए कल्पना करे की आप उसे पा चुके है। लेकिन आपको पैसा आकर्षित करनें के लिए इसके आगेके तरीकों को भी अपनाना होगा। आपको अपनी उस वस्तुको पानेके लिए हर संभव प्रयास करने होंगे। आपको अपनी सोची हुई वस्तुपर तुरंत ही कार्य करना होगा। दुसरे शब्दोंमें कहु तो सिर्फ बैठकर

कल्पना करेंनेंसे आपको कुछ नही मिलेगा। आपको उसके पिछे कार्य करनाही होगा।

जैसाकी मैने आपसे पहले कहा था की आप अपने मन सें पैसोंको पानेमें आनीवाली रूकावटो और कठीनाईयों के डरको दुर करे। आपको अपने लक्ष्य की कल्पना करनी है लेकिन अपनी कल्पनाकों पुरा करनें के लिए हर संभव प्रयास भी करना है, आपको आगेके चरणोंको पुरी इमानदारीसें पुरा करना है। जबभी आप अपनी सफलताकी कल्पना करते है तब आप अपनी क्षमताओंको बढाते है। और आपकी यही क्षमता आपको वह शक्ती देती है जिससे आप अपनी मनचाही वस्तुकों हासिल कर सकते है। आपको इस बातकों समजना होगा की आकर्षण का सिद्धांत और कर्म कर सिद्धांत दोनो एकदुसरेके पुरक है। और दोनो एक साथही कार्य करते है।

इसिलिए जो भी लोग यह सोचते है की सिर्फ कल्पना करनेंसे आप पैसोंको अपनी तरफ आकर्षित

कर सकेंगे तो यह जान लिजिए की यह एक बकवास सें ज्यादा कुछ भी नही है। आपको कल्पना करनेंके बाद उसे पानेंका पुरा प्रयास भी करना होगा। यह सच है की कल्पना करनेंके द्वारा आप अपनी मनचाही वस्तुके निकट हो जाते है लेकिन उसे पाने के लिए आपको कर्म अवश्यही करना पडेगा। यही तरीका है पैसोंको आकर्षित करके संपन्न व्यक्ती बनने का।

अध्याय ४

अगला तरीका है की अपने मनसें इस भ्रम को हटा दे की जो भी महिलाए बाहर काम करती है वह अपने परिवारके लिए समय नही निकाल पाती और उनका खयाल नही रख पाती है। अगर कोई ऐसा सोचता है तो यह बिल्कुल व्यर्थ बात है। जो भी महिलाए अपने मनकों दृीड बना लेती है वे आसानीसें अधिक पैसा और समय निकाल पाती है जिससे की वे अपनी वैवाहिक और व्यावसायिक जिवनमें आसानीसें तालमेल बैठानें में सक्षम हो पाती है।

यह बात अपेक्षाकी सिद्धांत को व्यक्त करती है। अगर आप ऐसी महिला है जो अपेक्षा करती है की वह भी बाहर कार्य करे और पैसा कमाए किंतु ऐसा करनेसें डरती है। क्योंकि आप सोचती है की इससे आप अपने परिवारकी देखभाल नही कर पाएगी और अपने वैवाहिक और व्यवसायिक जिवन में तालमेल नही बिठा पाऐंगी, तो आपकी इसप्रकार की सोच

आपको अपने आसपास ऐसी कई सारी महिलाओंके उदाहरणंको दिखाएगी जो अपने परिवारकी देखभाल नही कर पाती। लेकिन अगर आप यह सोचे की महिलाए अपने मनको दृीड बनाकर बाहर काम करते हुए भी अपने परिवारको आसानीसें समय दे पाती है और अपने जिवनमें अच्दा तालमेल बनानेंमें सक्षम हो पाती है तो आप अपने आसपास ऐसी कई महिलाओंको देख पाऐंगे जो बाहर काम करनेंके बावजुदभी आसानीसें अपने परिवारको समय दे पाती है और काफी सुखी है। आप जिसबातपर विश्वास करते है उसीको आप बारबार अपने आसपास पाते है। आप जो भी देखते है वह आपकी सोचकाही प्रतिरूप होता है। आप जो भी चाहते है उसपर अपने मनकों केंद्रित करे तो आप पाऐंगे की आप उसे भितर महसुस कर रहे है। अगर आप अपने मनको दृीड बना पायेंगी तो आप इस दुनियाके लिए प्रेरणा स्त्रोत बन सकती है।

यही बात पुरूषोंके लिए भी लागू होती है की वे भी बाहर काम करनेंके कारण अपने परिवारको समय

नही दे पाते तो आपको अपनी सोचको बदलना होगा। आपको अपने अंदर उन लोगोंको महसुस करना होगा जो बाहर काम करनेंके बावजुद भी अपने जिवनकों आसानीसें संतुलित कर पाते है और जो आज सुखी है। इसीप्रकार एक नयी सोच अपनानेसे आप इसप्रकार के भ्रमसें मुक्ती पा सकते है और पैसोको आकर्षित कर सकते है।

अध्याय ५

अगला तरीका यह है की आपको अपनी सोचको बदलना होगा की आप कोई वस्तु नही पा सकते या आप अपने किसी कार्य में असफल हो जाऐंगे। अगर आप सोचते है की आप अपना विकास करनेंमें, पैसा आकर्षित करनेंमें, कुछ नया करनेंके लिए पर्याप्त समय निकालनेमें, अपने पारिवारीक जिवनको सुखमय बनानेंमें या इसप्रकार की कई वस्तुए करनेमें असफल हो जाएगे तो आपको यह समजना होगा की इस प्रकारकी सोचसें आप खुदही अपने आपको असफलता की और धकेल रहे है। यह एक दुखी मनका ही उदाहरण है। अगर आप सोचते है की आप किसीभी कार्य में असफल हो जाऐंगे तो यह एक दुखी मनकीही निशानी है। इस प्रकारके लोग कुछ प्रयास करतेही नही है। या फिर जिन्हानें प्रयास किया होता है वे दोबारा प्रयास करनेंसे डरते है। जिवन में सफलता प्राप्त करनेंके लिए आपका एकही बार कोशिश करना पर्याप्त नही है बल्की आपको बारबार कोशिश करते रहना है।

मेरे साथ भी कईबार व्यवसायमें कई उतार—चढाव आए, मेरी कई पुस्तकों और प्रोग्रामोंने मुझे वह फल नही दिया जिसकी में अपेक्षा करता था लेकिन इससे मैने हार नही मानी और कुछ नया करनेका प्रयास किया। जब मै निर्धन था तब मै भी यही सोचता था की मै जो कुछ भी करूंगा उसमें मै असफल हो जाउंगा, मै अपना घर, पैसा नही बना पाउंगा क्योंकि अगर मैने ऐसा कुछ करनेकी कोशिक की तो मै असफल हो जाउंगा। लेकिन धिरेधिरे मैने अपने सोचको बदला और यह विश्वास करना शुरू किया की मै जो कुछ भी करूंगा उसमें मै जरूर सफल हो जाउंगा। अगर मै ऐसा ना सोचता तो आप अभी मुझे नही सुन रहे होते। यहापर आपके पास विकल्प है की आप क्या चाहते है।

आप अपनेआपको दुखी समजना छोड दे। आप अपने मनको द्रीड बनाए। और यह समझे की आप जो कुछ भी चाहते है आप उसे हासिल कर सकते है। खुदपर विश्वास करना सिखे, कलपर विश्वास

करे। उस कामपर विश्वास करे जो आप कर रहे है। उन बातोंपर विश्वास करे जो इस किताबके द्वारा मै आपको बता रहा हूॅ और यही तरीका है पैसे आकर्षित करनेका।

अध्याय ६

अगला तरीका यह है की आपको अपने मनसें इस भ्रम को निकालना होगा, इस दुनियाको हमने खुस्से और नफरतसे विकसित किया है। आपको ऐसा महसुस करना छोडना होगा की यह कुदरत, मौसम और आपकी आर्थिक परिस्थिती आपके खिलाफ है। इस दुनियाको नफरतसे बनाया गया है। और इसिलिए यह आर्थिक परिस्थितीसे गुजर रही है। अगर आप इसप्रकार सोचते है तो आपको यह समजना होगा की यह सोच सिर्फ एक दुखी मनकी ही हो सकती है। दरसल आपको यह समजना होगा की हकीकत कुछ और है। जब आप अपनी इस सोचको बदलते है तो आप अपने सशक्त मनसे या दृीड निश्चयसे आगे बढने लगते है और इस प्रकार आगे बढनेसे आप आसानीसे समृद्धी पा सकते है। इसिलिए आपको अपनी सोचको नयी राह देनी होगी और यह समजना होगा की हम जिस विश्वका निर्माण कर रहे है उसे हम आसानीसे नही समज

सकते क्योंकी वह दिन प्रतिदिन तरक्की की ओर बढ रहे है।

जब आप यह सोचते है की आप और आपके आसपासका हर व्यक्ती आर्थिक तौरपर सुरक्षित है, हर व्यक्ती अपनी मनचाही वस्तु कर सकता है, अपने हिस्से की खुशीको पा सकता है तो पाएगें की आप जैसा सोचते है वैसाही आप अपने आसपास पाते है। आपको अपने आसपास सभी ऐसे व्यक्ती पाएगें जो अपने जिवनमें खुश है और आप भी खुशीया हासिल करने लगेगें। जब भी आप किसी कार्य को दृीड निश्चयसें पुरा करनेकी कोशिश करेंगे तब आप उसे आसानीसें पुरा कर पायेंगे और यह महसुस करेंगे की इस दुनियाकी तरक्की में आपका भी हाथ है। यह दुनिया जो खुशियोंपर आधारित है, जो संपन्न लोगोसें भरी है, जो सुखी लोगोसे भरी है और जहॉ बेपनाह प्यार है।

जो भी मैने अभी आपको बताया, आप उन सब बातोंको सच्चाईमें परिवर्तीत कर सकते है अगर आप

अपने डरको अपनेसे दुर कर दे। मैने अभी आपको जितने भ्रमोसे दुर रहने के लिए कहा उनमें एक बात समान थी की सभीमें आपको अपने डरसें मुक्त होना होगा। अगर आप सभी भ्रमोका अवलोकन करेंगे तो पाएगें की इन सबसे छुटकारा पानेका एकही तरीका है की और वह है दृीड निश्चय और विश्वास। आप इस बात को निश्चित कर सकते है की आप क्या चाहते है‍ क्या आप डरडरकर जिना चाहते है याफिर खुदपर विश्वास करके अपने डरको दुर करना चाहते है। आपको यह निश्चित करना होगा की आप किस चीजपर विश्वास करते है, मिडीया द्वारा बताई गयी बेमतलब की नकारात्मक बातोंपर या फिर खुदपर।

अगर आप अपने मनसें सारे डरको दुर करके, सारे भ्रमोसे मुक्त होकर इस दुनियाको आगे बढायेंगे तो आप पाएगें की यह स्वर्ग के समान बन गयी है। आप, मै और हम सब मिलकर इस दुनियाको एक ऐसे संगितकी तरह बना सकते है जिसे सुनकर सब मुग्ध हो जाए। और यही है वह

तरीका जिससे की आप धनवान व्यक्तीमें परिवर्तीत हो सकते है।

प्रकरण ८

इस प्रकरण में मै आपको एक ऐसी पद्धती बताने जा रहा हुॅ जिसके द्वारा आप अपने अंर्तमनको जागरूक कर सकेंगे। इस भाग में मै आपको पैसोंको लेकर दो अलगअलग प्रकारके दृष्टिकोनसें रूबरू कराउंगा।

पहला दृष्टिकोनको समजाने के लिए मै आपको पैसोंकी आत्मकथा बताना चाहूंगा।   तो चलिए, सबसे पहले आप यह सोचे की आपने पैसोंके बारे में जानकारी कहासें प्राप्त की। जैसेकी अगर मै अपने बारें में बताउ तो मै जहा बडा हुआ वहा पहलीबार मैने पैसोंके बारेमें जानकारी प्राप्त की थी। मैने यह जाना था की मेरेपरिवार के पास पर्याप्त पैसा नही है। मैने हर रोज अपने मॉ—बापको पैसोंके लिए लडते देखा है। मैने यह जाना की पैसे पेडपर नही उगते और मेरा परिवार पैसोंके लिए काफी व्याकुल है। मेरे पिता कई बार यह देखते की कही

हम अधिक तो नही खा रहे है या फिर अधिक ट्युथपेस्ट तो इस्तमाल नही कर है। और जरासी भी फिजुल खर्चपर मेरी माॅ से लडते रहते थे। मै यही सब देखते हुवे बडा हुआ था और पैसोंको लेकर इन्ही सब सोचको अपने मनमें दबा दिया था। अगर आपभी मेरी ही तरह अपनी पैसोंको लेकर सोचको लिख लेंगे तो आप यह समझ पायेंगे की आप पैसोंके बारे में जानकारी रखते है। हो सकता है की हमारी सोच कुछ हदतक समान हो जैसेकी हम दोनाही यह सोचते हो की पैसे पेडपर नही उगते। हो सकता है की आप भी यही पाए की आप सोचते है की आपके पास पर्याप्त पैसे नही है। आप भी यही सोचते होंगे की पैसे पानेके लिऐ बहुत महनत करनी पडती है। जब भी आपके पास पैसा आता है तो वह आपके जरूरत के हिसाब से काफी कमाता है। और यही है मेरी और आपकी पैसोंकी आत्मकथा।

मै चाहता हूॅ की आप इस आत्मकथा को अपनी पुस्तिका में लिख ले, या फिर इसे याद कर ले। जिससे की आप अपनी सोचको समज सके क्योंकि

आपकी सोच ही है जो आपको पैसोंसे आकर्षित या विकसित करवाती है। इस किताब के माध्यमसे आपने यह समजही लिया होगा की आप अपनी सोच को बदल सकते है। जब आप यह पता कर लेंगे की वास्तवमें आप क्या सोचते है तो आपको अपनी सोचको बदलने मे काफी आसानी होगी। मै चाहता हुॅ की आप अपने मनसें पैसोंको लेकर सारे अंधविश्वासोंको दुर कर दे, जिससेकी आपके जिवनमें पैसा आसानीसें आ सके। इसिलिए आप जितनी जल्दी हो सके अपनी पैसोकी आत्मकथाको लिख ले।

आईए अब पिछले प्रकरण कें दुसरे दृष्टिकोनको देखते है। अब मै चाहता हुॅ की आप कहीपर अपनी बिल्कुल नयी पैसोंकी आत्मकथा लिखे। आप फिरसें इसी बात कों लिखे की आपने पैसोंकी बारेमें जानकारी कहा सें प्राप्त की। जैसेंकी मेरी कहानी में मेरे पिता अपनी नई सोचके कारण आसानी से पैसा बना लेते थे। वे अपने कामके द्वारा और अपनी

आयके दुसरे साधनोंके द्वारा आसानीसे पैसोको आकर्षित कर पाते थे। मैने यह जाना था की मेरे आसपास हर एकके पास पैसा है, मित्रोंके पास मेरे रिश्तेदारोंके पास, इस समाज के पास और सभीके पास उनकी आवश्यकतानुसार पैसा है।

आपको अपने लिए भी इसीप्रकार पैसोंकी एक नयी आत्मकथा लिखनी है। आपको यह समजना होगा की अगर आपमें हौसला है तो आप पैसोंको पेडपर भी उगा सकते है, पैसा पाना कोई मुश्कील काम नही है। मैने यह जाना था की जब भी मुझे पैसोंकी आवश्यकता थी उस हर पल में पैसा मेरे पास था। जब भी मुझे कोई किताब पैसा या कोईभी वस्तु खरीदनी थी याफिर कही बाहर जाना था तब मेरे पास पर्याप्त पैसा था। बचपनसें ही मेरा रिश्ता पैसोंसे काफी अच्छा रहा है।

आप भी मेरीही तरह पैसोंसे गहरा रिश्ता बना सकते है। इसके सिर्फ आपको यह समजना होगा की पैसा आपसे प्यार करता है और आप पैसोंसे। जिसप्रकार

मैने अपनी पैसोंकी आत्मकथाको बदला उसीप्रकार मै चाहता हॅू की आप भी अपनी पैसोंकी आत्मकथाको दोबारा लिखे।

अगर आपनें कुछ गौर किया हो तो आपने पाया होगा की जब मै अपनी पैसोंकी पुरानी आत्मकथा आपको सुना रहा था तब मेरी आवाज आपको थोडीसी दबी हुई या सेहमी हुईसी लग रही होगी। क्योंकी उसे सुनाते वक्त थोडीसी निराशा मेरे अंदर भी आ गयी थी, मै उस दुखको फिरसे अनुभव करने लगा था। लेकिन जब मैने अपनी पैसोंकी नयी आत्मकथा आपको सुनाई तब आपने महसुस किया होगी की मेरी आवाज में एक शक्तीसी आने लगी थी। मै इस आत्मकथाकों सुनाते वक्त काफी सुखी महसुस कर रहा था क्योंकि मै अपने आपमें उन पैसोंका एहसास करने लगा था जो मेरे पास हमेशासें थे।

तो मैने आपसे जो पहला दृष्टिकोण बनाने को कहा था वह था अपनी पैसोंकी आत्मकथा लिखना।

आपका पैसोंके साथ परिचय कैसा हुआ। आप पैसोंको लेकर क्या सोचते है, आपने पैसोंको लेकर किसप्रकार की छवी अपने मनमें बना रखी है, आपको यह सब लिखना होगा और दृष्टिकोण था की आप अपनी पैसोंको लेकर नयी आत्मकथा लिखे। एक ऐसी आत्मकथा जो आप चाहते है जैसेके आप उम्मीद करते है। आपको यह समजना होगा की आपके अतित में आपके साथ जो भी हुआ, शायद वह बडाही कठीन था। लेकिन उस बात को काफी समय गुजर चुका है। आप जब भी उस बात को या उस समयको याद करतें है तो आप उसे ९८प्रतिशद गलतही याद करते है क्योंकि हम सारी बातोंको पुरी तरह अपने दिमागमें नही याद रख पाते। हमारा दिमाग हमे उसी चीतकी तरफ केंद्रित करता है जो हम सोचते है। आपको यह समजना होगा की गुजरा हुवा कल कभी वापस नही आएगा और ना ही हम उसे बदल सकते है। अगर हमारे हाथ में कुछ है तो वह है हमारा आनेवाला कल जिसे हम अपने अनुसार चला सकते है। आपको सिर्फ अपनी पैसोंकी आत्मकथा लिखनी है

और उसे बदलकर एक नयी आत्मकथामें परिवर्तीत करना है। और इसीप्रकार आप अपनी सोचको बदल पाऐंगे और पैसोंको आकर्षित कर पाएगें।

प्रकरण ९

अब मै आपको पैसा आकर्षित करनेकी ७ और तरीके बतानें जा रहा हूॅ। यह तरीके मुझे काफी पसंद है क्योंकि यह काफी मजेदार और आसान है। शायद आपने इसमेंसे कुछ तरीकोंके बारे में सुन रखा हो लेकिन आपको अब इन ७ तरीकोंको अपनाना होगा। इन तरीकोंने मुझे वह दिया है जो मै हमेशासें चाहता हुॅ। इन्ही तरीकोंके द्वारा मै वह बना जो मै आज हुॅ। तो चलिए, उन ७ तरीकोंकी तरफ चलते है।

पहला तरीका है एक १००० रू. की रसीद को अपनी जेब में रखे। इस बातपर शायद आपको थोडी हसी आए। मैने भी जब पहली बार सुना था तब मेरे पास हजार रूपये थे ही नही, मैने कभीभी एकसाथ १००० रूपये अपने पास देखेही नही थे। मैने १०,५०,१०० या ५०० रूपये तक तो अपने पास देखे थे लेकिन कभी १००० रूपये मेरे पास आए ही नही थे। लेकिन जब मैने इस तरीकेके

बारे में जाना तब मैने पहलेसे अधिक महनत करके, पैसोंकी बचत करके अपनेपास १००० रूपये एकट्ठे कर लिए और उन्हे बॅकमें जमा कर दिया और उसके रसीदको अपनी जेब में लेकर घुमने लगा। जब मेरेपास मेरे अकाउंटमें १००० रूपये एकट्ठे हो गए थे तब मेरा मन और भी अधिक पैसे जमा करनेको हो रहा था। मुझे याद है उस समय मै अपने पर्समें अपने बचाए हुए रूपयोंको रखता था और अपने खर्चके पैसे अपनी उपरवाली जेब में रखा करता था। मै अपने खाली समय में यही सोचता था की मै इन पैसोंको किसप्रकार खर्च करू और इससे मुझे जो खुशी मिलती थी वह मुझे और भी अधिक पैसे आकर्षित करनेमें सहायता करती थी। मेरे मनमें यह बात आने लगी की मै इस एक १००० रू. की रसीदको किसप्रकार दुसरी १००० रू. की रसीदके साथ रख सकु अर्थात मै कैसे एक और १००० रू. अपने अकाउंट में जमा कर सकु। मैने पाया की जैसे जैसे मेरे अकाउंट पैसे जमा होते जा रहे थे मै और भी जल्दी पैसोको अपने पास आकर्षित करने लगा था और मेरे पास

बहुत सारी १००० रू. की रसीदे जमा हो गयी थी। धिरेधिरे मेने यह एहसास किया की मैने अपने खर्च को काफी हद तक कम कर दिया है और मै अधिकसे अधिक पैसोंकी बचत करने लगा हूॅ। यही है पहला तरीका की आप एक १००० रू. की रसीदको अपनी जेब में रखे। यह काम बिल्कुलभी मुश्कील नही है, आप आसानीसें इसे कर सकते है। हो सकता है की पहली बार आपको थोडा समय लगे लेकिन जब आप यह करने लगेंगे तब आप मेरीही तरह बाकीकी रसीदे बडीही आसानीसें इकट्ठे कर सकेंगे। यही है वह पहला तरीका इन ७ तरीकों में से पैसे आकर्षित करनेका।

दुसरा तरीका है की कमसेकम आप हररोज १० रू. किसी जरूरतमंदको दान करे। इस तरीकेके बारेमें मुझे अपने एक मित्रके द्वारा पता चला था। जब आप हररोज अपने १० रू किसी जरूरतमंदको देते है तब आप उसकी दुआए तो लेते ही है साथही साथ आप अपने अंदर यह विश्वास भी पैदा करते है की १० रू. खर्च हो जानेसे कुछ नही होता,

इसकी जगह आप १००रू. और कमा लेंगे। जब आप इस प्रकार हर रोज १० रू. किसीको देते है तो वह १०० रू. बनकर जल्दही वापस आपकेपास आ जाता है। इस तरीके के बारेमें मैने आपको पिछले भागोंमें भी बताया है की अगर आप कुछ देते है तो आप इस वस्तुको जल्दही वापस भी पा लेते है। और यही है दुसरा तरीका पैसे आकर्षित करनेंका।

तिसरा तरीका है सहायता मांगना। इस तरीकेके बारेमें मैने कभीभी अपने पिछले प्रोग्रामोंमें जीक्र नही किया है। लेकिन इस किताबके माध्यमसे मै आपको समजाना चाहता हूँ की अपनेसे बडी शक्तीसें मदद मॉगना बहुतही लाभ दायक है। मेरे कहनेका मतलब है की आप किसी बडी शक्तीसें अपने लिए प्रार्थना करे। आपके लिए वह बडी शक्ती भगवान भी हो सकती है या जो भी आप मॉगते हो। मुझे याद है जब मै गरीब था तब मै अपने बीलोंको भरने मै समर्थ नही था। मै हर समय यही सोचता रहता था

की मै किसप्रकार अपने बीलोंको भरूंगा। और भगवानसें यही प्रार्थना करता था की, ‘‘हे भगवान मेरी सहायता करे, जिससे की मै इन बीलोको भर पाउॅ, मै नही जानता की मै पैसोंकी कहॉसे व्यवस्था करू, मुझे नही पता की मै आगे क्या कर सकता हूॅ, मै अपनी इस समस्या और अपने आपको आपके हवाले करता हुॅ और आपसे प्रार्थना करता हुॅ की आप मेरी सहायता करे।’’ मै अपनी हर समस्याको भगवानके हवाले कर दिया करता था और अपेक्षा करता था की वह मेरी मदद करेंगे। उस वक्त मुझे यह एहसास हुआ की इसप्रकार प्रार्थना करनेसे मेरी अधिंक्तर समस्याओंका हल निकलही जाता था। मै किसीना किसीप्रकार अपने बीलोंको समयपर जमा कर दिया करता था। इसीप्रकार हर महिने मेरेपास उतने पैसोंका इंतजाम होही जाता था जितने की मुझे आवश्यकता थी। हो सकता की अभी आपको मेरी इस बातपर विश्वास ना हो लेकिन यह बिल्कुल सही है।

जब भी आप अपनेसे बडी शक्तीसें सहायता मॉगते है जो की आपसे काफी बडी और ताकतवर है तो आप उनकी शक्तीकाी सहायतासे आप अपनी समस्याओंका हल काफी आसानीसें निकाल सकते है। अगर आप किसी शक्तीमें विश्वास नही भी करते तो भी आप उनसें इसलिए प्रार्थना करे ताकी आप अपनी अंदरमनकी शक्तीकों जगा सके और अपने अंदरमनके द्वारा अपने लिए संभावनाओको बडा सके और अवसरवादी बन सके।

प्रार्थना करना सबसे शक्तीशाली और पवित्र तरीका है पैसा आकर्षित करनेका, यही वह तरीका है जो पैसोको आपकी तरफ और आपको पैसोंकी तरफ आकर्षित करता है।

चौथा तरीका है की आपको यह महसुस करना है की अगर आप बहुत सारे पैसे आकर्षित कर लेते है तो आप क्या करेंगे। इस तरीकेमें आपको अपनी उन सारी इच्छाओंको किसी जगह लिख लेना है जो आप पुरी करना चाहेंगे अगर आपके पास बहुतसारा

पैसा आ जाए। आपको यह सोचना है की अगर आप धनवान बन जाए तो आप क्या करेंगे। आप इस तरीकेको अपने अभ्यासपुस्तिकामें भी देख सकते है और कही अगर आप अभी गाडी चला रहे है या फिर कही बाहर है तो आप अभी सिर्फ अपने मनमें यह सोचे की अगर आपके पास १० लाख रू. अचानकसे आपकेपास आ जाए तो आप कैसा महसुस करेंगे। अगर अभी आपकी जेब में १ लाख रू. पडे हो तो आप क्या करेंगे। आप अभी यह मत सोचे की ये पैसे आपके पास कैसे आए या आऐंगे, आप सिर्फ यह महसुस करे के आपके पास अभी पैसा है। आप कितनी खुशी महसुस कर रहे है, आपको कितना आनंद महसुस हो रहा है, आपको कितनी उत्सुकता महसुस हो रही है। जब आप इसप्रकार यह महसुस करेंगे तब आपके अंदर वह शक्ती उत्पन्न होगी जो आपको उन पैसोको आकर्षित करनेमें सहायता करेगी। जब भी आपको मौका मिले आप अपने उस एहसासको लिख ले क्योंकि लिखनेसे आप उन बातोको अपने ऑखोके द्वाराभी अपने दिमागतक पहुचा सकते है

और अपने अंदरकी शक्तीको और भी अधिक बढा सकते है जो आपको पैसा आकर्षित करनेकी राह पर ले जाएगी। यही है चौथा तरीका पैसे आकर्षित करनेके रहस्यका।

पॉचवा तरीका है अपने दृष्टिकोनको बदले। अपने दृष्टिकोनको बदलनेसे मेरा मतलब है की आप ऐसी वस्तुओंको पानेकी अपेक्षा करे जा काफी मुल्यवान है। आपको यह सोचना है की आप उन सभी वस्तुओंको पा चुके है। आप यह महसुस करे की आपके पास नयी कार, नया घर, नये कपडे, नये जुते और नये बहुत सारे बॅक अकाउंट आ गए है। आपको उन सब वस्तुओंके बारे में महसुस करना है जो आपको खुशी दे सकती है। आपको अपने अंदर वह खुशी महसुस करनी है जो आपको इन सब वस्तुओंके आपके पास होनेपर आप महसुस करते।

इस प्रकार महसुस करने पर आप अपने दृष्टिकोनको उन वस्तुओंको पाने के प्रति बदलने लगते है और

आप अपने मनके अंदर आई हुई खुशीके द्वारा अपने अंदर वह शक्ती महसुस कर सकते है जो आपके जिवनमे पैसोंकी सक्रियता लाती है, जिसका संपर्क सीधा आपके अंर्तमनसे होता है। जो आपको वह सब आकर्षित करनमे सहायता करती है जो आप चाहते है। यही है पॉचवा तरीका की अपने दृष्टिकोनको बदले।

छॅटा तरीका है आपने जो भी अभीतक किया है उस बातकी खुशी मनाए। अधिक्तर लोग हर समय कुछना कुछ कामही कर रहे होते है। उन्हे काम करनेकी आदत होती है। वे हर समय कुछना कुछ करते ही रहते है। आप और मै भी उन्हीमेंसे एक है। इसलिए हमने उन सब कार्योको आभार मानना चाहिए जो हम पुरा कर चुके है और उसकी खुशी मनानी चाहिए।

मै भी अपना कार्य पुरा करनेकी खुशीमें कुछ समय अपने आपके साथ गुजारता हूॅ। मै महिने में एक या दो दिन ऐसे निकालता हूॅ जिस दिन मै सिर्फ वही

करता हूॅ जिससे मुझे खुशी मिलती है। या तो मै कही बाहर घुमने चला जाता हूॅ या फिर कही पर किताबोंकी खरीदी करने चला जाया करता हूॅ। मुझे बाहर घुमने और किताबे पढनेका बहुतही ज्यादा शौक है। इससे मुझे काफी खुशी मिलती है। और इसीके द्वारा मै अपने आपको उपहारके रूपमें वह करता हूॅ जिससे मुझे खुशी मिल सके। आप भी महिनेमें एक या दा दिन या फिर जब भी आपको समय मिले उस समय अपने आपको खुश करनेका मौका ढूंढे। आप वह करे जिससे आपको खुशी मिले। चाहे तो आप कोई मुव्ही देखे, कही घुमने जाए या फिर कुछ शॉपिंग करने जाए, बाहर खाना खाने जाए या जो भी आपको पसंद हो वह करे और अपने आपको उपहार दे।

जैसेकी अभी आपने इस सी.डी. को खरीदा, इसे सुना, इसकी अभ्यासपुस्तिकाको पढा इसलिए आपको अपने इस कामके लिए खुदको धन्यवाद करना चाहिए। आपको अपने हर काम के लिए खुदका आभार व्यक्त करना चाहिए। और इसी

तरीकेसे आप अपने अंदर के हौसले क्षमताकों बढा सकते है। आप यह महसुस कर सकते है की आप जो भी कर रहे है वह सही है। आपको बस खुदके लिए थोडा समय निकालना है। आपको ऐसा कुछ करना है जिससे आपको खुशी मिल सके। यही छॅटा तरीका की आप अपने द्वारा किए गए कार्योंकी खुशी मनाए और खुदको आभार व्यक्त करे।

सातवा तरीका है, वह खरीदे जिससे आपको खुशी मिलती है। जैसे की अगर आप इंटरनेटपर कुछ देखते है या फिर कही बाहर घुम रहे है और आपको किसी दुकानपर कोई वस्तु दिख जाती है जो आपको बहुत पसंद है, जिसे पाकर आपको खुशी मिल सकती है तो आप उसे जरूर खरीदे। चाहे वह वस्तु महंगी क्यों ना हो आप उसे खरीद ले। इससे आप खुशी महसुस करेंगे और खुदको समृद्ध समजने लगेंगे। मैने भी एक बार १०,००० रू. की टोपी खरीदी थी यही सोचकर की इसे पाकर मुझे बहुत खुशी होगी। मुझे आज भी याद है, उस दिन

मै एक बडीसी टोपीकी दुकानमें गया था और वहापर मैने दुकानदारसे कहा की अगर मेरी जगह कोई बडा व्यक्ती जैसेकी कोई फिल्मस्टार आपके पास टोपी खरीदने आए तो आप उसे कोनसी टोपी दिखाएगें। वहापर बहुतसारी अलगअलग रंग की खुबसुरत टोपीया थी और उस दुकानदारने उनमेसे एक सुंदरसी टोपी मुझे लाकर दी जिसे देखकर मुझे बहुत खुशी हुई और मैने उसे खरीद लिया। उसे खरीदनेसे मेरे मनको असीम शांतीका अनुभव हुआ और मै खुदको बहुत खुशनसीब समजने लगा और खुदको बहुतही सुखी महसुस करने लगा। उस टोपीको खरीदनेके लिए मुझे अपनी आधीसे ज्यादा जमा—पुंजीको खर्च करना पडा था लकिन फिर भी यह खर्च मेरी उसके आगे कुछ भी नही था। वह सौदा मेरे लिए फायदेका सौदाही था।

आपभी जब भी किसी वस्तु को देखे जो आपको बहुतही पसंद आयी हो जो आप खरीदना चाहते हो, तो उसकी किमतकी परवा ना करते हूए उसे खरीद ले। आप यह समजें की आप उस वस्तुकी जगह

अपनी खुशीको खरीद रहे है क्योंकि आपकी खुशीके आगे कोईभी कीमत कोई माइने नही रखती और जब आप इसप्रकार करेंगे तो आपको एक असीम सुखकी प्राप्ती होगी जो आपके मनको आनंदसे भर देंगी। लेकिन मेरे कहनेका मतलब यह नही है की आप उस वस्तुके लिए कहीसे कर्जा ले या अपना सबकुछ लुटा दे। आप उतनाही खर्चा करे जितना आप कर सके। आपको बस अपने मन से डरको दुर करके अपनी मनपसंद वस्तुको या अपनी खुशीको खरीदते रहना है। आप जब भी टी.व्ही.में या फिर किसी मॅगजीनमें या किसी किताबमें किसी वस्तुको देखे और अगर आपको उससे खुशी मिलती है तो आप उसे खरीद ले और अपने आपको खुशहाल और संपन्न महसुस करे। यही वह तरीका है जिसके द्वारा आप अपने मनकी शक्तीको इस हदतक बढा सकते है की आप इस हर एक वस्तुको खरीद पाए जो आप चाहते है। और यही शक्ती आपको पैसा और सुख पानेमें सहायता करती है।

इस प्रकरण के अंतिम पढावतक पहुचते हुअे, मै आपसे कुछ बाते कहना चाहता हूॅ। अगर आप अपनी नौकरी, अपने पगार, अपने घर के किराए, अपनी सेहत, अपने खाने और कपडोंके लिए चिंतित है तो मै आपकी भावना समझ सकता हूॅ क्योंकि मै कभी इन दिनोंसे गुजर चुका हूॅ। मेरा विश्वास किजिए के आपके यह दिन जल्दही गुजर जाऐंगे। आप अभी जो भी महसुस कर रहे है वह एहसास जल्दही बदल जाएगा क्योंकि हाथ की सभी उंगलिया समान नही होती, उसीप्रकार हमारी जिंदगी का हर दिन समान नही होता, हर रातके बाद सुबह होती ही है। आज आपके जो हालात है, आप उसके बाध्य नही है। आप उसे बदल सकते है। आप अपनी आर्थिक स्थितीको बदलना चाहते है इसलिए आप अभी इस वक्त इस किताबको सुन रहे है। और इसमें कईकई बातोंपर अमल कर रहे है, आप पैसोंको आकर्षिक करनेके रहस्यको समज रहे है और उसे जान रहे है। आपको बस थोडा धीरज रखना है और इंतजार

करना है अपनी स्थितीके बदलनेका। अगर दुनियामें कुछ गलतभी हो रहा हो, तो आपको इससे घबराना नही है। आपको यह सोचना है की जो भी हो रहा है, वह अच्छे के लिए हो रहा है और जो भी बदलाव हो रहे है उससे नए अवसर पैदा होंगे। आप अपनी अभीकी स्थितीसें बाहर आ जाएगें और आपके मनपर जमी धुलभी साफ हो जाएगी। आप जल्दही इन बतोको समझ जाएगें और यह विश्वास करनें लगेंगे की आप भी पैसोंको आकर्षित कर सकते है।

आपको बस यह सोचना है की ‘‘ मै जानता हूॅ की आगें मुझे क्या करना है, मेरी अगली नौकरी क्या होगी, मेरा अगला कदम क्या होगा और मै पैसोंको कहॉसे आकर्षित कर सकता हूॅ’’। आपको शायद यह सब सुननेमें थोडा अजीब लगे परंतु जब आप इस तरीकेको अपनाने लगेंगे तब आप इसके महत्वको अपने आप समजने लगेगें। चलिए, मै आपको एक छोटीसी कहानी सुनाता हूॅ। यह कहानी छोटीसी गिलहरीकी है। वह मेरे घरमें रहा करती थी और धिरेधिरे उसके पिछे कुछ और गिलहरीया भी

मेरे घरमें आ गयी और मेरे सामानको नुकसान पहूचाने लगी। एक दिन परेशान होकर मैने अपने घरमें पडे सारे छेदोंको बंद कर दिया ताकि वह मेरे सामानको नुकसान ना पहुचा सके। जब उस गिलहरीने सारे छेदोको बंद देखा तो वह काफी परेशान होने लगी और यहॉसे वहॉ भागने लगी। लेकिन वह यह नही समझ पायी की मैने उसके लिए घरके पिछले भागमें एक छोटासा घर बनाया था जिसमें वह अपने सारे साथियोंके साथ आसानीसें रह सकती थी। वह तो बस यहासेवहा भाग रही थी क्योंकि मेरे उन छेदोंको बंद करनेके कारण वह खुदको बेबस और लाचार समजने लगी थी और चिंता और परेशानीयोंके कारण यहासेवहा भाग रही थी। लेकिन जब मैने उस गिलहरीको पकडकर उस नए घरमें रख दिया त बवह काफी खुश हो गयी और वहापर अपने साथियोंके साथ आरामसें रहने लगी।

मैने आपको यह कहानी इसलिए सुनाई क्योंकी आपकी भी हालत फिलहाल उस गिलहरीकी तरह

ही है। आपको शायद यह बात थोडी अजीब लगे लेकिन यह सच है। आप भी उस गिलहरीकी तरह ही कुछ अच्छा होनेकी अपेक्षा नही करते और अपनी समस्याओंसे परेशान होने लगते है। आपको यह समजना होगा की आपकी समस्याएही आपको कुछ अलग और नया करनेके लिए प्रेरित करती है।

अगर आप किसी कामको बारबार करते रहते है और फिर भी वह काम आपको अपना मनचाहा फल नही देता, आपको उस कामको करनेंमें बाधा उत्पन्न होती है तो आपको यह समजना चाहिए की यह प्रकृती आपसे कुछ कहना चाहती है। यह चाहती है की आप कुछ अलग करे। वह आपको यह समजाना चाहती है की यह आपके लिए सही मौका है और आप इसमें कुछ अलग कर सकते है। आपको समजना होगा की हररोज एक नयी सुबह होती है और इस बातकों जाननेके बात आप आपके अंर्तमनको जगा रहे है।

आपकी अभ्यासपुस्तिकामें भी मैने कई अलगअलग एक्सरसाईज दी है, आप उन्हे प्रयोग करे और अपने आपको कुछ हासिल करने के लिए प्रेरित करे, अपने जिवन में सफलता प्राप्त करनेकी और पैसोंको आकर्षित करनेकी अपेक्षा करे। यह वह तरीका है जो आपके पास पैसोंकी ढेरी लगा देगा और आपको धनवान और संपन्न व्यक्ती बनाएगा।

अब अगले भागमें जाने के पहले आप अपनी अभ्यासपुस्तिकाको देखे, उसके प्रयोगो को अपनाए और अभी मेरे द्वारा लीखी गयी बातोंको अपने जिवन में इस्तमाल करे और वह सबकुछ हासिल करे, जो भी चाहते है।

प्रकरण १०

आपका स्वागत है। इस प्रकरणमें मैं आपको पैसोंको आकर्षित करनेके शॉटकर्ट के बारेमें जानकारी दुॅगा। यह एक बहुतही महत्वपुर्ण तरीका है की आप अपने आपको खुश रखे। अपने आपको सुखी महसुस करे। इस बातको मै आपको थोडा विस्तारसे बताना चाहुंगा। हर व्यक्ती ज्यादा पैसे कमाना चाहता है, कामयाबी और धनवान बनना चाहता है, हर कोई अपने जिवनमें बहुतसारी वस्तुओंकी अपेक्षा करता है और उसके पास अपनी आवश्यकताओंकी वस्तुओंकी लंबी सुची होती है। आपके पासभी इसप्रकारकी कोईना कोई सुची आपके मनमें भी अवश्य होगी, आप भी कई वस्तुओंको अपने पास चाहते है। लेकिन सोचने की बात यह है की आप इन वस्तुओंके द्वारा क्या चाहते है। आपको अधिक पैसा चाहिए ताकि आप अपना घर खरीद सके, नयी गाडी खरीद सके, अपने सारे बीलोंको भर सके और अपनी सभी आवश्यकताओंको पुरा कर सके। लेकिन इन सब बातोंमें समानता क्या है, आप ये

सब वस्तुए क्यों चाहते हैघ आप यह सब वस्तुए इसलिए चाहते है क्योंकि इससे आपको खुशी मिलती है। आप अधिक पैसे इसलिए चाहते है क्योंकि पैसे आपको खुशी दे सकते है, आपको पैसा इसलिए चाहिए ताकि आप कह सके ‘‘मै खुश हुॅ और मैने वह सबकुछ पा लिया है, जो मै चाहता हुॅ’’।

यह बात थोडीसी अजीब जरूर है की हम अपनी इच्छाओंके रूप में कई सारी वस्तुओंको अपने पास चाहते है। आपकी चाहत कभीभी खत्म नही होती। आप हर उस वस्तुको अपने जिवनमें चाहते है जिससे आपको खुशी मिल सके। और यही खुशी आपको आपकी सभी इच्छाओंको पुरा करनेंमें सहायता करती है। यह एक बहुतही महत्वपुर्ण तरीका है पैसोको आकर्षित करनेका की अपने आपको खुश रखे। जब आप इस तरीकेको अच्छी तरह समझ जाएगें तब आपको अपने बिते हूअे कलके बारेमें सोचनेकी आवश्यकता नही होगी और ना ही आप अपने भविष्यके लिए चिंता करेंगे।

आपको अभी इसी वक्तसें यही महसुस करना है की आप खुश है, आपके पास हर वस्तु है जो आपको खुशी दे सकती है, आप संपन्न है, आप वह सबकुछ पा चुके है जो आप हमेशासे चाहते थे। आप अभीतक यह सोचते होंगे की अगर आपके पास पैसा होता जो आपको खुशी दे सकता या फिर जब आपके पास घर होगा, अच्छी नौकरी होगी, अपनी आवश्यकताओंके हिसाबसे सभी वस्तुए होगी तो आप खुश हो जाऐंगे। लेकिन आपको यह समजना होगा की आकर्षणका नियम इस प्रकार कार्य नही करता। इस बातको जरा अच्छी तरह समजिएगा क्योंकि मै जो अभी आपसे कह रहा हूॅ, वह बात बहुत महत्वपुर्ण है। आपको एक लंबी सास लेते हुए यही सोचना है की सबकुछ ठीक है। आपको खुश होनेके लिए किसी और वस्तुकी जरूरत नही है क्योंकि आपके पास अपनी जरूरतकी सभी वस्तुए है और इसी पलमें बहुत खुश है। अगर आप खुदको खुश महसुस नही करते तो आप कुछ भी नही पा सकते। आपने कई बार यह महसुस किया होगा की आपने जब भी

कोई अपनी आवश्यकताकी वस्तु हासिल की है उस समय आप खुश थे। इसलिए आप अपने भितरसें सभी दुखको दुरू करके अपनेआपको खुशियोंसे भर दे, अपने हरपलको खुशिसें जिए और हर पलका मजा ले। आपको कुछभी नया पानेके लिए अपनी सोचको बदलना होगा। आपको अपने मनको खुश रखना होगा, जिससेकी आप पैसोको आकर्षित कर सके। जब आप खुदको खुश महसुस करते है तब आप अपने आपको कई चिजे आकर्षित करनेके लिए आझाद कर देते है और अपनी सभी ख्वाईशोको पुरा करनेके लिए अपने कदम बढाने लगते है। आपको अपने मनसें हर डरको दुर करते हुअे अपने खुशिओंको पाना है और इसके लिए आपको सिर्फ इसी वक्तसें खुदको खुश महसुस करना है।

अब सवाल यही पैदा होता है की आप ऐसा क्या कर सकते है, जिससे आप खुश महसुस कर सके? आपको अच्छी तरक पता है की आपको अपना

किराया देना बाकी है, आप कैसे खुश हो सकते है जब आपके पास अच्छी नौकरी नही है, आपको भुख लगी है लेकिन आपके पास खाने की व्यवस्था नही है तो आप अपने आपको खुश महसुस कैसे कर सकते है। इसके लिए मै आपको २ तरीके बताता हूँ। पहला यह की आप यह समजे की अतीत बीत चुका है और भविष्य कभी नही आता। मेंरे कहनेका मतलब है की अगर आप अपने अतीतके बारेमें सोचते है जो काफी दुखोसे भरा है और इन्ही बातोंको सोचते हुए अपने वर्तमानके बारेमे सोचते है तो आपकी यह गणना गलत है की आप वर्तमानके बारेमें सोच रहे है। हकीकतमें आप अपने अतीतके बारेंमें की सोच रहे होते है और अपने अतीतकी बातोंकी तुलना अपनी वर्तमान स्थितीसें करने लगते है और आपकी यही सोच आपको खुश नही होने देती। और कही आप अगर अपने भविष्यके बारेमें सोच रहे होते है तब भी आप अपनी वर्तमानकी स्थितीकी तुलना अपने भविष्यसे कर रहे होते है, जो की आपके वर्तमानके कार्यके बोजको बढा देते है और इसीकारण आप खुश

महसुस नही कर पाते है। जब भी आप अपने अतीत या भविष्यके बारेमें सोचते है तब आप खुदसेंही धोका कर रहे होते है क्योंकि अतीत बीत चुका है और भविष्य कभी आता ही नही, भविष्य वही है जिसे हम बनाते है।

जब आप सिर्फ आजमें विश्वास करते है तब आप अपनी पुरी शक्तीसें निर्धारित कार्योंको पुरा कर सकते है और इसके लिए अपनी सारी उर्जा इस्तमाल कर सकते है। आपको बस अपने मनको इस पलमें जिने के लिए बाधित करना है।

दुसरा तरीका यह है की आप खुदका धन्यवाद करे। मैने आपको इस तरीकेके बारेमें पहले भी बताया था। धन्यवाद करना एक ऐसा शक्तीशाली तरीका है जो आपके जिवनके माईनेको बदल सकता है। जिसे आप इसी पलसें इस्तमाल कर सकते है। आपको बस अपने आसपास देखना है और किसीभी वस्तुका आभार व्यक्त करना है या उसे धन्यवाद देना है, जिसका आप अभी इस्तमाल कर रहे है। आपके

आसपास ऐसी बहुतसारी वस्तुए है जो आपको लगता है की किसी कामके नही है लेकिन जब आप इस धन्यवाद करनेके तरीकेको समजने लगेंगे तब आपको यह पता चलेगा की आपके आसपासकी हर वस्तु आपकी हर संभव सहायता कर रही है। अगर आप अभी गाडी चला रहे है तो आप अपनी गाडीका धन्यवाद कर सकते है। या फिर इस किताबको सुनते हुए जिस कुर्सीपर बैठे है, आप उस कुर्सीका धन्यवाद कर सकते है। आप उस हेडफोनका धन्यवाद करते है जिसकी सहायतासे आप मुझे अभी सुन पा रहे है। आप किसीभी वस्तुका धन्यवाद कर सकते है जो अभी आपके आसपास है क्योंकी आपके आसपासकी हर वस्तु आपकी किसीना किसीप्रकार सहायता कर ही रही है।

जब आप इस प्रकार आभार व्यक्त करने लगते है, तब आप अपने अंर्तमनकी शक्तीको बढाने लगते है ताकि आप वह सबकुछ हासिल कर सकते है जो भी आप चाहते है, जो आपको पैसे आकर्षित करनेमें आपकी सहायता कर सकती है। यही है

दुसरा तरीका की धन्यवाद करे या आभार व्यक्त करे।

तिसरा तरीका जो की आप अभीसे इस्तमाल कर सकते है वह है माफ करना। इस तरीकेके बारेमें मैने आपसे पहले भी कहा है लेकिन इसके महत्वको देखते हुए मै इसे आपको एकबार फिर बताना चाहुंगा की जब भी आप किसीको माफ करते है तब आप अपने मनमें दबी हुई शक्तीको उभारते है। आप अगर किसीको माफ नही कर पाते तो वह आपके मन की शक्तीकों कम करने लगती है और आपकी वर्तमान स्थितीको प्रभावित करने लगती है। इसलिए आपको अपने मनकी शक्तीको आझाद करने के लिए हर किसीको माफ करना होगा। मेरा यह मतलब नही है की आप उन सब लोगोंको माफ कर दे, जिन्होने सरहदपर हमारे जवानोंको मारा था, जिन्होने हमारे देशको बरबादीकी और दखेला है या फिर जो लोगोको उदपीडीत करते है। मै ऐसे लोगोको माफ करनेके लिए नही कह रहा। मेरे कहनेका तात्पर्य यह है की आप अपने परिवार,

अपने दोस्तो, अपने बॉस, अपने सहकर्मी को माफ करे या फिर उस हरकिसीको जो आपके करीब है और आपको लगता है की उसने आपके साथ कुछ बुरा किया है। तो आप उन सबको माफ कर दे और सबसे महत्वपुर्ण है की आप खुदको माफ कर दे। जब आप खुदको माफ करते है तब आप अपने भितरकी उस शक्तीको जागृत करते है जो आपको सही राह दिखाती है और जो आपको तरक्की की ओर ले जाती है, जो आपको बताती है की आप वास्तवमें क्या चाहती है। आपको सिर्फ अभी इसी वक्त खुश होना है। क्योंकि सुखी महसुस करनेसे आप यह कल्पना कर सकते है की आपके पास क्या क्या विकल्प है जिसके द्वारा आप पैसोको आकर्षित कर सकते है। और उनमेंसें कई विकल्पोंके उपर कार्य करके आप पैसोंको आसानीसे आकर्षित कर सकते है।

मै समझ सकता हुं की मेरी इन बातोंसे आपको थोडी तकलिफ पहुच रही होगी क्योंकि आपके

लिए यह सुनना काफी कठिन होगी की आप अभी खुश हो जाए क्योंकी हो सकता है की अभी आप काफी परेशानीमें हो, आपको अभी पैसोंकी अत्याधिक आवश्यकता हो। आपको कल या फिर अगले हफ्तेतक किसीभी हालतमें पैसे चाहिए। आप ऐसे स्थितीमें कैसे खुश हो सकते है। मै आपकी इस भावनाकों समज सकता हो क्योंकि मै भी कभी आपहीकी तरह इस स्थितीसें गुजर चुका हूॅ। लेकिन आपको पैसे आकर्षित करनेके लिए अपनी इस सोचसे दुर होना होगा। आपको अपनी निराशाको अपने मनसें निकालना होगा क्योंकि जबतक आप निराशा अनुभव करेंगे तबतक आपके भितरकी नकारात्मक शक्ती आपके अंर्तमनकी उर्जाको प्रभावित करेंगी जो आपको अपनी आवश्यकताओंको पुरा करनेमें बाधा उत्पन्न करेगी। इसके लिए आप मेरेद्वारा बताए गए पिछले तीन तरीकोका इस्तमाल कर सकते है जो है, अपने आपको खुश रखे, अपने आसपासकी वस्तुओंका आभार व्यक्त करे और वर्तमानमें जिते हुए सिर्फ

अपनी अच्छी यादोंको याद करे। इन कुछ तरीकोके द्वारा आप अपनी सोचको बदल सकते है।

मै आपको तनाव सें मुक्त होने के लिए एक एक्सरसाईज बताना चाहूंगा। मै आज भी इस एक्सरसाईजका इस्तमाल करता हूॅ अपने तनावको दुर करने लिए। तो चलिए, एक लंबी सास लिजिए, धिरेधिरे अब १ से ८ तक अपने मनमें गिनीए, १,२,३,४,५,६,७,८ अब धिरेधिरे सास छोडीए। अब दोबारा एक लंबी सास लिजिए, धिरेधिरे अब १ से ८ तक अपने मनमें गिनीए, १,२,३,४,५,६,७,८ और धिरेधिरे सास छोडिए। इसप्रकार आप कुछ देरतक करते रहिए, इस एक्सरसाईजके द्वारा आपको शांत होनेमें काफी सहायता मिलेगी।

आपकी परेशानी और समस्या आपको पैसे आकर्षित करनमें सहायता नही कर सकती। आपको अपनी सभी चिंताओंसे अपने मनको मुक्त करना होगा। आपको अपनी सोचको और अपने मनको वर्तमानमें

सोचनेके लिए प्रेरित करना होगा। इसके लिए आप इस एक्सरसाईजका इस्तमाल कर सकते है। आपकी अपनी चिंताओंसे मुक्ती ही आपको पैसोकी ओर आकर्षित करवा सकती है।

इस वक्त आप इस एक्सरसाईजको कमसेकम ५—६ बार करे और अपनी चिंताओंसे दुर होते जाए।

मैने आपको दुसरा तरीका बताया था, आपनी चिंता दुर करनेके लिए वह था सिर्फ वर्तमान में जिए। अधिंकतर लोगोंको भविष्यकी चिंता रहती है, आजकी नही। आप भी अधिंकतर अपने भविष्यकी चिंता करते रहते है। आपको हमेशा कलकी, अगले महिनेकी या अगले सालकी चिंता रहती है। आपको अपने तनख्वाकी चिंता रहती है। और यही चिंता आपको खुश नही होने देती। आपको अपने चिंतासे मुक्त होकर यही सोचना है आप इस पलमें, इसी वक्त खुश है। आपको पैसोंकी आवश्यकता है, आपको बहुतसारी वस्तुए पानेकी इच्छा है लेकिन

फिर भी आप पलमें बिल्कुल ठिक है और खुश है। आप बिल्कुल ठिक है क्योंकी आप अभी शायद गाडी चला रहे है, या अपने घरमें बैठे हे, आप इस किताबको सुन रहे है, आपने कुछ समय पहले कुछ खाया होगा और आप अभी सास ले रहे है इसका मतलब यही है की आप बिल्कुल ठीक है। आप जिंदा है क्योंकि आप बिल्कुल ठीक है। आपको इस बातकों मानना होगा की आपके आसपास सबकुछ अच्छा चल रहा है और आपको चिंता करनेकी कोई आवश्यकता नही है। अगर मेरा मन गाडी चलाते वक्त अशांत होगा तो अवश्यही मै अपनी गाडीको कहीना कही ठोक दुंगा। इसलिए आपको अपने मनको शांत रखना होगा। आपको सिर्फ इसी पलमें जिना होगा इसके लिए आप अपने आसपास रखी किसीभी वस्तुको छुए और यह एहसास करे की आप बिल्कुल ठीक है। अगर आप अपने घरपर है तो अपने टेबलको, पर्दोको या फिर अपने हाथोको एकदुसरेसे घिसकर यह एहसास कर सकते है की आप बिल्कुल ठीक है। और जो हो रहा है वह अच्छे के लिएही हो रहा है।

बस, एकदम शांत हो जाए इसके लिए पिछले एक्सरसाईजको दोबारा करे। एक लंबी सास लिजिए, अपनी सासको रोके १,२,३,४,५,६,७,८ अब धिरेधिरे सास छोडीए। इसके द्वारा आपको अपने आपको शांत करने या रिलॅक्स महसुस करनेमें आसानी होगी।

एक और तकनीक है अपनी चिंता से मुक्ती पानेका जिसे कहते है इ.एफ.टी. या इमोशनल फ्रिडम ट्रेकनीक। इमोशनल फ्रिडम ट्रेकनीक एक प्रकार का साइकोलॉजीकल एक्युपंचर है जिसके द्वारा आप अपने शरीर के अलग अलग के भागोंपर अपने ध्यानको केंद्रित करते हुए कुछ वाक्योंका इस्तमाल करते है। मै खुद इस तकनीकका बहुत इस्तमाल करता हूॅ या कह सकते है रोज इस्तमाल करता हूॅ। मै इस तकनीकको आपको बताना चाहता हूॅ, इसके लिए आप अपनी अभ्यासपुस्तिकाभी सहायता ले सकते है। इस तकनीकके द्वारा आप अपने आपको

जानने लगते है। जब भी आप यह सोचते है की आपके पास पैसे कहासे आएगें तो यह बात आपको चिंतामें डाल देती है और आपको डर लगने लगता है। चलिए, इस तकनीकको समजते है। जब भी आपके मन में यह विचार आए की आप पैसोंके लिए चिंतीत है तो अपने दोनो हाथ अपने सामने लाए और अपने दाए हाथसे अपने बाए हाथको छुते हुए अपने दाए हाथ अपने बाए हाथ के मुट्ठी में बंद कर ले और कहे की, मै जानता हुॅ की मै चिंतीत हुॅ लेकिन फिरभी मै खुदसें प्यार करता हुॅ और मै खुश हुॅ। इस प्रकार आप ३ बार कहे मै खुदसें प्यार करता हुॅ और मै खुश हुॅ। मै खुदसें प्यार करता हुॅ और मै खुश हुॅ।

अब अपने दाए हाथके हतेलीको अपने मस्तकपर रखे और अपने चिंता दुर करनेके लिए फिरसे वही वाक्य कहे, मै खुदसें प्यार करता हुॅ और मै खुश हुॅ। अब अपने दोनो हाथोंके हतेलीसे अपने दोनो आॅखोको बंद करे और दोबारा वही वाक्य कहे, मै खुदसें प्यार करता हुॅ और मै खुश हुॅ। अब अपने

दोनो हाथोको अपने गालोपर लगाए और फिरसे उसी वाक्यको दोहराए, मै खुदसें प्यार करता हुॅ और मै खुश हुॅ। और अपने दाए हाथसे अपनी ठुड्डीको छुए और फिर वही वाक्य दोहराए। और अब अंतमे अपने दाए हाथ की हथेलीको फैलाते हुए उसे अपने दिलपर रखे और कहे, मै खुदसें प्यार करता हुॅ और मै खुश हुॅ।

इसीप्रकार अपनी शरीरके अलगअलग भागोंको छुकर आप अपना तनाव दुर कर सकते है। आप इस तकनीकके द्वारा अपने तनाव आसानीसे दुर कर पाएगें। तनाव चाहे किसीभी प्रकारका हो, चाहे वह पैसोके लिए हो याफिर किसी और वस्तुके लिए। यह तरीका सभी प्रकारके तनावसें मुक्ती पानेंमें लाभदायक है। जब आप इस इमोशनल फ्रिडम ट्रेकनीक के द्वारा तनावको दुर करेंगे वैसेही आप पैसोंको आसानीसे आकर्षित कर पायेंगे। जब भी आपके मनमें यह ख्याल आता है की आप पैसोंको किसप्रकार आकर्षित करेंगे तो आपके मनमें थोडा डर आने लगता है। मै आपको उसी डरसें

मुक्ती दिलाना चाहता हूॅ। आप जब भी चिंतीत महसुस करे या आपको किसीभी प्रकारका डर लग रहा हो तब आप इस तकनीक का प्रयोग कर सकते है।

यह एक बहुतही शक्तीशाली तरीका है क्योंकी जब भी आप अपने शरीरके अलगअलग भागोंको छुते है तब आप अपनेआपको वर्तमान स्थितीमें लाते है। आपको इसके द्वारा जो शक्ती मिलती है उसके द्वारा आप अपनेआपको खुश महसुस करते है। जब भी आप यह सोचते है की आपको जो भी चाहिए वह सबकुछ आपके पास है तो आप वह खुशी महसुस करेंगे जो आपको पैसे आकर्षित करनेमें सहायता करेंगी।

आपके पास अपने मनमें कई सारे व्यवसायके सुझाव होंगे। आप सोचते होंगे की आप कई सारी वस्तुए कर सकते है लेकिन उसमेंसे अधिंकतर विचारोपर आप अमलही नही करते। आप डर जाते है। या तो

आप अपनी सफलतासे डरते है या फिर अपनी असफलतासे। आपको किसी भी कार्यके दोनो पक्षोको देखना होगा। आपको यह सोचना होगा की अगर आप अपने किसी कार्यमें सफल हो जाते है तो आपको कैसा अनुभव होगा। आपको यह सोचना होगा की आपके सफल होनेसे आपके आसपास क्या—क्या परिवर्तन होंगे। अपने काम के द्वारा आप क्या—क्या पा सकते है और इसके लिए आपको क्या खोना पड सकता है। जब आप इसन सभी बातोंको अच्छी तरह समज जाएगें तो आपको यह एहसास होगा की किसीभी विचारपर कार्य करनेमें कोई बुराई नही है। यह आपको किसीना किसीप्रकार फायदा ही कराती है।

आप अपने कार्यमें असफल भी हो सकते है। इसके लिए आपको यह सोचना होगा की अगर आप किसी कार्यमें असफल हो जाते है तो आपके साथ बुरेसेबुरा क्या हो सकता है। क्या आप खुदके साथ कुछ बुरा होनेसे डरते है? क्या कुछ गलत होनेके बाद भी आप खुदसें प्यार कर पाएगें? आपको यह

समजना होगा की आखिरकार यह असफलता क्या है? असफलता एक प्रतिक्रिया है हमारे कार्य की जो हमे यह बताती है की हमने किसी कार्यको करनेके लिए जो तरीका अपनाया था वह सही था या गलत। इसके द्वारा हमे यह पता चलता है की हमे अपने तरीकेमें क्या—क्या बदलाव करने पडेंगें। इसलिए आप अपने मनमें आए हर विचारपर कार्य करे और उनकी प्रतिक्रिया देखे और पता करे की आगे क्या किया जा सकता है। और यही है मेरा पहला सुझाव की अपने मनसें असफलता या सफलता के डरको दुर कर दे।

अब दुसरा सुझाव है की अपने कार्योको छोटे—छोटे भागोंमें बाट दे। जब भी आप कोई कार्य कर रहे होते है और उसमें आपको कही तहलीफ महसुस होते है तो आप उस कार्यसें डरने लगते है। इसलिए आप अपने कार्योंको छोटे—छोटे हिस्सोंमें बाट ले ताकि वह बडा ना लगे। मै भी अपने अधिकतर कार्य इसीप्रकार पुरा करता हुॅ। कईबार लोग मुझसें यह पुछते है की मै अपनी किताबें किसप्रकार

लिखता हुँ, क्या मै पुरी किताब एक साथ लिखता हॅु या फिर एक समयमें एक भाग या एक पन्ना लिखता हॅू। अगर आप यह सोचते है की आपके पास किसी कार्यको करनेका तरीका है तो आप उसे छोटे—छोटे हिस्सोंमें बाट ले और एक—एक करके उन्हे पुरा करे ताकि आप उसे आसानीसें पुरा कर सके। जब भी आप किसी बडे कार्यको पुरा करनेका प्रयास करते है तो उसे देखकर आपके मनमें डर आने लगता है क्योंकि वह काम काफी बडा होता है। इसलिए आप भी अपने कामोंको छोटे—छोटे भागोंमें बाट दिजीए। आप अगर कोई व्यापार शुरू करना चाहते है या फिर कोई किताब लिखना, तो आप अपने इस कार्यको छोटे—छोटे भागोंमें बाट दे और किसी छोटेसे और आसानसे भागको लेते हुए उसे सबसे पहले पुरा कर दे। और इस प्रकार धिरेधिरे सभी भागोंको पुरा करते हुए आप आसानीसे अपनी किसीभी बडे कार्यको पुरा कर सकते है। और इसी तरीकेके द्वारा आप अपने डरको दुर करते हुए अपने लक्षको प्राप्त कर सकते है।

अगर आप ऐसा सोचते है की आप सिर्फ व्यापार करना चाहते है लेकिन आपको यह नही पता की आप किसका व्यापार करे। आप यह नही समझ पा रहे है की आप किस प्रकार पैसोंको आकर्षित कर सकते है तो आप यह बात जान लिजिए की आपका पैसा आकर्षित करनेका सबसे अच्छा तरीका आपके ही मन में है। आप इस बातको स्वीकार नही कर पाते क्योंकि आप इससे डर जाते है।

मुझे याद है, एक बार एक कार्यक्रमके बाद मुझे एक व्यक्ती मिला जिसने मेरा प्रोग्राम सुना था। उसकी उमर कुछ ६५ साल होगी, उसका नाम …… ……….. था। उसने मुझसे कहा की मै भी पैसे कमाना चाहता हुॅ, पैसोको आकर्षित करना चाहता हूॅ, लेकिन मै यह नही समझ पा रहा की मै क्या करू। इसपर मैने उससे कहा की, उसे वही करना है जैसा मैने मेरे प्रोग्राममें कहा था। उसे वही करना है जिसमें उसका मन लगे। इसपर उस व्यक्तीने कहा की, वह नही जानता की उसके शॉक क्या है। इसपर मैने उससे पुछा की वह टाईम—पास के लिए क्या करता

है। तो उसने कहा की वह कुछ खास तो नही करता लेंकिन खाली समयमें उसे बागबानी करना पसंद है। इसपर मैने उससे कहा की, बागबानीही उसका शॉक है। वह बागबानीके बारेंमें कोई किताब लिख सकता है या फिर कोई प्रोग्राम बनाकर उसे बेच सकता है। वह ऐसी कोईभी वस्तु बना सकता है, जिससे की लोगोंको बागबानी करनेमें सहायता मिल सके। वह ऐसी कई वस्तुए लोगोको बता सकता है जिसके बारेमें लोग नही जानते। और इसी तरीकेसे वह पैसे आकर्षित कर सकता है।

मेरा यही मानना है की कोई व्यक्ती हो, किसीभी उमरका, किसीभी जगहसें या किसीभी प्रकारकी सोच रखनेवाले का कोईना कोई शॉक जरूर होगा। चाहे वह शॉक खेलना हो, पढाई हो, चित्रारी हो, संगीत हो, बोलना हो या लिखना हो। ऐसा कुछभी जिससें आपको आनंद मिलता हो, आप उसके द्वारा पैसोंको आकर्षित कर सकते है।

आप अपने शॉक के द्वारा पैसोंको आसानीसें इसलिए आकर्षित कर सकते है क्योंकि उस कार्यमें आपको आनंद आता है। इसलिए आप वही कार्य करे, जिसका आपको शॉक हो। अगर आपको अपने शॉकके बारेंमें नही पता तो आप शांतीसे बैठकर यह सोचे की आपको किन–किन वस्तुओंमें आनंद मिलता है। आपको बस यही सोचना है की आप किसप्रकार अपने शॉककी वस्तुकों एक आवश्यक वस्तुमें बदल सकते है। किसप्रकार आप अपने शॉकका इस्तमाल अपने व्यापारमें कर सकते है। हो सकता है आपको इस कार्यमें अपने किसी मित्र की या किसी ओर की सहायता लेनी पडे लेकिन आपको इस बातकों समजना होगा की आप हर कार्यको कर सकते है और आपका शॉकही आपके पास पैसोंकी ढेरी लगा सकता है।

हमे पैसे आकर्षित करनेके लिए अपने आसपासके लोगोंकी भी सहायता लेनी होगी या उनकी सहायता करनी होगी। क्योंकी हमारे आसपास अधिकतर लोग

नकारात्मक सोच रखते है। ऑफीसमें, बजारमें या ऐसी किसीभी जगहपर जहॉ लोग आपसमें मिलते है, वहा हम देखते है की अधिकतर लोग अपनेआपको दुखी समजते है और इन्ही लोगोंकी बाते सुननेके द्वारा हम खुदकेभी उत्साहको कम करने लगते है। इसिलिए आप अपनी सोचको सकारात्मक बनाए रखनेके लिए या अपने उत्साहको कायम रखनेके लिए अच्छी किताबे पढे, अच्छी बाते सुने जो आप इस किताबको पढते वक्त कर ही रहे है। इसलिए आप इसप्रकार लोगोके साथ अधिक चर्चा करना बंद कर दे। मै आपको यह बताना चाहुंगा के आप किसप्रकार इसप्रकार की चर्चासे बच सकते है। इसके लिए आपको नकारात्मक सोच रखनेवाले सभी लोगोको अनदेखा करना होगा, जिससे की वह आपके पाससे दुर चले जाए। अगर आप इन लोगोकी बजाए खुदपर ध्यान देंगे तो यह सब नकारात्मक शक्तीयॉ धिरेधिरे विलुप्त होने लगती है। अगर आप खुदकी सोचको बदलते है तो इस प्रकारके लोग अपने आप आपसे दुर चले जाते है। और इसके द्वारा आप अपने भितरसे उस नकारात्मक

शक्तीको निकालने लगते है, जिसके कारण यह लोग आपके आसपास है। हम यह भी कह सकते है की यह सारे दुखी लोग आपकी सोचका प्रतिरूपही है। इसलिए आपको सिर्फ अपनी सोचको बदलना है और आप पाएगे की आपके आसपासकी दुनिया भी अपने आप बदलती जा रही है। यह दुनिया भी काफी जादुई है। जब भी आप खुदको बदलते है तब यह अपनेआप आपके अनुसार ढलती जाती है। और आपके सामने एक बिल्कुल नयी और अच्छी दुनिया आपकी सहायताके लिए आपके साथ होती है। इसलिए आपको अपनी सोच बदलनी होती है क्योंकी जो नकारात्मक लोग आपके आसपास है वह वास्तवमें आपकी सोचही है, आपकी सोच ही उन लोगोंका रूप लेकर आपके सामने खडी हो जाती है।

आईए, मै आपको एक दिलचस्प कहानी सुनाता हुँ। यह कहानी मेरे जानकारीमें सबसे शक्तीशाली है। इसके बारें में अपने अधिकतर प्रोग्राममें बात करता हुँ। यह कहानी एक पागलोंके अस्पताल और एक डॉक्टर के बारे है। यह अस्पताल महाराष्ट्र

के एक कसबेमें था। उस अस्पतालकी हालत बहुतही अधिक खराब थी क्योंकि वहा कोई नौकरी नही करना चाहता था, वहा के स्टॉफ को बारबार बदलना पडता था। उस अस्पताल पर काफी आर्थिक बोज भी था क्योंकि वहापर जिन पागलोंको रखा गया था वे काफी हिंसक और चिडचिडे स्वभावके थे। वहा के स्टॉफको किसी कमरेमें भी जानके लिए काफी सर्तकता से दिवाल के सहारे जाना पडता था क्योंकी कोई पागल किसी भी वक्त हमला कर सकता था। वहा हर पागलको हर समय या तो बेडीयोसे बांधकर रखना पडता था या फिर उन्हे बेहोश रखना पडता था। उन लोगोंके इलाजके लिए एक डॉक्टरसें बात की गयी। उस डॉक्टरको उस अस्पतालके हालातके बारे में पहलेसे जानकारी थी। उन्होने वहा जानेके लिए एक शर्त रखी की वे वहा जानेके लिए तो तैयार है लेकिन वे वहापर किसी भी पागलसे किसीभी प्रकारका शारीरीक मेल—मिलाव नही करेंगे और ना ही उनसे सिधे जाकर मिलेंगे। वे अपनेही तरीकेसे उन पागलोंका इलाज करना चाहते है। उनकी इस शर्तपर अस्पताल प्रबंधनको किसीभी

प्रकारकी आपत्ती नही हुई और उन्हे उनकी सारी शर्तोके साथ उस अस्पतालमें कार्यरत कर दिया गया।

वह डॉक्टर रोज सुबह अस्पताल जाते और किसीभी पागलसे मिलने की बजाए खुदको अपने कमरेमें बंद कर लेते और उन सभी पागलोके एक–एक करके रिकॉर्ड चेक करते। वे हरएक पागलका रिकॉर्ड देखते हुए उस पागलके दर्दको, उसके गुस्सेको, उसकी नफरतको और उसके बर्तावको खुद महसुस करते। उन्होने कभीभी किसीभी पागलसें मिलने की कोशिश नही की और ना ही उनका इलाज किया। उन्होने वहा जाकर किसीभी पागलको ठीक करनेका प्रयास नही किया। वे तो हररोज सुबह अस्पताल जाकर खुदको कमरेमें बंद कर देते और पागलोके रिकॉर्ड को देखते और उनके दर्द को महसुस करते थे। और उस दर्दको महसुस करते हुए वे पुरे दयाभाव से सिर्फ चार वाक्यही बोला करते थे और यह वाक्यभी उनके खुदके लिए कहते थे।

जब मैने इस कहानी के बारे में सुना, तब मुझे उसके उपर यकीन नही आया। मै यही सोच रहा था की क्या यह संभव है। मैने बहुतसारी ऐसी कहानीयॉ सुनी है जिसमें अपनी सोचको बदलनेसे जिवनमें काफी बदलाव आये है और कई ऐसे लोगोंसे भी मिला हुॅ जो अपनी सोचके सहारे काफी आगे निकल चुके है लेकिन मैने ऐसा कही नही देखा या सुना था की कोई डॉक्टर बिना किसी पागलसें मिले, सिर्फ उनके रिकॉर्ड देखकर और सिर्फ चार वाक्य बोलकर किसी पागलको ठीक कर सकता है। लेकिन यह कहानी संमोहनिय इसलिए बन जाती है क्योंकि इसिके द्वारा सिर्फ पागलोंके रिकॉर्डको देखकर और चार वाक्योंको बोलकर वह डॉक्टर धिरेधिरे उन पागलोंको ठीक करते जा रहे थे। वे पागल वास्तवमें ठीक हो गए थे। धिरेधिरे कुछही महिनोंमें अधिकतर पागलोंको बांधकर या बेहोश रखने की जरूरत नही रही। एक ही साल के भितर वहाके कर्मचारीयोंको वहा रहना और कार्य करना पसंद आने लगा क्योंकि अब वहाका माहोल काफी खुशमिसाज हो गया था। और काफी सारे दुसरे डॉक्टरभी वहा काम करनेके

लिए आकर्षित होने लगे और उस डॉक्टरके आनेके कुछ ४ साल बाद वह अस्पताल बंद हो गया क्योंकि वहाके सारे पागल बिल्कुल स्वस्थ होकर अपने घर जा चुके थे। यह एक चमत्कारी तरीका था जो उस डॉक्टरने अपनाया जिसमें वह उन पागलोंकी बजाए सिर्फ खुदका इलाज करते रहे जिसके द्वारा सारे पागल ठीक होते चले गए।

मैने उस डॉक्टरको ढुंढनेकी काफी कोशिश की और अंतमें मैने उन्हे ढुंढ ही लिया। उनका नाम डॉ. इम्तियाज हुसैन था। मै जानता हुॅ की आप उनके नामसे ज्यादा उनके उन ४ वाक्योंके बारेमें जानना चाहेंगें। वे अपने मनमें पुरे दया भावसें प्रार्थना करते थे और कहते थे ''मै तुमसे प्यार करता हुॅ, मुझे माफ करना, मै अपनी गलतियोंके लिए आपसे क्षमा चाहता हुॅ और मै आपका धन्यवाद करता हुॅ।'' ''मै तुमसे प्यार करता हुॅ, मुझे माफ करना, मै अपनी गलतियोंके लिए आपसे क्षमा चाहता हुॅ और मै आपका धन्यवाद करता हुॅ।'' वह डॉक्टर अपने

जरूरतके मुताबीक इन वाक्योंको उपर निचे करके कहते थे, वे कभी उन वाक्योंको तेजीसे कहते या कभी धिरेधिरे, कभी धिमी आवाज में तो कभी जोर से। लेकिन वे हर समय इन वाक्योंको बोलते रहते थे। उन्होने किसीका भी इलाज करनेकी कोशिश नही की, उन्होने सिर्फ उन पागलोंके दर्दको महसुस किया और इन ४ वाक्योंका प्रयोग किया।

अब मै आपको बताता हुँ की इस तरीकेने काम किस प्रकार किया है। उस डॉक्टरने अपने आसपास हो रहे सभी वस्तुओंको और सभी पागलोके पागलपनके लिए खुदको जिम्मेदार बना दिया। वे जानते थे की सच्चाई क्या है। इसलिए उन्होने अपने आसपासकी हर नकारात्मक वस्तुके लिए खुदको दोषी ठहराया और इन ४ वाक्योंके द्वारा खुदका इलाज किया। आपने भी यह कईबार महसुस किया होगा की अगर आप सोचते है की आपका कोई सहकर्मी आपके साथ कुछ बुरा करनेवाला है तो वह आपके साथ वास्तवमें हो जाता है क्योंकि आपने यही सोचा था और आपकी सोच ही उस

सहकर्मीके रूपमें आपके सामने आ गयी। आप खुदही अपनी सोचके द्वारा अपने आसपासके संसारको बनाते है और आपके साथ अभी जो भी हो रहा है वह और कुछ नही बस आपकी सोच है।

इन्ही सब बातोकों जानते हुए डॉ. हुसैन ने अपने आसपासकी हर वस्तुके लिए खुदको जिम्मेदार माना, उन्होने उन पागलोंके पागलपन, हिंसात्मक रवैये और चिडचिडेपन के लिए भी खुदको जिम्मेदार ठहराया। क्योंकी वे जानते थे की, इन पागलोंका इलाज किसी दवासे नही किया जा सकता इसके लिए उन्हे उनके भितरसें उनका इलाज करना होगा लेकिन उनके हिंसात्मक रवैयोंके कारण यह भी संभव नही था। इसलिए डॉ. हुसैन ने एक बिल्कुलही अनोखा तरीका निकाला और सभी पागलोंके पागलपन के लिए खुदको दोषी ठहराते हुए सिर्फ खुदका इलाज किया। वे जानते थे की, किसीभी प्रकारकी चिकीत्साके द्वारा वे खुदका इलाज नही कर सकते, उनका इलाज सिर्फ प्रार्थनाके द्वाराही किया जा सकता है। इसलिए डॉ. हुसैन सिर्फ उन पागलोंके रिकॉर्डको देखते और

उनही तकलीफोको महसुस करते हुए प्रार्थना करते और कहते, ‘‘मै तुमसे प्यार करता हुॅ, मुझे माफ करना, मै अपनी गलतियोंके लिए आपसे क्षमा चाहता हुॅ और मै आपका धन्यवाद करता हुॅ।’’ इस तरीकेके द्वारा उन्होने ना सिर्फ अपने आसपासकी नकारात्मक शक्तीयोंको दुर किया बल्कि अपने भितरकी सारी बुराईयोंको भी दुर करते गए। जब उनके भितरसें सारी बुराईयाॅ कम होती गयी वैसेही उन पागलोंका पागलपन भी कम होता गया और धिरेधिरे वे सब ठीक होने लगे।

चलिए, अब मै आपको इन ४ वाक्योंका अर्थ बताता हुॅ। जब भी आप कहते है की, ‘‘मै आपसे प्यार करता हुॅ’’ यह वाक्य काफी शक्तीशाली है क्योंकी यह आपको सिधे ईश्वरसें जोडता है। अगर आप अपने जिवनमें कुछ हासिल करना चाहते है, पैसोंको आकर्षित करना चाहते है तो इसके लिए सबसे आसान तरीका यही है की आप खुदको ईश्वरके हवाले कर दे। जब भी आप कहते है की,

‘‘मै आपसे प्यार करता हुॅ’’ तब आप ईश्वरके और करीब होते जाते है।

जब आप कहते है की, ‘‘मुझे माफ करना’’ तब आप अपने अंर्तमनसे माफी मांगते है। आप माफी मांगते है क्योंकी आप यह नही जानते की आपके जिवनमें क्या चल रहा है, आप क्या सोचते है, आपके पास वह वस्तुए नही है जो आप चाहते है और आपको नही पता की आप अपने मनचाही वस्तुओंको कैसे हासिल करे। आप अपनी इन्ही सब गलतियोंके लिए अपने अंर्तमनसे माफी मांगते है और कहते है, मुझे माफ करना।

जब आप कहते है की, ‘‘मुझे अपनी गलतियोंके लिए क्षमा करना’’ तब आप अपनी पिछली गलतियोंके लिए अपने आपसे माफी मांगते है। आप क्षमा चाहते क्योंकि आपने अपनी सोचपर ध्यान नही दिया, आपने अपने आपको नही बदला, आपने ऐसी कई गलतिया की जिसके कारण आप आज पैसे नही कमा पा रहे है और आप चाहते हुए भी पैसोंको

आकर्षित नही कर पा रहे। और इसलिए आप अपने आपसे क्षमा चाहते है।

जब आप कहते है की, ‘‘मै आपका धन्यवाद करता हुॅ’’ तब आप खुदका और अपने मनका धन्यवाद कर रहे होते है क्योंकी आपनेही खुदको संभाला जब आप गलत सोच रहे थे, आप धन्यवाद करते है अपने जिंदगीको, आप उस हर वस्तुका धन्यवाद करते है जो आपके आसपास है। आप अपनें शरीरका धन्यवाद करते है जिसनें आपका हर समय ख्याल रखा। आप धन्यवाद करते है ताकि आप उनका आभार व्यक्त कर सके। इसीप्रकार इन ४ वाक्योंको बारबार दोहरानेसे आप अपने मनको शुद्ध बनाते है और भितरसें सारी नकारात्मक शक्तीयोंको दुर कर देते है।

अपने मनको साफ करनेके लिए यह सबसे अच्छा तरीका है। आपको बस कहना है, ‘‘मै तुमसे प्यार करता हुॅ, मुझे माफ करना, मै अपनी गलतियोंके लिए आपसे क्षमा चाहता हुॅ और मै आपका धन्यवाद

करता हुँ।'' यही ४ वाक्य आपको वह सबकुछ दीला सकता है, जो कुछ भी आप चाहते है। मै भी हर समय इन वाक्योंको दोहराता रहता हुँ। इस वक्त, इस किताबको लिखते हुए भी मै अपने मनमें इन वाक्योंको बारबार दोहरा रहा हुँ। क्योंकी मै नही चाहता की, मेरे अंदर किसी भी प्रकारकी नकारात्मक शक्ती आए जो मेरे द्वारा आपको पैसा आकर्षित करनेमे बाधा उत्पन्न करे। मै इन वाक्योंको बारबार दोहरा रहा हुँ ताकि मै और आप दोनोभी अपने शुद्ध मनसे अपने लक्षको हासिल करे।

अब अगले २० मिनट हम लोग इन्ही ४ वाक्योंको बारबार दोहराएंगे। मै इन वाक्योंको अगले २० मिनट तक बारबार कहुंगा और आपको भी मेरे साथ इन वाक्योंको बिल्कुल शांत होकर मेरे साथ—साथ दोहराना है। आपको अपने मनसें सभी प्रकारके ख्याल निकाल देने है। अपने आपको बिल्कुल शांत करके इन वाक्योंको दोहराना है। आप इन्ह वाक्योंको कभीभी कह सकते है। आप अपनी गाडी चलाते हुए भी, अपनी ऑखे खोलकर इन वाक्योंको बारबार

कह सकते है। आपको बस इसी बात का ध्यान रखना है की यह वाक्य आपके दिलसे निकले और अगर आप घरपर बैठे है तो किसी शांत जगहपर जाकर मेरे साथ अगले २० मिनटतक इन वाक्योंको दोहराए। आप जब चाहे जब इन वाक्योंको दोहरा सकते है। लेकिन अभी मेरे साथ आपको इन वाक्योंको अगले २० मिनटतक बारबार कहना है। जब आप इन वाक्योंको बारबार कहेंगे तब आप महसुस करेंगे की आप ईश्वरसे जुडते जा रहे है और आप अपने भितरसे खुशी महसुस कर रहे है।

यह इस प्रकरण का अंतिम भाग है। इसके बाद मै आपसे अगले प्रकरण में मिलुंगा। आपको बस अगले २० मिनिट तक इस बिल्कुल शांत होकर इन वाक्योंको बारबार कहना है।

‘‘मै तुमसे प्यार करता हुॅ, मुझे माफ करना, मै अपनी गलतियोंके लिए आपसे क्षमा चाहता हुॅ और मै आपका धन्यवाद करता हुॅ।’’

‘‘मै तुमसे प्यार करता हुॅ, मुझे माफ करना, मै अपनी गलतियोंके लिए आपसे क्षमा चाहता हुॅ और मै आपका धन्यवाद करता हुॅ।’’

२० मिनट तक कहते जाना है।

प्रकरण १२

नमस्कार, मै १२वे प्रकरण में आपका स्वागत करता हुॅ। इसमें मै आपको पैसे आकर्षित करनेकी कुछ ऐसी तरकीबे बताउंगा, जिसने मेरी भी पैसे आकर्षित करने में बहुत सहायता की थी। इनके द्वारा आप किसी भी प्रकार के माहोल में तेजीसें पैसे आकर्षित कर सकते है। चलिए सबसे पहले मै आपको बताता हुॅ की आप अपनी संपन्नता को स्थिर कैसे रख सकते है। इसके लिए आप उन लोगोका उदाहरण ले सकते है जो आज संपन्न है और जिन्होने अपनी संपन्नता को बनाए रखा है। आप उन लोगों के तरीकों को इस्तमाल कर सकते है। आप यह देख सकते है की उन्होने किस प्रकार अपने जिवन में पैसें को आकर्षित किया और किस प्रकार उन्होने पैसें को अपने पास स्थिर रखा। आप उन तरीकों को देखे, समजे और अपनाए। इसके लिए आप उनके जिवन चरित्र को पढ सकते है। उनकी सभी अच्छी बातोको अपने जिवन में अपना सकते है। आप ऐसी कई किताबो की सहायता ले सकते है

जिन में यह बताया गया है की, किस प्रकार इन लोगो ने अपने संपन्नता को बरकरार रखा। मै आपको एक—एक करके कुछ किताबों के नाम बताउंगा, जिससे की आपको इन संपन्न लोगोके बारे में जानने में सहायता मिलेगी। इन किताबों ने जिस प्रकार मेरी सहायता की है, उसी प्रकार इन्हे पढकर आप भी मेरी तरह पैसें को आकर्षित कर सकते है।

सबसे पहले किताब है, ''स्पीरिच्युअल इकोनॉमीक'' जिसे एरिक बटरवर्थ ने लिखा है, इस किताब ने मेरी पैसें को आकर्षित करने मे बहुत सहायता की है। आज भी यह किताब मेरी बुक शेल्फ में रखी है और मुझे जब भी वक्त मिलता है, मै इसे अवश्य पढता हुॅ। एरिक बटरवर्थ के द्वारा ओर भी कई किताबे लिखी गयी है, जो पढने लायक है।

एक ओर किताब है, ''आस्क ॲन्ड इट इज गीवन'' जिसे २ लेखको ने मिलकर लिखा है, जिनका नाम है, जेरी और इस्टर हाईक्स। इस किताब में दिए गए

सभी सुझाव को अपनाए जो आपको पैसे आकर्षित करने में काफी मदद कर सकता है।

अगली किताब है, ‘‘वाय इज थीज हॅपनींग टू मी’’ जिसे माईकल राईसने लिखा है। इसके द्वारा आपको अपनी सोचको समजने में सहायता मिलती है। यह मेरी उन सबसे अच्छी ५ किताबों में से एक है, जो मैने अपने जिवनमें पढी है। इसी किताबने मुझे यह समजाया की मै किस प्रकार अपनी सोचको समज सकता हुॅ। इस किताब के द्वारा आप यह समज पायेंगे की जिवन बदलाव का नाम है। आप अपने आप में कुछ बदलाव करके ही ना सिर्फ पैसें को आकर्षित कर सकते है, बल्कि अपने जिवन के हर क्षेत्र में उच्चाईयॉ प्राप्त कर सकते है। इसलिए मै चाहता हुॅ के आप ‘‘वाय इज थीज हॅपनींग टू मी’’ को एक बार अवश्य पढे।

और भी कई लेखक है जैसे रिचर्ड ब्रानसन, डॉनल्ड ट्रम्प और डॅन कॅनडी। डॅन कॅनडी एक बीझनेस एक्सपर्ट है। उन्होने कई किताबे लिखी है,

जिनमें से एक है ‘‘नो, बी अस गाईड’’ जिसके द्वारा आपको एक व्यापारीकी तरह सोच अपनाने में सफलता प्राप्त कर सकते है।

मैने सब से पहली किताब पढी थी, जिसने मेरा दृष्टिकोन बदला और मेरे जिवन को पुरी तरह बदल गया। वह किताब थी, ‘‘मॅझीक ऑफ बिलीव्हींग’’। इसे क्लॉड ब्रिस्टल ने १९५० में लिखा था, जो काफी मशहुर हुई थी। मै खुद इस किताब को कमसे कम १५ बार पढ चुका हुॅ, मै चाहता हुॅ की आप भी इस किताब को अवश्य पढे। इस किताब में यह बताया गया है की किस प्रकार आप जिस चीजमें विश्वास करते है, उसे कैसे अपने जिवन में आकर्षित कर सकते है। इसके द्वारा आप यह समज पायेंगे की, आप अगर विश्वास करते है की आप पैसो को आकर्षित कर सकते है तो आप अवश्य ही पैसें को आकर्षित कर पायेंगे।

कही ओर किताबे है जैसे ‘‘हाउ टू गेट रिच’’ जिसे फिलीक्स डेनेस ने लिखा है। एक और किताब है, ‘‘कस्टमर बॉर्न एव्हरी मिनिट’’ जिसे जो व्हिटाले ने लिखा है। इस किताब में कई ऐसे तरीके बताए गए है जो आप यह समज पायेंगे की आप अपना व्यापार कैसे आगे बढा सकते है। अगर आप पैसें को आकर्षित करना चाहते है, संपन्न व्यक्ती बनना चाहते है तो आपको एक व्यापारी की तरह सोचना होगा। ‘‘कस्टमर बॉर्न एव्हरी मिनिट’’ आपकी इस कार्य में सहायता कर सकती है।

एक और किताब है, ‘‘सो, वाय आरंट यु रिच’’ जिसे डॅरल्ट रूथाफोने लिखा है। जिसके द्वारा आप यह जान सकते है की आपके भितर ऐसी कोन कोन सी बातें है जो आपको पैसे आकर्षित करने में बाधा उत्पन्न कर रही है।

एक और किताब है, ‘‘थिंक अॅन्ड ग्रो रिच’’ जिसे नॅपोलियन हिलने लिखा है। अगर आप में अभी तक यह किताब पढी है तो यह समय है इस

किताब को पढने का। इस किताब को पढने के बाद न जाने कितने लोग पैसें को आकर्षित करनें में सक्षम हो पाए है। इस किताब ने इतिहास में अपनी एक अहम जगह बनाई है। आप इस प्रकार की किताबों को ले और उसे पढे। कई ऑडिओ और व्हिडीओ प्रोग्राम भी है जिने आप देख सकते है। आपको इस किताब में बताई गए सुझावों को पढना है और उसपर अमल करना है। जो आपको पैसें को आकर्षित करनें में सहायता कर सकती है।

अध्याय २

जैसे की आपने कई किताबों के बारे जाना है उसी प्रकार आप कई ऑडीओ प्रोग्रामों की भी सहायता ले सकते है। कई प्रोग्राम मेरे द्वारा ही बनाए गए है जिसके बारे में जानकारी आपको मेरी वेबसाईट पर मिल सकती है। मेरी वेबसाईट का अॅडरेस है www.santoshparab.com आपको मेरी वेबसाईटपर कई प्रकार के प्रोग्राम और सजेशन्स की ऑडिओ सी.डी. के बारे में जानकारी मिल जाएगी। आप मेरी वेबसाईट पर जाए और अपने जरूरत के अनुसार प्रोग्रामको चुने और उसे सुने।

एक और प्रोग्राम है जिसे मैने नही बनाया लेकिन वह काफी लाभदायक है जिसका नाम है, ‘‘वेल्थ मॅगनेट’’ जिसे डॉली ड्ाउजे ने बनाया है। मैने कई बार इस प्रोग्राम को सुना है। इस प्रोग्राम में आपको अपने सोच को बदलने के बारे में जानकारी दी गयी है। इस में आप यह समज पायेंगे की सिर्फ अपनी

सोचको सकारात्मक बनानें से आप आसानीसें पैसें को और सफलता को आकर्षित कर सकते है।

अगला प्रोग्राम है, ''ट्रान्सफॉर्मिंग डेट इन टू वेल्थ सिस्टम'' जिसे जॉन कॉमुटर ने बनाया है। इस प्रोग्राम में आपको अपने कर्ज से मुक्ती पा कर संपन्नता हासिल करने के रहस्यके बारे में जानकारी दी है। ऐसे कई और भी प्रोग्राम है जिसे आप सुन सकते है, और कुछ मैने अभ्यास पुस्तिका में भी दिए है, उनमें सें कुछके नाम मै आपको अभी बताना चाहुंगा। जिनमें से एक है, ''चेंज यॉर बिलींव्ह अॅन्ड चेंज यॉर लाईफ'' यह नाईक हॉल द्वारा बनाया गया सबसे मशहुर प्रोग्राम है। इस प्रोग्राम में आपको ऐसे ७ तरीके बताए गए है जिसके द्वारा आप यह समज सकते है की आप किस पर विश्वास करते है।

एक और प्रोग्राम है ''यॉर ईनर अवेकनींग'' जिसे ब्रायन कॅडी ने बनाया है। यह प्रोग्राम काफी प्रोत्साहन भरा है। मै यह समज सकता हुॅ की अभी आप क्या सोच रहे होंगे। आप यही सोच रहे होंगे

की इतनी सारी किताबे और प्रोग्राम को किसप्रकार खरीदा जाए लेकिन आपको इन्हे खरीदने की बजाए किसी लाईब्ररी में जाकर इन्हे पढ और सुन सकते है, अगर आप इन्हे खरीद सकते है तो आप इन्हे खरीदे और बारबार पढे। इन्हे बारबार पढने और सुनने सें आप अपने दिमाग को फिरसे सुयोजित करते है और अपने आपको और अपनी सोच को नयी उच्चाईयों तक पहुचाने लगते है और अपने पास पैसें की ढेरी लगा सकते है।

अध्याय ३

अब आगे बढते हुए मै आपको व्यापार करनेकी नयी तकनीक बताउंगा। मै कई बार ऐसे लोगोंसे मिला हुॅ जो मार्केटिंगको सही नही समजते, वे वस्तुओंको बेचना या प्रचार करना नही चाहते। ऐसे लोगोंसे मै हमेशा यही पुछता हुॅ की वे पैसोंको लेकर क्या सोच रखते है। जो लोग पैसा कमाना चाहते है, वे मार्केटिंग करनेसे कभी नही कतराते। अपनी वस्तुका प्रचार करना और उसे बेचना यह २ ऐसे हथियार है जिसके द्वारा आप आसानीसे और जल्दी पैसा आकर्षित कर सकते है। आज मै आपको पैसा आकर्षित करनेकी ऐसी तरकीब बताउंगा जो आपकी मार्केटिंगको लेकर सोचको पुरी तरह बदल देगी। इस तरीकेके अनुसार ‘‘आपको अपनी वस्तुएके प्रति लगावको अपने ग्राहकोतक पहॅुचाना होगा।’’ इसका मतलब है की आप अपनी वस्तुओंके प्रति जो विश्वास और स्नेह रखते है, आपको वही विश्वास और स्नेह अपनी वस्तुओंके लिए अपने ग्राहकोतक

पहुचाना होगा, जिससेकी वे भी आपकी वस्तुओंके प्रति आकर्षित हो।

कई लोग मार्केटिंगको पसंद नही करते क्योंकि वह लोग सोचते है की वे इसे ढंगसे नही कर पाएगें और उनके विचार आपसमें मेल नही खा पायेंगें। हकीकत यह है की वे लोग अपनी वस्तुओंका प्रचार गलत लोगोंके सामने करते है। जो लोग आपकी वस्तुओंकी आवश्यकता नही समजते या उसे पसंद नही करते वे स्वाभाविकही उसे नही खरीदेंगें। और इन लोगोंके नकारात्मक उत्तरोंके कारण वे लोग बुरा अनुभव करते है और मार्केटिंगको गलत समजते है। या फिर कई लोग ऐसी वस्तुओंको बेचते है जिसपर वे खुद विश्वास नही करते और इसलिए वे सिर्फ उस वस्तुको बेचकर सिर्फ अपना काम खत्म करना चाहते है और इसी कारण वे अपने कामको भी ठीक प्रकारसे नही कर पाते।

अगर आप अपनी वस्तुओंके प्रति स्नेह और लगाव रखते है तो आप अपनी वस्तुओंके बारेंमें उन्ही

लोंगोंको बताते है जो आपकी वस्तुके बारेंमें जानना चाहते है। वे लोग काफी उत्सुकता पुर्वक आपकी बातोंको सुनते है और कुछ नया बताने के लिए आपका धन्यवाद करते है जिससे आपको प्रोत्साहन मिलता है जो आपको यह अनुभव करवाता है की पुरी दुनिया आपके साथ है और वह भी आपके वस्तुओंमें दिलचस्पी रखते है। इसके द्वारा आप वह सबकुछ हासिल कर सकते है जिसकी आपने कभी कल्पनाभी नही की होगी। यह तरीका आपको वह उच्चाईंयॉ हासिल करवाएगा जहॉ पहॅुचकर आप पैसोंको तीव्र गतीसे आकर्षित करेंगे।

यही वह तरीका है जिसके द्वारा आप यह समज पायेंगे की मार्केटींग करना कोई कठीन कार्य नही है और ना ही यह बुरा है, बल्की मार्केटींक करना आपका अपने वस्तुआंके प्रती स्नेह है जो आप अपनी ग्राहकोंतक पहुंचाते हैं। यही प्यार आपको आपके ग्राहकोंके मन में आपके वस्तुओंके प्रती विश्वास को जागृत करने में सहायता करता है। इसी के द्वारा वे लोग आपके वस्तुओं को पसंद करते है,

उन्हे खरीद ते है, और आपको उन वस्तु ओं के लिए पैसे देते है।

इसी के द्वारा आप काफी सरलतासे और तेजीसे पैसे बना सकते है, आप अपने मार्केटींग को लेकर सोच को बदल सकते है। यह तरीका मैने आपको आपकी अभ्यास पुस्तीकांमें भी दिया है। मै चाहता हूॅं के आप इसे पढे और इसके बारेमें और जाने और इसे इस्तेमाल करे।

अध्याय ४

अब मै आपको समय प्रबंधन के बारमें जानकारी दुंगा। समय प्रबंधन के द्वारा आपको पैसा आकर्षित करने में काफी सहायता मिल सकती है। मै भी इसे अपने जीवन में हर जगह इस्तेमाल करता हूॅ। रोज रात को सोने से पहले मै सूची बनाता हूॅ की मुझे अगले दिन क्या क्या करना है और इसिलीए मै अपने अगले दिन के कार्यों के लिए चिंता मुक्त हो जाता हूॅ। लेकीन इससे सिर्फ इतनाही फायदा नही होता बल्की यह आपकी कई वस्तुओंमें भी सहायता करता है। जैसे की, जब आप अपने अगले दिन की के कार्यों की सूची तैयार कर लेते है तो आप अपने अंतरमन से इन कार्यों को पूरा करने के लिए सही तरीके को अपनाने के बारेमें सोचने के लिए कहते है और आपको अगले दिन उठकर सिर्फ आपको उन तरीकोंपर अंमल करना है और अपने कार्योंको पुरा करना हैं। जब भी मै अपने अंतर मनको कुछ कार्य करने के लिए यह कहता हूॅ तो वह मेरे सोने के बावजुद भी कार्यरत रहता है और मेरे द्वारा बताये

गये कार्योको पुरा करता रहता है क्यो की अंतरमन कभी नही सोता और इसके द्वारा आप सोते वक्त भी अपने कई कार्योको पुरा कर सकते है। आपके सिर्फ हर रोज सोनेसे पहले अपने अगले दिनके कार्याकी सूची यातो याद कर लेनी है या फिर कही लिख लेना है।

इस बात को मै आपको एक उदाहरणके द्वारा समजाता हूॅ, मान लिजीए अगर मुझे अगले दिन उठकर कोई सेल्स लेटर लिखना है या फिर कोई इ मेल भेजना है तो मै उसे सोने से पहले अपने कार्योके सूची में लिख लेता हूॅ, मुझे एक ऐसा लेटर लिखना है, जिससे की मेरी सी.डी. का अच्छी तरह प्रचार हो पाये और मुझे कमसे कम ९५ प्रतिशत लोगोंसे सकारात्मक प्रतिक्रीया मिले। इसके बारमें मै आपसे आकर्षन तरीके में पहले भी कह चुका हूॅ। अपनी कार्योकी सूची बनाने के कारण मैने आपने अंतरमनको आदेशा देता हूॅ की उस लेटर के उपर कार्य करना आरंभ कर दे, जब तक मै सो रहा हूॅ। जब मै सुबह उठता हूॅ तो मै यह नही समज पाता

की मुझे क्या लिखना है, लेकीन जब मै अपने कॉम्प्युटर के सामने कि बोर्ड पर अपनी उंगलीयॉ चलात हूॅ तो मै काफी आसानीसे उस खतको अच्छी तरह पुरा कर लेता हूॅ क्यो की मेरे अंतरमन में रात भर उस खत के उपर कार्य किया है और उसके सभी पहलूंओं के बारेमें सोचकर सबसे अच्छे वस्तुए मुझे उस लेटर में लिखने में सहायता की है। यह तरीका है समय प्रबंधन का जिसके द्वारा आप अपने कार्योंको आसानीसे और सफलता पूर्वक पुरा करके पैसोंकाो आकर्षित कर सकते है।

अब मै आपको समय प्रबंधनका एक और आधुनिक तरीका बताता हूॅ। इसके अनुसार जब मै हर रोज रात को सोने से पहले अपने अगले दिनके कार्योंकी सूची बतनाता हूॅ तब मै एक और सूची बनाता हूॅ जो इस संसार के लिए होती है। मै समज सकता हूॅ की आपको यह बात थोडी अजीब लग रही होंगी, हो सकता है के आपको यह बात व्यर्थ लगे किंतू मेरा यकीन मानिये यह तरीका हमेशा

कार्य करता है। जैसे की मै आपने लिए सूची बनाता हूॅ की मुझे अगले दिन सुबह उठकर कोई लेटर लिखना है, किसीसे कोई आवश्यक बात करनी है, किसी मिटींग में जाना है, या कोई भी कार्य जो मुझे अगले दिन करना है मै उसकी सूची बना लेता हूॅ। यह सारे काम मै अपने अंतरमनसे बॉटता हूॅ ताकी मेरे सोते वक्त मेरा अंतरमन इन कार्योके उपर विचार करना शुरू कर दे ताकी मै अगले दिन मेरे इन सभी कार्योंको आसानीसे पुरा कर सकू। मै दुसरी सूची में इस संसार से प्रार्थना करता हूॅ की, वह मेरी सभी कार्योकों करने में मेरी सहायता करे। इस सूची में मै संसार के लिए कुछ कार्योंको लिखता हूॅ जो मुझे अपने कार्योकों पुरा करने के लिए आवश्यक है। उदाहरण के लिए अगर मेरी अगले दिन किसी प्रकाशक से किसी किताब को लेकर मिटींग है, तो मै संसार से यह प्रार्थना करता हूॅ की वह प्रकाशक मेरी किताब को अच्छी तरह समज पाये और मेरी किताब को प्रकाशीत करे जिऐ में पैसों को आकर्षित कर पाऊ।

इस तरीके के द्वारा मै आपनी इच्छा ओंको एक बोतल में बंद कर के फेक देता हॅू और यह संसार मेरी इन इच्छाओंको पुरा करने में मेरी सहायता करती है। इस प्रकार मै आपने कार्योको पुरा करने के लिए अपने अंतरमन और इस संसार की सहायता लेता हॅू जिससे मै अपने कार्योको अच्छी तरह पुरा कर पाऊ।

कई बार लोगोंने मुझसे पुछा है की, मै इतने सारे कार्य इतनी सरता पुर्वक कैसे कर लेता हॅू, मै यह तरीका आपके साथभी बाटॅूगा। मै हमेशा अपने सभी कार्योमेंसे सबसे पहले वही कार्य करता हॅू जो मुझे सबसे अच्छा लगता है, जो मुझे सबसे अधीक शक्ती देता है। जैस की इस वक्त इस किताब को लिखते हॅूए मुझे सबसे अधिक शक्ती और आनंद मिल रहा है इसलिए मै सबसे पहले इसी कार्यको पुरा करता हॅू। मै हमेशा अपने सभी कार्यो को एक एक करके उनकी शक्ती के अनुसार पुरा करता हॅू। मै अपने हर घंटेका पहलेसे ही नियोजन कर लेता हॅू जिस के द्वारा मै अपने सभी कार्योंको

समय पर पुरा कर सकू। हर व्यक्ती का अपना एक अलग तरीका होता है। जैसे की कई लोग सबसे पहले उस कार्याको पुरा करते है जो उन्हे बिलकूल पसंद नही। जिसके द्वारा वे अपने आप का आभार व्यक्त कर सके उस कार्य को पुरा करने के लिए। अगर आप किसी कार्य को खुद पुरा नही कर सकते तो आप अपने कार्य को एसे किसी व्यक्ती को सोंप दे जो आपके लिए उस कार्य को कर सके। उदाहरण के लिए हम सभी को टॅक्स भरना अनिवार्य है लेकीन मुझे टॅक्स भरना नही आता, मै आने टॅक्स की गणना करने में असुविधा होती है, इसिलीए मै अपने इस कार्य को ऐसे किसी व्यक्ती को सोंप देता हूॅ जिसे टॅक्स की गणना करने में आनंद मिलता हो और इसे आसानीसे पुरा कर सके। जब भी आप ऐसे किसी कार्यो को करते है जिस में आपको आनंद मिलता है तो उसे काफी आसानीसे और जल्दी पुरा कर लेते है और इसके द्वारा काफी लाभ भी पा सकते है।

जब भी आप ऐसा कोई कार्या करते है जो आप को पसंद नही करते तो आप उसे सफलता पुर्वक पुरा नही कर पायेंगे क्यो की आप उसमें आपकी पुरी शक्ती का इस्तेमाल नही कर पाते और आप उस कार्य में आनंद अनुभव नही करते, और यह संसार भी आपकी उस कार्यमें सहायता नही करता जिए कार्यमें आप खुश नही है। इसीलिए आप जिस कार्य को पसंद नही करते उसे किसी और को सोंप दे। यह समय प्रबंधक का बहुत ही महत्वपुर्ण तरीका है जिए के द्वारा आप अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते है और पैसो को ंआकर्षित कर सकते है।

अध्याय ५

अब मै आपको एक ऐसा तरीका बताने जा रहा हूॅ जो काफी महत्वपूर्ण है, मै इसके बारेमें में आपको पहले भी बता चुका हूॅ लेकीन इसके महत्व को समजते हूॅए मै आपको फिरसे एक बार इसके बारेमें बताना चाहूॅगा। इस तरीके में पांच चरण है, जो आपको पैसा आकर्षित करने में सहायता करेंगे। आप अभी इस किताब को पढ रहे है इसका मतलब यही है की आपने पिछले पॉचों भाग पढ लिए होंगे और उस में बताये गये तरीकों को अमल भी किया होंगा। आपके मन में अब यही बात होंगी की ''मै कौनसा व्यापार शुरू करू?, मै किसी व्यापार को शुरू करने के लिए क्या कर सकता हूॅ? या मै किस वस्तुका व्यापार करू? मै ऐसा क्या कर सकता हूॅ, जिससे मै पैसों को आकर्षित कर पाऊ''। आपके मन में इस प्रकारकी बाते इसलिए आ रही है क्यो की अभी आपको मन पुरी तरह इन तरीकों में नही ढला है, लेकीन इस तरीके द्वारा आपको अपने सभी सवालोंके उत्तर खोजन में काफी सहायता मिलेंगी।

आपने इस किताब के द्वारा अपने अंतरमन की सोच को काफी हद तक बदल दिया होंगा। लेकीन फिर भी अभी आपके मन मे यह सवाल हो सकता है की आप आगे क्या कर सकते है? तो इसके लिए मै आपको वह पॉच चरण बताने जा रहा हॅू जिससे के आप यह जान पायेंगे की आप क्या कारना चाहतो है। तो चलीए पहले चरण की और चलते है, जीसके अनुसार आपको यह सोचना है की आप क्या नही चाहते है, जैसे की अभी अपको अगर नही पता की आप क्या करना चाहते है तो आप अभी पहले चरण में है। आपको बस यही सोचना है की आप क्या क्या नही चाहते। आपकी यही जानकारी आपको दुसरे चरण में जाने के लिए सहायता करेंगी। अगर आप यह नही जानते की आप पैसे आकर्षित करने के लिए क्या कर सकते है? आप कोनसा व्यापर कर सकते है? किस प्रकार आप एक व्यापारी बन सकते है? अगर आप यह सब नही जानते तो आप इसे कही लीख ले। आप उन सीभी बातोंको सोचे जो आप बिलकूल नही

करना चाहते है। इसके द्वारा आपको यह समजनेमे सहायता मिलेंगी के आप क्या चाहते है जब आप दुसरे चरण में पहुंचेंगे। जब आप यह समज जायेंगे आप क्या क्या नही चाहते तो आपको यह स्पष्ट दिखने लगेंगा के आप आगे क्या कर सकते है।

दुसरे चरण में आपको यह सोचना है की आप क्या चाहत है। आप को उन सभी बातों को किसी जगह लिख लेना है जो कुछ भी आप चाहते है, जो आप सोचते है की आपके लिए अच्छा है और जिस कार्य को करने में आपको खुशी मिलेंगी। आप अपनी सभी इच्छाओं को पता करके यह समज पायेंगे की आप क्या चाहते है।

तिसरे चरण मै आपको उन सब बाधाओं को दूर करना है जो आपको अपने लक्षतक पहुचनेमें बाधा उत्पन्न करती है। आपको उन सब बातों को दुर करना है की, आप क्या करने जा रहे है? आप जो कर रहे है उससे आपको फायदा होंगा या नही? आपको अपने मन से इस प्रकारकी सभी बातों को

निकाल देना है, इसके लिए आप पिछले भगोंमे बताये गये तरीकोंको अपना सकते है। मैने आपसे एक तरीके के बारेमें बताया था जिसे कहते है ‘‘स्वयंको पहचाना’’। इसके अनुसार अगर आप कुछ गलत करते है, गलत फैसला लेते है, या फिर आप नही जानते की आप क्या कर सकते है? तो इसके लिए आप किसी बडी शक्तीसे सहायता मांग सकते है। इसके लिए आपको चार जादुई वाक्य बताये थे, जो है ‘‘मै तुमसे प्यार करता हुॅ, मुझे माफ करना, मै अपनी गलतियोंके लिए आपसे क्षमा चाहता हुॅ और मै आपका धन्यवाद करता हुॅ।’’ ‘‘मै तुमसे प्यार करता हुॅ, मुझे माफ करना, मै अपनी गलतियोंके लिए आपसे क्षमा चाहता हुॅ और मै आपका धन्यवाद करता हुॅ।’’

जब आप कहते है ‘‘मै तुमसे प्यार करता हुॅ’’ तब आप उस बडी शक्तीसे कहते है की, मै आप से प्यार करता हूॅ और आप मेरे साथ जो भी करेंगे वह मेरे लिए अच्छा ही होंगा, मै आपपे विश्वास करता हूॅ और आशा करता हूॅ की आप मेरे साथ है।

जब आप कहते है ‘‘मुझे माफ करना’’ तब आप अपनी किसी भी गलत फैसले या फिर किसी गलती के लिए आप उस बडी शक्तीसे क्षमा मांगते है। आप उन सभी बातों के लिए क्षमा मांगते है, जिस के लिए आप खुद को देशी समजते है। और जिस कारण आप वह सब कुछ हासिल नही कर पा रहे है जो कुछ भी आप पाना चाहते है।

जब आप कहते है की ‘‘मै अपनी गलतियोंके लिए आपसे क्षमा चाहता हुॅ’’ तो आप एक बार फिरसे अपनी सभी गलतीयों के लिए माफी मांगते है और अपेक्षा करते है की, उस बडी शक्ती में आपको माफ कर दिया और वह भी आपके साथ है।

और जब आप कहते है की ‘‘मै आपका धन्यवाद करता हुॅ।’’ तब आप उस बडी शक्ती को धन्यवाद करते है जिसने आपको सभी मुश्कीलोंसे बाहर निकाला और आपका उस समय साथ दिया जिस समय आप अत्यंत कठीन समयसे गुजर रहे थे।

आप इस प्रकार उस शक्ती का आभार व्यक्त करते जो आपको अपना लक्ष हासिल करने में सहायता करती है।

इन तरीकोंके द्वारा स्वयंको पहचान सकते है और अपने मन को शुध्द कर सकते है। अब चौथे चरण के अनुसार आपको यह महसुस करना है की, अगर आपको वह सब कुछ मिल जाय जो कुछ भी आप चहते है तो आप कैसा महसुस करेंगे। आप थोडी देर के लिए यह महसुस किजीए की आप अपने लक्ष तक पहुच चुके है। आप थोडी देर के लिए आखे बंद कर ले, लेकीन अगर आप अभी गाडी चला रहे है, तो सिर्फ अपने मन में यह बात सोचे के आप अपने लक्ष तक पहुच गये है। आपको उस आनंद को करना है जो आपको अपने लक्ष्य तक पहुंचनेपर होंगा। आपका यही अहसास आपको यह समजने में सहायकता करेंगा की आप ऐसा क्या कर सकते है की जिससे आप वास्तव में उस आनंद को महसुस कर पाय और यह जान पायेंगी की आप क्या करना चाहते है।

अध्याय ६

अब मै आपको एक ऐसा तरकीब बताने जा रहा हूॅ जीसके द्वारा आप आसानीसे अपने व्यापार को शुरू कर पायेंगे। इस बार मै आपको अपने अंतरमन को कुछ समजाने के बारेमें नही बात कर रहा हूॅ, इस बार मै आपको एक व्यापार करने का तरीका बता रहा हूॅ। आप किसी भी वस्तु से पैसेंको आकर्षित कर सकते है, आपको किसी भी चिज को बेच सकते हो, चाहे वह कोई वस्तु हो या आपकी कोई सेवा या काम। मै जिस तरीके के बारेमे बात कर रहा हूॅ उसे कहते है सेंलींग इन्फॉरमेशन। आप किसी भी प्रकारकी जनकारी को इन्टरनेट के द्वारा बेच सकते है। मै खुद इस प्रकारका व्यापर पिछले १५ सालोंसे कर रहा हूॅ, मैने इन्टरनेट पर कई किताबे और ऑडीओ प्रोग्रामस बेचे है। यह कार्य काफी आसान है और इसे आप भी आसानीसे कर सकते है। इसके लिए आपको बस अपने अनुभव और

अपने अभ्यास के द्वारा सिखी गई कोई भी वस्तु जीसमे आपको रूची हो और जिसे करनेमें आपको आनंद मिलता हो उस वस्तु को किसी प्रकारके इन्फोरमेशन मटेरीअल बनाकर उसे इन्टरनेट के द्वारा बेच सकते है। आपको अपनी वस्तु के प्रति दुसरें लोगोंको आकर्षित करना है और यह कार्य आप इन्टरनेट के द्वारा आप आसानीसे कर सकते है और इसके द्वारा आसानीसे पैसे आकर्षित कर सकते है।

आप मन पसंद वस्तु को किसी इन्फॉरमेशन मटेरीयल में बदलके उसे इन्टरनेट के द्वारा लोगोंतक पहुंचा सकते है और उन्हे अपनी वस्तुए बेंच सकते है। आपको उस वस्तु को करने में आनंद आता है इसलिए आप उस वस्तु को औरों से बेहतर तरीके से कर सकते है और उसे समज सकते है, उस वस्तु के बारमें आप औरोंसे ज्यादा जानते है। दुसरे लोग भी उस वस्तु के बारेमें जानना चाहते होंगे आप इस प्रकारके लोगों को आप अपनी ई बुक बेच सकते है ताकी वे भी उस वस्तु को अच्छी तरह समज पाये और उसे इस्तेमाल कर पाये। आप

अपनी वस्तु के बारमें ई बुक बनाये। ई बुक बननो के लिए आपको किसी प्रकार के खर्च की जरूरत नही है आप इसे अपने कम्प्युटरपर बना सकते है। आपको सिर्फ यह ध्यान रखना है की, आप ई बुक आसान शैली में बानाए ताकी आपके पाठकोंको आपकी बात समजनें में आसानी हो। और भी एक बात है की आप अपनी ई बुक को पी.डी.एफ. फॉरमेट में कन्व्हर्ट कर दे क्यो की यह एक आम वर्ड रिडर ॲप्लीकेशन है और अधिका तर लोगोंके पास यह सॉफटवेअर मैजूद होता है।

आप अपनी इस ई बुक को ऑडीओ प्रोग्राम बनाकर भी बेच सकते है, और जल्द ही पैसें आकर्षित कर सकते है। इन्टरनेट के द्वारा ई बुक और ऑडीओ प्रोग्राम बेचनेसे आपको यह फायदा होता है की, आपको इसके उपर बहुत ही मामुली खर्च आता है और इसमे कभी आपको अपने प्रोडक्ट के आऊट ऑफ स्टॉक होने की चिंता नही रहती।

अध्याय ७

अब मै आपको अपनी वस्तु के प्रचार करने के कुछ तरीके बतान चाहुंगा। मै आपको ऐसे तीन तरीके बताऊंगा जिसके द्वारा आप काफी सटीक तरीके सकेसे अपनी वस्तु का प्रचार कर पायेंगे। पहिला तरीका है की आप अपनी वस्तु को बॉटे। मै आपको आपकी वस्तु ये बाटने के लिए इसलिए कह रहा हूॅ क्यो की जब आप पहली बार अपनी वस्तु बाजार में उतारते है, तब ना कोई आपको जानता है और नाही आपके वस्तु के बारेमें। इसिलीए जब आप अपनी वस्तु को मुफ्त में बॉटते है तो हर कोई उसे लेना चाहता है और अपकी वस्तु के बारेमं जानना चाहता है। इसिलिए आप शुरूआत में अपनी वस्तुओं को बिना किसी पैसे लिये बॉटते है। आप शायद अब यही सोच रहे होंगे की आप इतनी मेहनतसे बनाई गई किताब को मुफ्त में कैसे बॉट दे। अगर आप ऐसा सोच रहे है, तो आप यह समज लिजीए की मुफ्त में बॉटने से भी आपको काफी फायदा हो रहा है। जब आप अपनी किताब किसी

को देते है तब आप उसकी ऐवजी में उसका नाम, पता, फोन और ई मेल अॅड्रेस लेते है। और इस प्रकार आप अपने ग्राहकोंकी एक सुची कर लेते है। इसे आपको और आपकी किताब दोनों को फायदा होता है। आप इसप्रकार अपनी किताब का प्रचार कर रहे होते है। जिससे लोग आपके बारमें जानने लगते है। जब आप अपनी कोई दुसरी किताब बनाते है। तब आपको अपने ग्राहकोंकी सुची तैयार करने की जरूरत नही होत और आप उसे अपनी पिछली सुची के लोगोंको बेच सकते है और पैसेंको आकर्षित कर सकते है।

दुसरा तरीका है की आप अपनी किताब को उन लोगोंके साथ मिलकर बेचे जिनके पास पहलेसे अपने ग्राहकोंकी सूची तैयार हो। आप उन के साथ उस किताब की किमत का आधा आधा हिस्सा बॉट सकते है। अधितर लोग अपनी नयी वस्तुओंको बेचने के लिए इसी तरीके का सहारा लेते है। जैसे की अगर आप कोई किताब बनाते है और उसकी किंमत २०० रूपये तय करते है तो आप

१००—१०० रूपये आपस में बॉट ले। लेकीन ऐसे किसी व्यक्ती को चुनते समय आपको इस बात का ध्यान रखना है की वह व्यक्ती आपकी किताब के विषय की ही किताबे बेचता है। जैसे की अगर आप संगीत पर कोई किताब लिखते है तो आपको अपनी किताब बेचने के लिए ऐसे किसी व्यक्ती को संपर्क करना होंगा जो संगीत के किताबोंका व्यवसाय करता हो, जीस को संगीत की जानकारी हो और वो आपके लिए आपकी किताब का प्रचार कर सके क्यो की उसके पास ऐसे ग्राहकोंकी सुची होंगी जो संगीत में रूची रखते है।

तीसरा तरीका है की आप मिडीया की सहायता ले, आप अपनी किताब का प्रचार मिडीया के द्वारा आसानीसे और सटीक ढंगसे कर सकेते है। यही वह तीन तरीके है जीन के द्वारा आप अपनी वस्तुओंका प्रचार आसानीसे करके उन्हे बेच सकते है और पैसेंको आकर्षित कर सकते है।

मैने आपको जो अभी तिसरा तरीका बताया था जीस में आप मिडीया के द्वारा अपनी वस्तु का प्रचार कर सकते है, आप अपनी वस्तु को समाचार के माध्यम से प्रचारीत कर सकते है। अधिकतर लोग अपनी वस्तु का प्रचार करने के लिए समाचार का सहारा नही लेते क्यो की वे इसके बारेमें ठिकसे नही जानते। लेकीन मै खुद इस बातका सबुत हूॅ की समाचार के माध्यम से आप अपनी वस्तुओं का प्रचार काफी अच्छी तरह कर सकते है, मै खुद इस तरीके को पिछले १६ वर्षोसे इस्तेमाल कर रहा हूॅ। अधिकतर पत्रकार कोई ना कोई नयी कहानी की तलाश मे हमेशा रहता है। आप अपनी वस्तु के द्वारा उन्हे एक नयी कहानी देते है और वे आपको आपकी वस्तु को प्रचार करन में आपकी सहायता कारते है। इस प्रकार आप दोनो ही लाभ उठा सकते है और आप अपने प्रशंसकोंको अपनी पुस्तक बेंचकर ढेर सारा पैसा आकर्षित कर सकते है।

प्रकरण १३

अब इस किताब को अंतिम चरण पर लाते हूॅए हम एक एक्साईज करते है, इसे मै ‘‘म्गमतबपेम वित म्दजमतचनदमत डपदकेमज’’ कहता हूॅ। इसे आपको अपने घर में किसी शांत जगह पर बैठकर चिंता मुक्त होकर पढना है और अपने आपको बिलकुल शांत करके सिर्फ उन बातोंपर ध्यान देना है जो मै आपको इस एक्सरसाईज में कहूंगा।

आप अभी एक आरामदायी खुर्सी पर बैठे है, आप गहरी सांसे ले रहे है और धिरे धिरे छोड रहे है, आप अभी एकदम शांत है, आपको कही नही जाना, आपको और कोई काम नही है, आप बस बिलकुल शांत होकर मेरी बातोंको पढ रहे है। आपने अपने मन को खुद के उपर केंद्रीत कर लिया है आप बिलकूल धीरे धीरे और शांत होकर सांसे ले रहे है और उसे छोड रहे है। आपको शांत होकर उन चिजों के बारेमें सोचना है जो आप चाहते है, आप जो

चाहते है वह कुछ भी हो सकता है, कोई भी पॉच चिजे जो आप चाहते है, आपकी कोई आदत या ऐसा कोई काम जिसे आपको आनंद मिलता हो और जो आपको बहुत पसंद हो। आपको इन कामों को अपने मन में आने देना है, और उसे अपने मस्तीष्क में बहने देना है, आप किसी भी काम को सही या गलत ना समझे बस उसके बारेमें सोचे, चाहे वह कुछ भी हो, कोई शक, कोई तसवीर या आपकी कोई इच्छा आप चाहे तो इन सब वस्तुओं को अपनी पुस्तकामें लिख सकते है। अब यह देखीये की उन पॉच कामोंसे ऐसा कोनसा काम है जो आपको सबसे अच्छा लगता है, जो आपको सबसे अधिक शक्ती प्रदान करता है, आप उस काम को अपनी सूची में सबसे उपर लिखे। अगर आपके मन में ऐसी एक से अधिक बातें आ रही हो तो आप उन सभी बातों को प्रथम स्थान पर रख सकते है। अब आप यह सोचे की आपको उस पहले कार्य से क्या आप कोई व्यवसाय शुरू कर सकते है, क्या आप उस काम को किसी जानकारी देने योग्य वस्तु में बदल सकते है जो और की मदद

कर सके। हो सकता है की आपके पहले कार्य के द्वारा आपको व्यवसाय करने का कोई तरीका ना मिले लेकीन आपकी सूची में दो तीन कार्यो को मिलाकर आप कोई ना कोई आवश्यक वस्तु बना लेंगे। या फिर आप अपने पहले कार्य को अपने दुसरे कार्यसे मिलाकर देखे, या फिर तिसरे कार्यसे या फिर चौथे। आपको इस कार्यमें काफी आनंद आयेंगा और आप इससे अपने मस्तिष्क की कार्यक्षमता को भी बढा सकते है। आप उसके द्वारा व्यापार करने के कई नये तरीके भी खोज सकते है। आप इन तरीकों को लिख सकते है, या फिर सिर्फ अपने मन में उसके उपर विचार कर सकते है। आपको यही सोचना है की, आप ऐसा क्या कर सकते है जो कार्य दुसरों को सहायता करे और आपको पैसे आकर्षित करने में मदद करे। आपको अपनी ऐसी किसी आदत या अनुभव के बारे में जानना है जिस में आप औरोंसे अधिक सक्षम है, जो आप करना पसंद करते है और जिसे आप दुसरो को सिखा सकते है। आप अपनी दो अलग अलग कार्योंको मिलाकर अपने किसी कार्य को और बेहतर

बना सकते है या फिर किसी बिलकूल ही नये कार्य को जन्म दे सकते है।

आप इस वक्त अपने मन को बिलकूल शांत कर ले और सभी संभावनाओं के बारे में बिलकूल शांती से सोचे। आप यह महसुस करे की आपके पास इतना पैसा आ गया है की आप उसे कभी पुरा खर्च नही कर पायेंगे। इस बात पर आप कैसा महसुस कर रहे है या आप कैसा महसुस करेंगे अगर आपके पास बड घर, बडी गाडी, महंगे कपडे और ढेर सारा पैसा हो, आप बस बिलकूल शांत होकर उस आनंद को महसुस किजीए जो इन सब वस्तुओ के होने पर आप महसुस करते। आप आपके पास बहुत पैसा है और आप सभी जरूरतमंदो की सहायता करते है, आप गरीब लोगोंको कपडे, खिलोने और खाना दान करते है, आपको और कोई बिल नही भरना, आपके सारे बिल भरे जा चुके है, आप आर्थीक तोर पर बिलकूल आझाद है, आपको अपने अगले कार्य की कोई चिंता नही क्यो की आपके पास अब वह सब कुछ है जो आप चाहते है, आपके पास इतना पैसा

है जो कभी खत्म नही होंगा, आपको यह सोचना है की ऐसे स्थिती में आप कोनसा व्यापार करना चाहेंगे, आप ऐसा क्या करेंगे जिस में आपको आनंद प्राप्त हो। यह कोनसा कार्य है जो आप ने अभी थोडी देर पहले अपने पुस्तीका में लिखा था या अपने मन में सोच कर रखा था। आपको यह सोचना है की कोनसा कार्य आपको पैसे आकर्षित करने में सहायता करेंगा। आपके मन में जो भी विचार आ रहे है आप अपने अभ्यास पुस्तका में लिख ले और बिलकूल शांत होकर बैठ जाईए। आप हमेशा हर कार्य में सफल होते है, आपके पास आवश्यकतासे अधिक धन है और आप एक धनवान व्यक्ती है, इन बातोंपर आप कैसा महसुस कर रहे है।

आपने अभी जो महसुस किया उस आनंद को अपने पुरे शरीर में बहने दीजीए। आप अपने आपसे पुछे की अब आपके पास सबकुछ है, बहुत सारा पैसा है, तो अब आप और अधिक पैसा आकर्षित करने के लिए क्या कर सकते है, आप क्या कर सकते है जिस में आपको आनंद मिले। गहरी सांस ले और

सांस छोडे, अपने आपको यह अहसास दिलाये के आप कहा हो। आप अपने रूम में अपनी खुर्सी पर बैठे, आप उन सब बातोंको सोचे जो अभी आपने महसुस किया है और उन्हे अपनी अभ्यास पुस्तकीका में लिख ले। आपने अभी अपने लक्ष्य के बारे में जाना है, आपने उस तरीके को देखा है जिस के द्वारा आप पैसों को आकर्षित कर सके। आप इस एक्सरसाईज को कभी भी कर सकते है जब भी आप चाहे, लेकीन इसे आप तभी करे जब आप किसी एकांत में बिलकूल शांत होकर बैठे हो।

आखरी अध्याय

इस किताब को अंतिम रूप देते हूॅए मै आपसे यही कहना चाहता हॅू की, इस किताब के खत्म होने के साथ साथ आपके जीवन का एक नया शुभारंभ हुआ है, मै इस बातसे बहुत खुश हॅू की मेरे द्वारा आप पैसे आकर्षित करने के रहस्य को जान पाये और कुछ ऐसा करने में सक्षम हो पाये जो आपको संपन्न व्यक्ती बनने में सहायता करे। मै यही चाहता हॅू की आप ‘‘कुछ ऐसी सम्मानजनक कार्य करने की हिम्मत करे, जीससे आपको यह संसार हमेशा याद रखे’’ मै चाहता हॅू की आप अपने खुद के लिए कार्य करे, अपना व्यवसाय शुरू करे और एक प्रतिष्ठीत व्यापारी बने, जीससे आप इस समाज की, अपने परिवार की, अपने दोस्तों की और सबसे बढकर इस दुनिया की मदत कर सके।

इस किताब के माध्यम से आप ने वह सब बाते जानी है जीस के द्वारा आप अपने जींदगी में

परिवर्तन लाने के लिए सक्षम हो चुके है। इसीलिए मै आपसे बस इतना चाहता हूॅ की आप अभी से अपनी सफलता की राह पर चलना आरंभ कर दे क्यो की जैसे मैने आपसे पहले भी कहा है की पैसें को तेजी पसंद है।

आपने अभी कई ऐसे तरीके सिखे, ऐसी तकनीकों के बारेमें पता की जीसके द्वारा आप पैसेंको आसानीसे आकर्षित कर सकते है लेकीन इसके लिए आपको अभीसे इसी वक्तसे कार्य शुरू करना होंगा, आप अपनी जींदगी बदल सकते है, लेकीन आपको इस बात को भी नही भुलना है की बैठे बैठे कुछ नही मिलता है, इसीलिए उठीए और अपनी सफलता की ओर कुच करे। मैने आपको वह सब तरीके बाताये जिसके द्वारा मै पैसा आकर्षित करने में सफल हूॅआ हूॅ, मै बस यही चाहता हूॅ की आप भी उसी प्रकार अपने जीवन में तरक्की पाये और सफल व्यक्ती बने और अपने जीवन को ऐसी राह पर ले जाये जहा पर आपके पास सिर्फ खुशीयॉ हो।

मै आपको धन्यवाद करना चाहता हूँ, क्यो की आपने मुझे अपने जीवन का एक हिस्सा बनाया और मुझे इस काबील समझा की मै आपकी कुछ सहायता कर सकु और आपके सामने अपने कुछ अनुभव और बाते रख सकु। मै भगवानसे बस यही प्रार्थना करता हूॅ की, वह आपको शक्ती दे जिससे आप अपने कार्य में सफलता हासील करे और हमेशा खुश रहे, धन्यवाद।

— डॉ. संतोष परब